2 फरीदाबाद
बीजेपी चुनावी वायदों को पूरा करने में पूरी तरह से असफल रही : देशवाल

6 अभिमत
अंबेडकर: न्याय व समानता के अग्रदूत

9 देश/विदेश
ममता ने निर्वाचन आयोग पर लगाया भाजपा के लिए कार्य करने का आरोप

11 लोकसभा चुनाव
योगी ने कहा-80 बनेगा आधार, राजग 400 के पार, फिर एक बार मोदी सरकार

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 7 अंक 70
फरीदाबाद, मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रूपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

'मुंबई को गेंदबाजी में करना होगा सुधार'
पेज - 12

यह अमोघ फलदायिनी हैं और भक्तों के तमाम कल्मष धुल जाते हैं। महागौरी का पूजन-अर्चन, उपासना-आराधना कल्याणकारी है।

मंत्र-

'सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि। सेव्यामाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी ॥'।'

● विस्तृत सामग्री पेज-10

बाजार

सेंसेक्स	73,399	▼	845.12
निफ्टी	22,272	▼	246.90
सोना	73,050	▲	300 /10 gm
चांदी	85,200	▲	500 /kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 38.00°C
न्यूनतम 26.00°C

क्विक न्यूज

अमरनाथ यात्रा 29 जून से रजिस्ट्रेशन शुरू

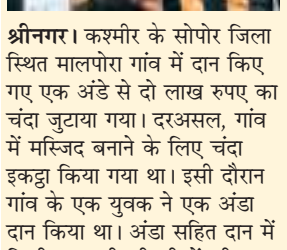

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होने वाली है। इस बार यह यात्रा 19 अगस्त तक चलेगी। 2023 में 1 जुलाई से यात्रा शुरू हुई थी। इस बार यात्रा 52 दिन की रहेगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। सरकारी आदेश के मुताबिक 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय नागरिक अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं। यात्रा के लिए जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 15 अप्रैल से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

मस्जिद निर्माण के लिए अंडा 2.27 लाख में बिका

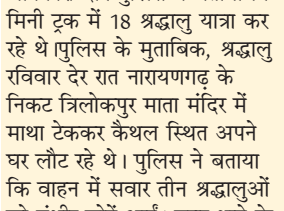

श्रीनगर। कश्मीर के सोपोर जिला स्थित मालपोरा गांव में दान किए गए एक अंडे से दो लाख रुपए का चंदा जुटाया गया। दरअसल, गांव में मस्जिद बनाने के लिए चंदा इकट्ठा किया गया था। इसी दौरान गांव के एक युवक ने एक अंडा दान किया था। अंडा सहित दान में मिली कुछ कीमती चीजों की नीलामी की गई। लोग बोली लगाकर अंडा खरीदते और पैसा चुकाने के बाद अंडा वापस मस्जिद कमेटी को लौटा देते। ताकि अंडे की फिर से नीलामी की जा सके। इस तरह 3 दिनों तक अंडे की नीलामी चली और 2.27 लाख रुपए इकट्ठा किए गए।

हरियाणा के अंबाला में श्रद्धालुओं से भरा वाहन पलटा

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले में अधोया गांव के समीप श्रद्धालुओं को ले जे रहे मिनी ट्रक का टायर फटने से वाहन पलट गया, जिस कारण कुछ यात्री घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मिनी ट्रक में 18 श्रद्धालु यात्रा कर रहे थे।पुलिस के मुताबिक, श्रद्धालु रविवार देर रात नारायणगढ़ के निकट त्रिलोकपुर माता मंदिर में माथा टेककर कैथल स्थित अपने घर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि वाहन में सवार तीन श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आईं। बरार थाने के उपनिरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि कैथल के सांघन गांव से 18 श्रद्धालु मिनी ट्रक में सवार होकर त्रिलोकपुर माता मंदिर में दर्शन के लिए गए थे। उन्होंने बताया, जब मिनी ट्रक अधोया गांव के निकट पहुंचा तो उसका टायर फट गया, जिसके बाद चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन पलट गया।

ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल की कस्टडी 23 अप्रैल तक बढ़ाई

सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी के खिलाफ नहीं सुनी अर्जी

कहा- 29 अप्रैल से पहले तारीख नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

शराब नीति घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने रविवार को कहा कि हम मामले की सुनवाई इस महीने (अप्रैल) के आखिरी हफ्ते में करेंगे। उधर, राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी है।

केजरीवाल की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने दलीलें रखीं। सिंघवी ने कोर्ट से कहा, मैं कुछ चौंकाने वाले फैक्ट्स आपके सामने रखना चाहता हूं। इस पर कोर्ट ने कहा कि हमें नोटिस जारी करने दीजिए। सिंघवी ने कहा- सुनवाई की तारीख पास रखिएगा, हो सके तो इस शुक्रवार। इस पर कोर्ट ने कहा- हम आपको करीब की तारीख दे सकते हैं, लेकिन वो तारीख नहीं जो आपने सुझाई है।

सिंघवी ने कहा कि गिरफ्तारी केवल इसलिए थी, ताकि केजरीवाल चुनाव प्रचार ना कर पाएं। कोर्ट ने कहा- हम इस महीने के आखिरी हफ्ते में सुनवाई करेंगे। वहीं, राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी है।

यानी वे 23 अप्रैल तक तिहाड़ में ही रहेंगे। कोर्ट ने केजरीवाल को 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक के लिए ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा था। केजरीवाल ?को तिहाड़ जेल में दो नंबर बैरक में रखा गया है। ईडी ने शराब नीति केस में केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 22 मार्च को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी हुई, जहां से उन्हें 28 मार्च तक ईडी की रिमांड पर भेजा गया। रिमांड बाद में एक अप्रैल तक बढ़ाई गई थी।

पतंजलि के बिस्किट में कम निकला वजन, 1.40 लाख जुर्माना

एजेंसी। इंदौर

इंदौर में पतंजलि के बिस्किट पैकेट में कम वजन निकलने का मामला सामने आया है। ग्राहक ने डी-मार्ट से 800 ग्राम का पैकेट खरीदा था। शक होने पर जब वजन करवाया तो यह 746.70 ग्राम ही निकला।

ग्राहक ने नापतौल विभाग में इसकी शिकायत की थी। तीन महीने चली सुनवाई के बाद विभाग ने 31 मार्च को फैसला सुनाया। इसमें पतंजलि और डी-मार्ट समेत पैकेजिंग कंपनी पर 1.40 लाख रुपए जुर्माना लगाया। आदेश की कॉपी पक्षकारों को अब मिली है। पतंजलि कंपनी और डी-मार्ट की ओर से जुर्माना जमा करा दिया गया है। हालांकि फरियादी को अभी कोई हर्जाना नहीं मिला है। उसे सेवा में कमी का केस दर्ज करवाने के लिए उपभोक्ता फोरम में जाने की सलाह दी गई है।

21 रिटायर्ड जजों ने सीजेआइ को लिखी चिट्ठी

कुछ लोग अपने फायदे के लिए ज्यूडीशियरी पर दबाव बना रहे, न्यायपालिका को बचाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स के 21 रिटायर्ड जजों ने सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखी है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कुछ लोग सोचे-समझे ढंग से दबाव बनाकर, गलत सूचनाएं और सार्वजनिक रूप से अपमानित करके न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिशें कर रहे हैं। ये लोग ओछे राजनीतिक हित और व्यक्तिगत लाभ के लिए न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम कर रहे हैं। चिट्ठी लिखने वाले 21 जजों में से 4 सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज हैं। जबकि बाकी 17 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस या अन्य जज हैं। 14 अप्रैल को सीजेआइ को भेजे गए ओपन लेटर में जजों ने उन घटनाओं के बारे में नहीं बताया है, जिसके कारण उन्हें इसे लिखना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस (रिटायर्ड) दीपक वर्मा, कृष्ण मुरारी, दिनेश माहेश्वरी और एमआर शाह समेत रिटायर्ड जजों ने आरोप लगाया है कि आलोचक अदालतों और जजों की ईमानदारी पर सवाल उठाने के साथ ज्यूडीशियल सिस्टम पर असर डालने के लिए धोखा देने वाले तरीके अपना रहे हैं। जजों ने कहा- इस तरह की कार्रवाइयां न केवल हमारी न्यायपालिका की पवित्रता का अपमान करती हैं, बल्कि न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों के लिए सीधी चुनौती देते हैं, जिन्हें बनाए रखने के लिए कानून के संरक्षक के रूप में जजों ने शपथ ली है।

लेटर में जजों ने ज्यूडीशियरी से जनता का भरोसा उठने की आशंका जताई है। उन्होंने लिखा- हम विशेष रूप से गलत जानकारी से ज्यूडीशियरी के खिलाफ जनता की भावनाओं को भड़काने वाले टैक्टिक्स को लेकर चिंतित हैं, जो न केवल अनैतिक है, बल्कि हमारे लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों के लिए नुकसानदायक भी है। किसी के विचारों से मेल खाने वाले अदालती फैसलों की चुनिंदा तौर पर तारीफ और जो फैसले विचारों से मेल नहीं खाते, उनकी तीखी आलोचना करने का चलन ज्यूडिशियल रिव्यू और कानून को कमजोर करता है।

बता दें, सीजेआइ चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखने वाले 600 से ज्यादा वकीलों ने लिखा था कि एक विशेष समूह न्यायपालिका पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। यह ग्रुप न्यायिक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और अपने घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडे के तहत उथले आरोप लगाकर अदालतों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। राजनीतिक मामलों में दबाव के हथकंडे आम बात हैं, खास तौर से उन केसेस में जिनमें कोई राजनेता भ्रष्टाचार के आरोप में घिरा है। ये हथकंडे हमारी अदालतों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरा हैं।

चुनाव आयोग के अफसरों ने राहुल के हेलिकॉप्टर की जांच की, मिला कुछ नहीं

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

इलेक्शन कमीशन के अधिकारियों ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर की जांच की। तमिलनाडु के नीलगिरि में फ्लाइंग स्क्वॉड के अधिकारियों ने यह छानबीन की। चुनाव अधिकारियों को किसी ने कोई गुप्त सूचना दी थी। संभवतया यह चेकिंग उसी का नतीजा रही है। इसकी जानकारी चुनावी आयोग की तरफ से सार्वजनिक नहीं की गई है। राहुल ने यहां नीलगिरि कॉलेज में आर्ट्स और साइंस के स्टूडेंट्स और चाय बागान के वर्कर्स से मुलाकात की। तमिलनाडु के बाद राहुल गांधी केरल के वायनाड पहुंचे। यहां उन्होंने रोड शो किया। रोड शो के दौरान उन्होंने कहा कि वायनाड के लोग हर बार मुझे जो प्यार और अपनापन देते हैं, उसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूं। वायनाड का हर एक शख्स मेरा परिवार है।

राहुल ने कहा कि कई बार एक परिवार में भाई-बहनों के बीच कई मामलों में राय अलग होती है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं होता है कि वे एक-दूसरे से प्यार नहीं करते, एक-दूसरे का सम्मान या परवाह नहीं करते। राजनीति का पहला कदम है एक-दूसरे का सम्मान करना। भाजपा और पीएम कहते हैं कि एक देश, एक भाषा, एक नेता होना चाहिए। वे हमारे देश को समझते ही नहीं हैं। भाषा कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप ऊपर से थोप सकते हैं। ये तो हर इंसान के दिल से निकलती है। ये आपको आपकी सभ्यता से जोड़ती है। ऐसा ही हमारे इतिहास, संस्कृति और धर्म के साथ भी है। भारत गुलदस्ते जैसा है और गुलदस्ते के हर फूल का सम्मान किया जाना चाहिए क्योंकि ये गुलदस्ते की खूबसूरती बढ़ाता है।

ये आइडिया कि भारत में एक ही नेता होना चाहिए, ये देश के युवा का अपमान है। सिर्फ एक नेता क्यों हो? भाजपा और हमारे बीच यही सबसे बड़ा फर्क है। हम जानना चाहते हैं कि लोगों के दिलों में क्या है, हम लोगों की मान्यताओं, संस्कृति, भाषा और धर्म का सम्मान करते हैं, जबकि वे लोग सब पर अपना विचार थोपना चाहते हैं। हमने अंग्रेजों से आजादी इसलिए नहीं पाई थी कि आरएसएस की विचारधारा के गुलाम हो जाएं। इंसान और जानवर के बीच का संघर्ष वायनाड के लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। रात के समय ट्रैफिक पर लगाई गई रोक से भी लोग काफी परेशान हैं। हम इन परेशानियों को सुलझाने की कोशिश करेंगे। इसे लेकर हमने राज्य और केंद्र सरकार को कई पत्र लिखे हैं। हम आगे भी उन पर प्रेशर बनाते रहेंगे।

वायनाड में जनसभा को संबोधित किया, अपने बारे में जानकारी उपलब्ध कराई

वायनाड में जनसभा के बाद राहुल गांधी ने सोमवार शाम उत्तर कोझिकोड में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की रैली को संबोधित किया।

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ से 33 लोगों की मौत

एजेंसी। इस्लामाबाद

अफगानिस्तान में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के कारण तीन दिन में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मंत्रालय के लिए तालिबान के प्रवक्ता अब्दुल्ला जनान सैक ने रविवार को बताया कि राजधानी काबुल और कई प्रांतों में अचानक बाढ़ आ गई है। बाढ़ के कारण 600 से अधिक मकान नष्ट हो गए हैं, जबकि करीब 200 मवेशियों की मौत हो गई है।

सैक ने बताया कि बाढ़ से 800 हेक्टेयर कृषि भूमि भी नष्ट हो गई है और 85 किलोमीटर से अधिक की सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बाढ़ के कारण पश्चिमी फराह, हेरात, दक्षिणी जाबुल और कंधार प्रांतों में सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान में आने वाले दिनों में और बारिश का अनुमान जताया है।

प्लेन में दो मिनट का फ्यूल बचा था चंडीगढ़ में इमरजेंसी लैंडिंग कराई

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

अयोध्या से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट दिल्ली में मौसम खराब होने के कारण वहां लैंड नहीं कर पाई। इसके बाद इसे चंडीगढ़ डाइवर्ट किया। वहां जब फ्लाइट को लैंड कराया गया तो उस समय फ्लाइट में केवल दो मिनट का फ्यूल बचा था। घटना 13 अप्रैल की है।

यह शिकायत अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दिल्ली पुलिस के डीसीपी क्राइम सतीश कुमार ने की है। वह भी इस फ्लाइट में यात्रा कर रहे थे। हालांकि, चंडीगढ़ एयरपोर्ट के सीइओ राकेश सहाय ने ऐसी किसी घटना के होने से इनकार किया है। इस मामले में इंडिगो ने सफाई जारी की है। इसमें कहा गया कि विमान के कैप्टन ने एसओपी का पूरी तरह पालन किया। ये बिल्कुल सुरक्षित प्रक्रिया है। विमान को वैकल्पिक एयरपोर्ट (चंडीगढ़) ले जाने के लिए विमान में हर समय पर्याप्त फ्यूल था। हमारे यात्रियों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है।

के.कविता को राउज एवेन्यू कोर्ट ने 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने कथित दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता की जमानत अर्जी पर सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया।

सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामलों के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया और संघीय एजेंसी को 22 अप्रैल तक अर्जी पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सीबीआई ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी एवं बीआरएस की विधान परिषद सदस्य कविता को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से वह तिहाड़ जेल में बंद थीं।

कांग्रेस की लोकसभा टिकटों पर रार, गलत टिकट वितरण से फिर बिगड़ेगा खेल

फरीदाबाद में जीत की संभावना महेंद्र प्रताप की, दलाल के लिए टिकट मांग रहे हुड्डा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रदेश में कांग्रेस की लोकसभा टिकटों को लेकर बवाल मच गया है। कांग्रेस अभी तक एक भी उम्मीदवार की घोषणा नहीं कर पाई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी से मीटिंग के बावजूद नौ में से 6 सीटों पर हुड्डा और एसआरके में चल रही गुटबाजी के कारण पेंच फंस गया है।

एक कुरुक्षेत्र सीट कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक में साथी आम आदमी पार्टी (आप) को दी है। टिकटों के बंटवारे में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और प्रधान उदयभान का गुट एक तरफ है, जबकि दूसरी तरफ कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला का गुट है। दोनों के बीच अपने गुट के उम्मीदवारों को टिकट देने को लेकर खींचतान चल रही है, जिस वजह से केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग के बावजूद कांग्रेस लिस्ट जारी नहीं कर पाई है। वहीं बवाल बढ़ने पर अब उम्मीदवारों के अंतिम फैसले का अधिकार कांग्रेस हाईकमान को दे दिया गया है।

दरअसल, फरीदाबाद लोकसभा सीट पर पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा अपने रिश्तेदार करण दलाल को टिकट दिलाना चाहते हैं, जबकि एसआरके गुट फरीदाबाद सीट को जीतने के लिए चौ. महेंद्र प्रताप को टिकट देने की बात कर रहे हैं। एसआरके गुट ने ग्राउंट रिपोर्ट लेकर आलाकमान को बताया है कि यदि करण दलाल को टिकट दी जाती है तो वे काउंटिंग के मध्य में ही हार जाएंगे। करण दलाल के ऊपर पलवल जिला के अधिकांश गांवों में पार्टीबाजी कराने का ठप्पा लगा हुआ है, जिस कारण हरेक गांव में करण दलाल की जबरदस्त खिलाफत है।

भूपेंद्र हुड्डा और सैलजा-सुरजेवाला गुट छह सीटों पर अड़े हैं

दोनों ने सोनिया-खड़गे की बनाई कमेटी से किया किनारा

दूसरी बड़ी वजह कि फरीदाबाद सीट गुर्जर बाहुल्य सीट है, इसीलिए कोई भी गुर्जर करण दलाल को वोट नहीं देगा। तीसरा, करण दलाल का फरीदाबाद में बिल्कुल जनाधार नहीं है। इसके विपरीत यदि महेंद्र प्रताप को टिकट दी जाती है तो वे लोकसभा क्षेत्र के सभी गुर्जरों को साधने में कामयाब हो सकते हैं। इसके अलावा महेंद्र प्रताप जाट वोट, मुस्लिम वोट, परंपरागत कांग्रेसी वोट, पंजाबी वोट भी हासिल करने में सक्षम हैं।

फरीदाबाद सीट के अलावा हिसार सीट पर भी यही हाल हैं। यहां पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह और जय प्रकाश आमने-सामने हैं। बृजेंद्र सिंह पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं और हाल ही में उन्होंने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस जॉइन की है। बृजेंद्र सिंह के लिए सैलजा-सुरजेवाला गुट हिसार से ही टिकट देने की पैरवी कर रहा है, जबकि जेपी के लिए हुड्डा गुट लगा हुआ है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा पूर्व करनाल सीट से ब्राह्मण दांव खेलने के पक्ष में है। वह यहां से विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के बेटे चाणक्य पंडित को प्रत्याशी बनाने पर जोर लगा रहा है। हुड्डा गुट का दावा है कि चाणक्य के दादा इसी सीट से चार बार सांसद रहे हैं।

हालांकि, सैलजा-सुरजेवाला कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र राठौर और वीरेंद्र बुल्लेशाह का नाम प्रस्तावित कर रहे हैं । वे मनोहर लाल के सामने राजपूत या पंजाबी समुदाय का प्रत्याशी चाह रहे हैं। इनके अलावा , एनसीपी के नेता वीरेंद्र मराठा के नाम पर भी चर्चा हुई है, लेकिन इंडिया गठबंधन में यह सीट मराठा को देने पर सहमति नहीं बन रही है।

भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट पर विधायक किरण चौधरी की बेटी और पूर्व सांसद श्रुति चौधरी और विधायक राव दान सिंह टिकट के प्रबल दोवदार हैं।

सैलजा-सुरजेवाला श्रुति के लिए टिकट पर अड़ा हुआ है, लेकिन हुड्डा गुट श्रुति का विरोध कर राव दान सिंह की पैरवी में जुटा हुआ है। गुरुग्राम सीट पर हुड्डा गुट यहां से फिल्म अभिनेता राज बब्बर को टिकट देने के लिए अड़ा हुआ है। जबकि सैलजा-सुरजेवाला गुट कैप्टन अजय यादव के लिए टिकट मांग रहा है। कैप्टन यादव के साथ एक प्लस पॉइंट है कि उनकी टिकट के लिए लालू यादव भी पैरवी कर रहे हैं, उसकी वजह यह है कि वह उनके समधी हैं। सोनीपत से दोनों गुटों ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

(फरीदाबाद लोस सीट की ग्राउंट रिपोर्ट अगले अंक में पढ़ें:)

नेहरू कॉलेज में कंप्यूटर विभाग द्वारा पोस्टर मेकिंग का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर फरीदाबाद के कुशल निर्देशन में कंप्यूटर विभाग द्वारा इंटर कॉलेज पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर नीलम दहिया रही। डॉक्टर पूनम एचओडी कंप्यूटर साइंस ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। प्रतियोगिता में फरीदाबाद के विभिन्न कॉलेजों जैसे- डीएवी, केएल मेहता ,अग्रवाल कॉलेज, नेहरू कॉलेज, गवर्नमेंट कॉलेज मोहना, गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज, गवर्नमेंट कॉलेज तिगांव से 77 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को पांच विषय जैसे आईओटी, मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर थ्रेट्स, क्रिटोकरंसी दिए गए। छात्रों ने पूरे उत्साह से बढ़-चढ़कर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया एवं बहुत सुंदर पोस्टर बनाएं। जजमेंट पैनल में डॉक्टर नीलम दहिया के साथ रंजीता, सोनिका, डॉ. रजनी खन्ना एवं डॉक्टर पूनम स्वयं रहीं। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को कैश प्राइज से विभूषित किया गया। प्रतियोगिता स्थल पर कंप्यूटर विभाग के सभी प्राध्यापक डॉ रजनी खन्ना, डॉक्टर रुचिका, डॉक्टर कल्पना, अनु खन्ना उपस्थित रहे।

बीजेपी चुनावी वायदों को पूरा करने में पूरी तरह से असफल रही : देशवाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला पलवल इनेलो के कार्यकारी अध्यक्ष सतपाल देशवाल ने सोमवार को पायनियर को दिए अपने इंटरव्यू में कहा है कि भाजपा पार्टी ने चुनाव से पहले जनता से जो वायदे किए थे, उनको पूरा करने में पूरी तरह से असफल रही है। बीजेपी के 10 साल के शासन में देश आगे जाने की जगह और पीछे चला गया है। बीजेपी के शासनकाल में देश में बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। वहीं मंहगाई भी हर दिन नए रिकॉर्ड तोड़ रही है। बीजेपी के शासनकाल में देश व प्रदेश में कानून व्यवस्था का पूरी तरह से दिवालिया निकल गया है। शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं महंगी हुई हैं। किसानों को उनकी फसलों की उचित कीमत नहीं मिलने से उनकी हालात दयनीय हुई हैं। बीजेपी की नीतियों से जनता बुरी तरह से त्रस्त है। इसलिए आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जनता बीजेपी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देगी। जनता दोबारा से इनेलो पार्टी सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला की नीतियों को याद कर रही है।

सतपाल देशवाल ने कहा कि बीजेपी पार्टी व प्रधानमंत्री ने सत्ता में

आने से पहले दो करोड़ रोजगार प्रति वर्ष देने का वायदा किया था। परंतु सत्ता में आते ही बीजेपी व उसके नेता रोजगार देने की जगह सरकारी विभागों और कंपनियों को बेचने में लग गए। जिससे सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर खत्म हो गए। इससे युवाओं को आज सरकारी क्षेत्र में कोई रोजगार नहीं मिल रहा है। बीजेपी के 10 साल के शासनकाल में 20 करोड़ रोजगार मिलने चाहिए थे, परंतु रोजगार मिलने की जगह लोगों को कंपनियों और विभागों के घाटे में दिखाने का बहाना करके नौकरी से निकाला जा रहा है। देशवाल ने कहा कि सरकार की तरफ से विदेशी पूंजी निवेश की बढ़-चढ़कर बात की जा रही है। परंतं धरातल पर कहीं भी विदेशी पूंजी निवेश दिखाई नहीं दे रहा है। नई औद्योगिक इकाइयां लगने की जगह कंपनियां देश व प्रदेश को ही छोड़कर जा रही हैं, जिससे रोजगार के अवसर घटे हैं। उन्होंने बताया कि इनेलो सुप्रीमो के शासनकाल में हरियाणा में लाखों युवाओं को रोजगार दिया गया था। परंतु उसके बाद की कांग्रेस व बीजेपी सरकार युवाओं को नौकरी देने मे पूरी तरह से असफल रही है। देशवाल ने बताया कि सत्ता में आने से पहले बीजेपी ने पैट्रोल, डीजल, रसोई गैस व जरूरत के सामानों के दाम आधे करने का वायदा किया था। परंतु बीजेपी की सरकार के आते ही इनके दाम दो से तीन गुणा बढ़ा दिए गए हैं, जिससे मंहगाई आसमान छू रही है। महंगाई बढ़ने की वजह से लोगों का जीना भी दूभर हो गया है। सरकार के नोटबंदी के फैसले से उद्योग जगत की कमर टूट गई, इससे लाखों लोग अपने रोजगार से हाथ धो बैठे हैं। आज देश व प्रदेश में बेरोजगार लोगों की फौज खड़ी हो गई है। देशवाल ने बताया कि बीजेपी के शासनकाल में शिक्षा और स्वास्थ्य काफी महंगा हो गया है। जो आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है। उन्होंने बताया कि युवक लाखों रुपये खर्च करके शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके बाद भी उनको नौकरी नहीं मिल रही है। जिससे युवाओं में भारी रोष है। बीजेपी सरकार ने सत्ता में आने से पहले किसानों की आय दोगुना करने का वायदा किसानों से किया था। परंतु आय बढ़ाने की जगह किसानों की खेती में काम आने वाले खाद, बीज, खरपतवार नाशक दवाइयां, कृषि उपकरणों व डीजल के दाम बढ़ा दिए।

इलेक्ट्रोनिक्स सामान के उत्पादन में अव्वल फरीदाबाद स्वास्थ्य सुविधाओं में पिछड़ा

आज भी आईसीयू की सुविधा को तरस रहा बीके अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इलेक्ट्रोनिक्स सामान के उत्पादन में फरीदाबाद शहर अव्वल स्थान पर आता है। परंतु इसका बीके अस्पताल आज भी आईसीयू जैसी जन सुविधाओं से वंचित है। जिसकी वजह से इस अस्पताल में आने वाले मरीजों को इलाज में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि आईसीयू की सुविधा नहीं होने से यहां पर आए मरीजों को दूसरे शहरों को रेफर कर दिया जाता है, इससे उन्हें इलाज में समय लगता है। कई बार तो वे रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। जिससे मरीज के रिश्तेदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने बगैर देरी के आईसीयू की सुविधा की मांग बीके अस्पताल के लिए की है। जिससे लोगों को दूसरे शहरों को इलाज के लिए धक्के खाने से छुटकारा मिल सके।

वर्लपूल इंडिया लिमिटेड कंपनी फरीदाबाद के एनआईटी में स्थित है। यह कंपनी इलेक्ट्रोनिक्स सामान का उत्पादन करती है। इलेक्ट्रोनिक्स सामान के उत्पादन में फरीदाबाद शहर देश के अव्वल शहरों में आता है। फरीदाबाद के एनआईटी स्थित वर्लपूल औद्योगिक इकाई में हर महीने सैकड़ों करोड़ रुपये के इलेक्ट्रोनिक्स सामान का उत्पादन होता है। यहां से उत्पदान के बाद ामान बिक्री के लिए प्रदेश, देश के अलावा विदेशों में बिक्री के लिए जाता है। इनकी बिक्री से फरीदाबाद और हरियाणा को सैकड़ों करोड़ रुपये का राजस्व मिलता हैं। परंतु उसके बाद भी फरीदाबाद का बीके अस्पताल आईसीयू की सुविधा से वंचित है। लोगों का कहना है कि बीके अस्पताल में हर रोज सैकड़ों की संख्या में मरीज फरीदाबाद-पलवल जिलों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। उनमें से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को आईसीयू की सुविधा नहीं होने से दिल्ली व रोहतक के अस्पतालों को डॉक्टर रेफर कर देते हैं। लोगों ने कई बार क्षेत्र के सांसद, विधायकों से बीके अस्पताल में आईसीयू सुविधा शुरू करवाने की मांग की है, परंतु उस पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि बीके अस्पताल फरीदाबाद में तुरंत आईसीयू की सुविधा शुरू की जाए।

फरीदाबाद इलेक्ट्रोनिक्स सामान उत्पादन में देश में अव्वल शहरों में से एक है। इससे फरीदाबाद व प्रदेश को सैकड़ों करोड़ रुपये का राजस्व मिलता है। परंतु उसके बाद भी फरीदाबाद का बीके अस्पताल में आईसीयू की सुविधा नहीं है।

-शिवकरण शर्मा

फरीदाबाद के बीके अस्पताल में बगैर देरी के आईसीयू की सुविधा शुरू की जाए। जिससे अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों का यहीं पर इलाज हो सके और उन्हें इलाज के लिए दर दर भटकना न पड़े।

-सतबीर सिंह डागर

दो कमरों का मकान बनाना मुश्किल

बीजेपी के शासनकाल में भवन निर्माण सामग्री के दाम बढ़े

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही एकाएक हर जगह चुनाव व राजनीतिक पार्टियों की नीतियों और वायदों पर जनता खूब चर्चा कर रही है। जहां कुछ लोग बीजेपी को देश के लिए आवश्यक बता रहे तो कुछ लोगों का कहना है कि बीजेपी केवल जाति और धर्म की बात करती है। उसे मंहगाई, रोजगार व दूसरे कार्यों से कोई मतलब नहीं है। दिल्ली चौक पर भवन निर्माण के लिए सामान के लिए खरीदने के लिए आए अजय का कहना था कि बीजेपी महंगाई कम करने की बात करके सत्ता में आई थी, परंतु सत्ता में आते ही भवन निर्माण के सामान के रेट कई गुणा बढ़ गए हैं। जिससे लोगों को अपने लिए दो कमरों का घर बनाना भी दूभर हो गया है। अजय का कहना था कि बीजेपी के सत्ता में आने से पहले क्रेशर, रेती आदि के दाम बहुत ही कम थे, परंतु आज इनके दाम 42 से 45 रुपये प्रति फुट हो गए हैं। यही हाल ईंटों का हो गया है। बीजेपी के सत्ता में आने से पहले ईंटों के भाव जहां 2000 से 2200 रुपये था, परंतु आज उनके दाम 7400 से 7500 रुपये प्रति हजार हो गया है। यही हाल सीमेंट और रोड़ी का भी है। सीमेंट का जो कट्टा पहले 100 से 120 रुपये तक ही आता था, आज उसके दाम 400 रुपये तक पहुंच गए हैं। इसकी वजह से गरीब व आम आदमी का दो कमरों का मकान भी बनाना दूभर हो गया है। वहीं कन्हैयालाल व अतुल कुमार का कहना था कि महंगाई बढ़ी है। क्रेशरर, ईंट और दूसरी वस्तुओं के दाम बढ़े हैं। इसके साथ लोगों की आय में भी तो बढ़ोतरी हुई है। जिससे आज वे आराम से इनको खरीदकर अपने लिए घरों का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर अन्य लोगों का कहना था कि सरकार को महंगाई को काबू में करने के लिए कुछ कदम उठाने चाहिए। जिससे सभी लोग अपने लिए घर बना सकें।

सीवर ओवरफ्लो से सड़क पर बह रहा पानी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 21-ए में कई प्रकार की जन समस्याएं बनी हुई हैं एवं बढ़ती जा रही हैं। किंतु न तो नगर निगम प्रशासन एवं न ही डब्ल्यूसीआरए के पदाधिकारियों को समाधान की फिक्र है। जन समस्याओं का जिक्र करते ही माथा ठनक जाता है। सेक्टरवासियों ने बताया कि मदर डेयरी बूथ संख्या 968 के निकट काफी अरसे से सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है, जिससे हजारों यात्रियों एवं वाहन चालकों को गंदगी से निकलना पड़ रहा है। इससे लोगों में रोष व्याप्त है।

समाजसेवी युगल किशोर शर्मा ने बताया कि मैत्री ब्लॉक, महिमा लेन एवं सेंट्रल पार्क के पास भी कई कई दिनों तक कूड़ा करकट और कचरे का ढेर पड़ा रहता है। उसका उठान नहीं करवाया जा रहा है। लोगों ने समस्या को सेक्टर के व्हाट्सऐप ग्रुप में भी लिखा गया था, किंतु समस्या जस की तस बनी हुई है। नगर निगम अधिकारियों ने भी समस्याओं से मुंह फेर रखा है। आर्य समाज सेक्टर-21 के कोषाध्यक्ष अर्जुन भल्ला ने कहा कि जनप्रतिनिधि आगामी लोकसभा सभा चुनावों के मद्देनजर कार्यक्रमों में बड़े-बड़े सब्जबाग दिखा रहे हैं, किंतु अंदरूनी समस्याओं के प्रति जो उदासीनता बढ़ती जा रही है, उससे सेक्टर 21-ए में नकारात्मकता बनी हुई है। प्रशासन, पदाधिकारियों की कार्यशैली से लोगों में नाराजगी है।

लोगों का कहना है कि डब्ल्यूसीआरए नगर निगम प्रबंधन के साथ बेहतर तालमेल बिठाकर समस्याओं का निराकरण कराएं, जोकि उनका नैतिक व सामाजिक दायित्व है।

वोटर्स बोले बीजेपी सरकार ने गरीबों को बहुत कुछ दिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोकसभा के चुनाव को लेकर मतदाताओं में विकास व क्षेत्र की तरक्की को लेकर चर्चा होने लगी है। अधिकतर मतदाताओं का कहना है कि अभी तक तो यह ही नहीं पता चल रहा है कि कांग्रेस से कौन सा उम्मीदवार है।

जब तक यह पता नहीं चल जाता तो हमारे लिए तो बीजेपी ही मैदान में है और उसी से उम्मीदें हैं।

बलवीर जोकि अपनी छोटी सी दुकान से गुजारा करते हैं, उनका कहना है कि जो भी सांसद बने वह जनता के विकास के कार्य करवाए। देश और विदेश में भारत का नाम रौशन करे। हम तो बीजेपी को ही वोट देंगे। उन्होंने जिस कार्य के लिए कहा उसे पूरा करने का प्रयास किया।

चश्मों की दुकान करने वाले नरेश का कहना है कि हम तो बीजेपी को ही वोट देंगे। उन्होंने कुछ काम तो किये। गरीबों को गैस के सिलेंडर और घर लाने के लिए पैसा दिया। इससे पहले कई सरकारें

आईं और कई गईं, परंतु किसी ने भी गरीबों की सुध नहीं ली।

रेहड़ी लगाकर गुजारा करने वाले जयप्रकाश का कहना था कि हम जैसे गरीबों का मोदी सरकार ने ख्याल रखा है और हमें कार्य करने के लिए बैंक से लोन भी दिया। जिसे हमने किश्तों में बैंक को वापस कर दिया और उसके बाद हमें बैंक से और लोन भी मिला।

वहीं उधम सिंह का कहना था कि हम तो मोदी के कार्यों से संतष्ट हैं और मोदी को ही वोट देंगे। उन्होंने कहा जो कार्य अभी तक नहीं हुए तो अब हो जाएंगे।

समय पर इलाज से पार्किंसंस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एकॉर्ड अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को बीमारी के लक्षण और बचाव की जानकारी दी गई। अस्पताल के न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. रोहित गुप्ता ने कहा कि बदलते दौर के साथ पार्किंसंस की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। जागरुकता के साथ समय पर इलाज से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है।

वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. रोहित गुप्ता ने बताया कि पार्किंसंस डिजीज एक ब्रेन डिसऑर्डर है। जिसमें हाथ या पैर से दिमाग तक पहुंचाने वाली नसें या तंत्रिका काम करने में असमर्थ हो जाती है। इसमें व्यक्ति का हाथ पर से नियंत्रण बहुत कम हो जाता है। आमतौर पर जब दिमाग को संदेश देने वाला डोपामाइन का स्तर कम हो जाता है तब यह बीमारी होती है। उन्होंने कहा की अगर किसी व्यक्ति के हाथ, पैर या शरीर के अन्य किसी हिस्से में कंपकपी होती है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह पार्किंसंस बीमारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि युवाओं में पार्किंसंस बीमारी के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। शुरुआती सालों में इसके लक्षण काफी धीमे होते हैं, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। इसके चार मुख्य लक्षण हैं। इसमें हाथ, बाजू, टांगों, मुंह और चेहरे में कंपकपाहट होना, जोड़ों या धड़ में कठोरता आना, हरकतों में धीमापन और संतुलन व तालमेल बिगड़ना शामिल हैं। शुरू में रोगी को चलने, काम करने में दिक्कत होती है।

जीवा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने गिनीज वर्ल्ड बुक में अपना रिकॉर्ड दर्ज कराया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से गिनीज वर्ल्ड बुक में रिकॉर्ड दर्ज कराया और यह सिद्ध कर दिया कि विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा वास्तव में ही उत्कृष्ट है।

जीवा पब्लिक स्कूल के छात्र प्राय पर्यावरण संरक्षण से संबंधित बहुत से करते हैं। अभी हाल ही में विद्यालय के कक्षा छठी से लेकर बारहवीं तक के छात्रों ने एक कीर्तिमान बनायाए। छात्रों ने कागज़

की बर्बादी और पर्यावयण को बचाने के उद्देश्य से एक दान अभियान शुरू किया। इस अभियान में सभी छात्रों से अपील किया गया कि वे अपनी अनुपयोगी किताबें या नोट.बुक उदारतापूर्वक दान करें। छात्र यह सभी सामग्री एकत्र करके विद्यालय के इंटरएक्ट क्लब को देते हैं और इंटरएक्ट की इंचार्ज दीपा गाबा इन्हें ब्लू प्लैनेट कंपनी को दे देती हैं। विद्यालय ने यह अभियान ब्लू प्लैनेट कंपनी के साथ मिलकर किया।

ब्लू प्लैनेट कंपनी ने कागज की बर्बादी को कम करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए स्कूलों के साथ मिलकर बेकार कागज संग्रहण का आयोजन किया है। जीवा स्कूल के छात्रों ने 24 घंटे के भीतर वेस्ट पेपर कलेक्शन का एक शानदार रिकॉर्ड बनाया और इसे विश्व गिनीज बुक में दर्ज़ किया गया है। पहले यह रिकॉर्ड अमेरिका के नाम पर था, अब यह भारत के नाम पर है। छात्रों को कागज की बर्बादी कम करने और पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित करने के लिए जीवा ने भी छात्रों के साथ इस सहयोग में भाग लिया है।

जीवा पब्लिक स्कूल में छात्रों को एसओई करवाई जाती है, जिसमें उन्हें अपने आसपास के पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी जाती है। छात्र नियमित रूप से कार्य को करते हैं। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान ने बच्चों को बधाई दी।

गरीब, पिछड़े एवं दलित समाज के सच्चे सुधारक थे बाबा साहेब : दीपक डागर

फतेहपुर बिल्लोच में हुआ भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब के 133वें जन्मदिवस पर समारोह का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत के संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर के 133वें जन्मदिवस समारोह के अवसर पर पृथला विधानसभा क्षेत्र के गांव फतेहपुर बिल्लोच के सरकारी हाई स्कूल में एक समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक डागर ने शिरकत की और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दीपक डागर ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर गरीब, पिछड़े एवं दलित समाज के सच्चे सुधारक थे, उन्होंने देश से जाति-पाति का भेदभाव मिटाकर सभी को समान अधिकार दिलवाने का प्रयास किया और गरीब व पिछड़ों को भी समाज की मुख्य धारा से जोडने का काम किया। श्री डागर ने कहा कि बाबा भीमराव ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया और उन्होंने सदैव गरीब व पिछड़ों के हकों के लिए आवाज उठाई और उन्हें भी एक समान अधिकार दिए जाने की मांग उठाकर समानता का अधिकार दिलवाया। उन्होंने कहा कि आज उनके जन्मदिवस पर हम सभी को उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए, यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबा साहेब के सपनों को साकार करने में जुटे है और एक ऐसे भारत की नींव रख रहे है, जिसमें कोई बड़ा छोटा न हो और कोई अमीर गरीब न हो बल्कि सबको समान अधिकार मिले, इसी सशक्त भारत को मोदी जी संवारने में जुटे हैं। इस मौके पर विजय लोहिया चेयरमैन जिला परिषद, धरमू सरपंच, जयदेव प्रधान, धर्मबीर, सुंदर मेंबर, गरीब चंद, तिलकराज, चुन्नी लाल, जयप्रकाश, जगमोहन, दीपक, डॉ. प्रताप वशिष्ठ, नन्द किशोर, वेद पंडित, महेश फौगाट, मंजू फौगाट, जितेंद्र आर्य मोहना, चंद्रपाल चेयरमैन ब्लाक समिति, ओमपाल जवां, सरोज सैनी सरपंच फतहेपुर, दिनेश मास्टर, गोल्डी बरेजा, कंचन डागर, डॉ. प्रताप सिंह चेयरमैन, खेमचंद सैनी, श्याम बाबू आदि मौजूद थे।

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में मनाई गई अंबेडकर जयंती

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के पुस्तकालय में भारतीय संविधान के निर्माता व शिल्पकार डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की स्मृति में हर साल की भांति उनके जन्म दिवस के अवसर पर अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान देवेंद्र गुप्ता की सद्प्रेरणा व महाविद्यालय के महासचिव दिनेश गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. संजीव गुप्ता ने उन्हें प्रख्यात अर्थशास्त्री, कानूनविद और राजनेता बताते हुए सभी के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट मो.नं. -7428353299
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक मो. नं. - 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ मो.नं.- 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मो.नं.-9255029919
- त्रिलोक, फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक, मो. नं. 9910754890
- हितेश सेक्टर-29, फरीदाबाद मो. नं. 9910533103

लिये फिरते हैं मन में लोग इक गठरी बुराई की
मगर करते फिरेंगे बात दुनिया की भलाई की
ज़रूरी है कि पहले मन के सारे पाप धुल जाएं
लगे फिर आग पुतले में किसी भी आततायी की

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि गुमशुदा खुशबू पुत्री सहजाद खान निवासी गांव जलालाबाद, जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश हाल निवासी किरायदार राम खिलाड़ी का मकान, नजदीक बी.बी.एन. स्कूल, जीवन नगर पार्ट 02, फरीदाबाद दिनांक 15.01.2024 को समय शाम करीब 06.00/06.00 बजे बिना किसी को बताये अपनी मर्जी से कहीं चली गई है, जो अभी तक वापिस नहीं आई है, जिसका हुलिया रंग सांवला, लम्बूतरा चेहरा, पतला शरीर, कद 5 फुट 1 इंच बा उम्र 20 साल है, जिसने हरे रंग का सूट व काली रंग की पेन्ट और पैरों में जूते पहने हुए है, अगर किसी व्यक्ति को गुमशुदा लड़की के बारे में सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सम्पर्क करें।

प्रबन्धक थाना मुजेसर, फरीदाबाद : 9582200131, 0129-2232610
पुलिस नियत्रंण कक्ष : 9467628610
अनुसन्धान अधिकारी मुख्य सिपाही भरत सिंह : 100, 9999150000

यज्ञ से प्रारंभ हुआ विश्वकर्मा स्किल स्कूल का सत्र

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में मनाया गया मेडिकल लैब टेक्नोलोजिस्ट डे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के नए सत्र का शुभारंभ वैदिक यज्ञ के साथ हुआ। मंत्रोच्चारण के साथ विद्यार्थियों के लिए मंगलकामना की गई। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने मुख्य यजमान के रूप में हवन में आहुति डाली और विद्यार्थियों के सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा और अनुशासन दोनों बहुत जरूरी हैं। विद्यार्थियों को लक्ष्य केंद्रित कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि यह स्कूल देश का पहला अपनी श्रेणी का इनोवेटिव स्कूल है।

विद्यार्थियों को इस नवाचारी वातावरण का लाभ मिलेगा। प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक लैब बनाई गई हैं। उन्हें लैब का सदुपयोग करना चाहिए। स्कूल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्होंने प्राचार्य डॉ. जलबीर सिंह को बधाई दी। प्राचार्य डॉ. जलबीर सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को नवाचारी वातावरण प्रदान कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना हमारा लक्ष्य है।

दूसरी तरफ श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में सोमवार को मेडिकल लैब टेकनोलोजिस्ट डे मनाया गया। जेनेटिक्स इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने एमएलटी के शिक्षकों और विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में नया करने के लिए प्रेरित किया। श्री सत्य साईं संजीवनी इंटरनेशनल सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट की ओर से डॉ. प्राची ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और विद्यार्थियों को इस क्षेत्र के नए आयामों से रूबरू करवाया। अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आरएस राठौड़ ने कहा कि मेडिकल लैब प्रोफेशनल मेडिकल साइंस के रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करते हैं। उनकी सहायता के बिना इलाज संभव नहीं है। डॉ. मोहित श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रोफेसर डीके गंजू, डॉ. संतोष यादव आदि मौजूद थे।

निजी बसों के साथ अवैध तिपहिया, कैब, ईको में भी बच्चों को ढोह रहे चालक

हादसे के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, बसों तक सीमित अभियान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में बसों के अलावा अवैध वाहन, ईको, कैब और तिपहिया तक स्कूली बच्चों को ढोह रहे हैं। इन वाहनों में बच्चों को ठूंस-ठूंसकर भरा जाता है। क्षमता से अधिक बच्चों को इन वाहनों में भरकर चलाया जाता है, लेकिन न तो इस तरफ आरटीए कार्रवाई करता है और न ही पुलिस प्रशासन। यही कारण है कि स्कूलों की बसों व वाहनों की दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पहले भी जिले में कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन उसके बावजूद पुलिस-प्रशासन नहीं जागा है। वहीं अधिकांश स्कूल बसों में खिड़कियां टूटी पड़ी हैं। बसों के अंदर बैठे बच्चों को गर्मी हो, सर्दी हो या फिर बारिश सब कुछ झेलनी पड़ती है। आज तक स्कूल संचालकों द्वारा बसों को दुरुस्त कराने की तरफ भी ध्यान नहीं दिया है। कई बार आरटीए द्वारा स्कूल संचालकों को नोटिस भी दिए गए हैं, लेकिन उसके बावजूद नियमों का पालन नहीं हो रहा है। इतना ही नहीं अधिकांश बसों के टायर भी खराब हैं और इंश्योरेंस तक खत्म हुए पड़े हैं।

ये हो चुकी हैं स्कूली बच्चों व वाहनों की दुर्घटनाएं

फरवरी 2023 में पलवल के होशंगाबाद के पास एक स्कूली बस द्वारा तिपहिया को टक्कर मारने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, जिले में एक अन्य स्थान पर स्कूली बस की टक्कर से एक बच्चे की मौत हो गई थी। उधर 11 अप्रैल को एक स्कूली बस में अचानक आग लग गई थी। जिसमें बच्चे बड़ी मुश्किल से बचे थे। इनके अलावा भी जिले में कई बार स्कूली वाहनों से दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। जब भी कोई दुर्घटना होती है तो कुछ समय तक ही प्रशासन द्वारा खानापूर्ति की जाती है। 10 साल होने के कारण स्कूल संचालक न तो रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं और न ही उनका इंश्योरेंस। इनमें अन्य सुविधाएं भी नहीं हैं। आरटीए को इन सबकी जानकारी है, लेकिन कार्रवाई नहीं होती। आरटीए ने स्कूली बसों में नियम पूरे करने के लिए जहां स्कूल संचालकों को नोटिस देने शुरू किए हैं, वहीं पुलिस विभाग ने सड़कों पर खड़े होकर नियम ताक पर रख बच्चों को ले जा रहे वाहनों के चालान करने शुरू कर दिए हैं। यातायात पुलिस विभाग ने 50 वाहनों के चालान किए। एक वाहन में 17 बच्चे भरे होने के चलते पुलिस ने उसे बंद कर दिया तथा बच्चों के परिजनों को सूचना भेजकर बच्चों को उनके साथ भिजवाया। यातायात

बच्चों को गाड़ी से बाहर निकलवाकर नियमों का उल्लंघन कर स्कूली चेतावनी देकर छोड़ा गया है। उनके कार्रवाई की जाएगी, ताकि बच्चों की बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों के चालान किए गए। ऐसे करीब 50 वाहनों के चालान किए गए हैं। उन्हें खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन वाहनों को बंद भी किया जाएगा। स्कूल संचालकों के खिलाफ भी जान खतरे में न डाली जाए। लोगों का कहना है कि सभी वाहनों की नियमित चेकिंग होनी चाहिए।

बेटे के कुआं पूजन पर पिता की करंट से मौत

12 साल बाद बेटा होने की खुशी में प्रोग्राम, खेत में गेहूं कटवाते हुए लगा करंट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एक व्यक्ति की 11 हजार वोल्टेज वाली लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान इनके घर पर खुशियों का माहौल था। इनके यहां करीब 12 साल बाद एक बेटे ने जन्म लिया था। इसी उपलक्ष्य में घर पर कुआं पूजन का कार्यक्रम रखा गया था। इस घटना के बाद खुशियों को गम में बदलने में देर न लगी। खुशी के कार्यक्रम में शामिल होने आए रिश्तेदारों को भी मातम मनाना पड़ गया। वहीं, लोगों का आरोप यह भी है कि यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हुआ है।

घटना फरीदाबाद के महावतपुर गांव की है। ग्रामीणों के अनुसार, किसान सुरेंद्र उर्फ लीलू (42) और उनके बड़े भाई वेदराम (62) खेतों में कंपास मशीन से गेहूं कटवा रहे थे। इसी दौरान खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर उन्हें जोरदार करंट लगा।

इससे सुरेंद्र और वेदराम बुरी तरह झुलस गए। मौके पर मौजूद लोग फौरन उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने सुरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं, वेदराम की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना की जानकारी लोगों ने सुरेंद्र के घर पर तुरंत नहीं दी थी। वे सुरेंद्र और वेदराम को लेकर सीधे अस्पताल पहुंच गए थे। क्योंकि, सुरेंद्र के घर पर कुआं पूजन कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। लोग नहीं चाहते थे कि खुशी के माहौल में खलल पड़े।

इसके बाद भी घर पर थोड़ी देरी से पता चल गया और रोना-बिलखना शुरू हो गया। इसके बाद कुआं पूजन का कार्यक्रम भी नहीं हो सका। नरेंद्र ने बताया कि उनके भाई सुरेंद्र के 3 बेटियां हैं। करीब 12 साल के बाद लगभग 2 महीने पहले उसके यहां चौथी संतान बेटा पैदा हुई। उसी का आज सोमवार को कुआं पूजन रखा था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दूरदराज के रिश्तेदारों को भी बुलाया था। वहीं, छोटे भाई रविंद्र ने बताया कि इस खुशी के माहौल में शामिल होने के लिए सुरेंद्र ने रिश्तेदारों को खुद न्योता दिया था। लेकिन, वे उनसे मिल भी नहीं पाए। यह हादसा बिजली निगम की लापरवाही से हुआ है। इसके जिम्मेदार अफसरों पर केस दर्ज होना चाहिए।

दरअसल, स्थानीय लोगों का कहना है उनके खेतों में हाईटेंशन लाइन के तार बहुत नीचे हैं। इन्हें ऊपर करने के लिए विभाग के अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गई है, लेकिन सुनवाई नहीं होती। पिछले साल जून में तो लिखित में भी शिकायत दी गई। इसके बाद अधिकारियों ने लाइन ठीक करने का आश्वासन दिया था, लेकिन कार्रवाई कुछ नहीं हुई। अब स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों पर हत्या की एफआईर दर्ज की जाए। इसके बाद पीड़ित परिवार ने चौकी में जाकर बिजली विभाग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

मैरिंगोएशिया हॉस्पिटल्स ने काइफोस्कोलियोसिस की शुरूआत में डायग्नोसिस और उपचार के बारे में जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद को रीढ़ की हड्डी से संबंधित काइफोस्कोलियोसिस नामक एकगंभीर बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपने सहयोग और प्रतिबद्धता की घोषणाकरते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है। दुनिया भर में लाखों लोग रीढ़ की हड्डी से संबंधितइस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं, जिसे देखते हुए ब्रेन एंड स्पाइन सर्जरी विभाग मेंडॉक्टरों की टीम ने इस बीमारी से पीड़ित लोगों को सही जानकारी देने, उनकी हिमायत करने और सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इस टीम की कमान डॉ. तरूण शर्मा, डायरेक्टरएवं एचओडी, के हाथों में है, जिसमें उन्हें डॉ. सचिन गोयल, सीनियर कन्सलटेंट, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, फरीदाबाद का सहयोग प्राप्त है।

डॉ. तरूण शर्मा, डायरेक्टर एवं एचओडी, न्यूरोसर्जरी विभाग, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद, कहते हैं, हम काइफोस्कोलियोसिस से पीड़ित लोगों के लिए शुरूआत में डायग्नोसिस, चिकित्सा सुविधाओंकी उपलब्धता और उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए इसके बारे में जागरूकता फैलाने की अहमियत को अच्छी तरह समझते हैं। लोगों को जानकारी देने के लिए पहलों की शुरूआत, सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों और चिकित्सा कर्मियों के साथ सहयोग के जरिये, हम काइफोस्कोलियोसिससे पीड़ित मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों को जानकारी एवं सहायता के साथ सक्षम बनानाचाहते हैं। हम इस बीमारी से पीड़ित लोगों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालने और उनकी तंदुरूस्ती को बेहतर बनाने के अपने इरादे पर अटल हैं। डॉ. सचिन गोयल, सीनियर कन्सलटेंट, न्यूरोसर्जरी विभाग, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, फरीदाबाद कहते हैं, हम सभी को अपने आस-पास के लोगों में इस तरह के लक्षणों के बारे में जानकारी साझा करके काइफोस्कोलियोसिस जागरूकता कार्यक्रम में अपना सहयोग देने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि इसदिशा में उठाया गया हर कदम काइफोस्कोलियोसिस से पीड़ित लोगों की जिंदगी में बदलावला सकता है। काइफोस्कोलियोसिस कई वजहों से हो सकता है, जिसमें जन्मजात रोग, न्यूरोमस्कुलर रोग, रीढ़ की हड्डी में चोटें, अथवा हड्डी यामांसपेशियों के विकास पर बुरा असर डालने वाली कुछ बीमारियां शामिल हैं। इसके इलाज केविकल्प कर्वेचर की गंभीरता पर निर्भर करते हैं, जिसमें फिजिकल थेरेपी, ब्रेसिंग यासर्जरी (अधिक गंभीर मामलों में) शामिल हो सकते हैं। काइफोस्कोलियोसिस के लक्षणों कोदूर करने और इससे जुड़ी जटिलताओं को रोकने के लिए शुरूआत में डायग्नोसिस करना और हालातको संभालना काफी मायने रखता है। काइफोस्कोलियोसिस एक गंभीर बीमारी है।

संक्षिप्त समाचार

मानव सेवा समिति ने लगाया हेल्थ चेकअप व योग कैंप

फरीदाबाद। सर्वोदय अस्पताल सेक्टर-8 के सहयोग से मानव सेवा समिति ने आदर्श पार्क सेक्टर-9 में सुबह एक हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया। जिसमें 61 लोगों के कोलेस्ट्रॉल, थायराइड, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर की निशुल्क जांच की गई। इस अवसर पर वी-2 जिम जोन सेक्टर-10 की ट्रेनर छवि ने बच्चों, युवाओं, महिलाओं व बुजुर्गों को जुंबा सेशन के साथ योग कसरत व व्यायाम कराया। सर्वोदय अस्पताल के कोऑर्डिनेटर विवेक शर्मा, योगेश ने कहा कि सुबह के समय पार्क में सैर करने वाले लोगों के लिए सर्वोदय अस्पताल द्वारा ऐसे कैंप आयोजित किये जा रहे हैं। कैंप के सफल आयोजन में आदर्श सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष एके हांडा, महासचिव एसपी रहेजा, एमएल चावला एके शर्मा, डीपी शर्मा, बीपी शर्मा,प रमेश्वरी कासवान, खेमचंद गर्ग ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष कैलाश शर्मा, चेयरमैन प्रोजेक्ट संजीव शर्मा मौजूद रहे।

किसान कर्ज में डूबकर धक्के खाने को मजबूर : मनधीर सिंह मान

फरीदाबाद। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनधीर सिंह मान लगातार लोगों से जनसंपर्क साध रहे है। इसी कड़ी में आज मनधीर सिंह मान ने फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र की मंडियों का दौरा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने किसानों से भी उनका हाल-चाल जाना। गांव दीघौट की मंडी में हजारों कुंतल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ देख मान ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की व्यवस्था किसान की कहानी बयां कर रही है। मनधीर सिंह मान ने कहा है कि बीजेपी किसान और जवान की बात करती है, लेकिन आज प्रशासन के पास गोदाम तक उपलब्ध नहीं है। वहीं मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार कभी भी बरसात या ओले पड़ सकते हैं, जिससे अन्नदाता के अरमानों पर पानी फिर सकता है। 72 घंटे में किसानों के अनाज का पैसा देने का दावा करने वाली सरकार के दावे खोखले नजर आ रहे हैं। 10 दिन पहले खरीदे गए गेहूं के पैसे अभी तक किसानों के खाते में नहीं पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि किसान पूरे साल खेत में मेहनत करके पीला सोना उगाता है, ताकि लोगों के पेट की आग बुझाई जा सके और साल भर इस बात को लेकर भी इंतजार करता है कि जब उसकी फसल बिकेगी तो वह अपने बच्चों की शादी और बच्चों की फीस भी जमा कर पाएगा, लेकिन कमाल की बात है कि जो सरकार लगातार किसानों के भले का दावा करती है उस सरकार में किसान धक्के खाने को मजबूर हैं। इस सरकार ने किसान को कर्जदार बना दिया है।

फसल अवशेष जलाने पर लगाया पूरी तरह प्रतिबंध : नेहा सिंह

पलवल। जिलाधीश नेहा सिंह ने जिला क्षेत्र में गेहूं व अन्य फसलों की कटाई के दृष्टिगत भारतीय दंड प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा-144 के अंतर्गत आदेश पारित किए हैं। उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं व अन्य फसलों की कटाई का कार्य प्रारंभ हो चुका है, कई किसान कटाई के बाद फसल अवशेष अथवा पराली को जला देते हैं, जिससे उत्पन्न धुआं आसमान में चारों ओर फैल जाता है, जोकि वातावरण को प्रदूषित करने के साथ-साथ सभी प्राणीमात्र के स्वास्थ पर भी बहुत बुरा प्रभाव डालता है। इस प्रकार की घटनाओं के कारण सम्पत्ति तथा मानव जीवन को नुकसान होने की संभावना रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए जिलाधीश नेहा सिंह ने जिला में फसल अवशेष जलाने पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। फसल की कटाई के बाद शेष बचे फसल अवशेषों को जलाने से जिला में पशुओं के चारे की कमी होने की संभावना बनी रहती है तथा इन अवशेषों को जलाने से भूमि के मित्र कीट भी मर जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरक भूमि की उर्वरक शक्ति कम होने से फसल की पैदावार पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल नई दिल्ली द्वारा भी फसलों के अवशेष को जलाने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए गए हैं, जिसके अंतर्गत जुर्माने का भी प्रावधान है। इन आदेशों की अवहेलना करने पर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध आईपीसी की धार 188 संपठित वायु प्रदूषण बचाव एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पल्ला पुल के समीप आग से कई दुकानें जलीं

फरीदाबाद। फरीदाबाद स्थित पल्ला पुल के समीप दुकानों में भयंकर आग लग गई। घटना सोमवार सुबह की है। आग की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। साथ ही आग की सूचना पुलिस को भी दी गई। जानकारी अनुसार सोमवार सुबह जब लोग पल्ला पुल के समीप से गुजर रहे थे तो उनको दुकान से धुआं उठते हुए देखा। कुछ देर बाद ही आग भड़क गई और आसपास की दुकानों को भी चपेट में ले लिया। इससे चारों तरफ अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया।

केसीएम स्कूल बंचारी में धूमधाम से मनाया बैसाखी पर्व

पलवल। बंचारी स्थित केसीएम पब्लिक स्कूल में बैसाखी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से दो तक के छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या संघमित्रा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यालय के प्रबंधक देवदत्त भारद्वाज ने अपने विचार प्रस्तुत कर नन्हें बच्चों को इस कार्यक्रम की प्रस्तुति करने की अनुमति प्रदान की। इसमें कक्षा दो के छात्रों को पेपर द्वारा पतंग बनवाई गई व कक्षा एक के छात्रों को पेपर कटिंग

करवाकर मकई बनवाई गई और कक्षा यू केजी के छात्रों को ढोल में बैसाखी से संबंधित हरे-पीले रंग भरवाने के बाद उसे रिबन से सजाया गया। वहीं कक्षा एलकेजी के छात्रों को गेहूं की बाली के प्रयोग से पेपर पर शिल्प कार्य करवाकर इस कार्यक्रम को संपूर्ण किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या संघमित्रा ने कार्यक्रम की सफलता की बधाई देते हुए बैसाखी की शुभकामनाएं दीं तथा सभी छात्रों को इसी तरह कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन संयोजिका सविता वर्मा के नेतृत्व में किया गया।

जनकल्याण युवा टीम ने मनाई अंबेडकर जयंती

पलवल। जनकल्याण युवा टीम ग्राम खजूरका में अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस मौके पर टेकचंद शर्मा, अमित शर्मा युवा समाजसेवी, रोहताश सरपंच, मुकेश ठेकेदार, हसन भाई, खंदावली से तुषार मंगला, मंगल ट्यूब के मालिक, रोहित कौशिक, ग्राम खजुरका की सरदार मौजूद थे। मौके पर भंडारे का आयोजन एवं रागनियों का प्रोग्राम किया गया 14 अप्रैल को इतने प्यार और धूमधाम से मनाने पर अमित शर्मा ने पूरी टीम की तरफ से धन्यवाद करता किया।

मोदी की हैट्रिक में फरीदाबाद की हो अहम भूमिका : नायब सैनी

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा द्वारा आयोजित रैली में पहुंचे मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बडख़ल की धरती से हरियाणा में विजय की हुंकार भरते हुए लोगों से आह्वान किया कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में फरीदाबाद की भी हाजरी बढनी चाहिए। 2019 के चुनाव में फरीदाबाद देश में तीसरे नंबर पर था और अब 2024 में फरीदाबाद देश में पहले नंबर पर होना चाहिए। उन्होंने रैली में उमड़ी भारी भीड़ से गदगद रैली के आयोजक एवं हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा की खुलकर तारीफ करते हुए कहा रैली में मौजूद लोगों के चेहरों पर झलकता जोश इस बात का संकेत है कि इस बार बडख़ल पहले से भी ज्यादा वोटों से जीत दिलाएगा। उन्होंने लोगों से चुनाव के प्रचार और प्रसार में जुट जाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री सैनी देर शाम बड़ख़ल विधानसभा के बौद्ध विहार पार्क में आयोजित विजय संकल्प रैली को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। यूं तो रैली के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल थे लेकिन स्वयं मनोहरलाल के बुलावे पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी रैली में शिरकत करने पहुंच गए। जिससे क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मंच पर रैली आयोजक शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा के संयोजन में बडख़ल क्षेत्र की जनता की ओर से जहां शक्ति रूपक तलवार भेंट की गई वहीं स्मृति चिन्ह के रूप में भगवान

हनुमान की प्रतिमा भी भेंट की गई।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का काम किया है और आने वाले समय में लखपति दीदी की संख्या तीन करोड़ से ज्यादा होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने वाली कांग्रेस ने कभी भी महिलाओं के उत्थान के लिए कदम नहीं उठाया, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार महिलाओं की देश के विकास में भागीदारी हो इसके लिए नारी शक्ति वंदन बिल लेकर आई और महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का अधिकार मोदी सरकार ने दिया है। इसी का परिणाम है कि आज आपकी विधायक सीमा त्रिखा भी शिक्षा मंत्री के रूप में मौजूद है।

रैली को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने भावुक अंदाज में बड़खल क्षेत्र से अपना रिश्ता कुछ इस तरह से बयां किया। उन्होंने कहा कि मैं आज यहां पूर्व मुख्यमंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि अपने परिवार के बीच में आया हूं क्योंकि जब से मैं मुख्यमंत्री बना तब से मैंने करनाल और अपनी बहन सीमा त्रिखा के क्षेत्र बड़खल में कोई फर्क नहीं समझा। उन्होंने जब-जब भी मुझसे बड़खल क्षेत्र के लिए कुछ मांगा मैंने उससे सवाया करके दिया। इसी का परिणाम है कि आज बड़खल विकास की नई गाथा लिख रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास न नेता है, न नीयत है और वह परिवाद और भ्रष्टाचार में फंसे पड़े हैं। यही कारण है कि आज कांग्रेस के बड़े नेता हरियाणा में लोकसभा चुनाव न लड़ने के लिए एक-दूसरे पर पल्ला झाड़ रहे हैं।

भाजपा का संकल्प पत्र जनता के लिए छलावा है: संदीप

चुनाव प्रचार करते संदीप सिंह।

प्रदेश और देश की जनता भाजपा सरकार को सबक सिखाने का काम करेगी

पायनियर समाचार सेवा। झज्जर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य संदीप सिंह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र देश की जनता के साथ एक छलावा है। इसमें महंगाई से त्रस्त जनता और भीषण बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं को राहत देने के लिए न तो कोई बात की गई है। न ही कोई उपाय इनके पास है, जिसमें बीजेपी ने सिर्फ और सिर्फ अपने फायदे के लिए जनता को संकल्प के नाम पर छलावा दिखाकर बरगलाने का काम किया है। यह बात एआईसीसी सदस्य संदीप सिंह ने सोमवार को रोहतक लोकसभा क्षेत्र के बादली हल्के के भट्ठेरा और अमादलपुर गांवों में दीपेंद्र हुड्डा के पक्ष में प्रचार के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है। आसमान छूती महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी का अभिशाप लोगों के जीवन को बद से बदतर बना रहा है। प्रदेश और देश की जनता इस बार भाजपा सरकार को सबक सिखाने का काम करेगी।

उन्होंने दावा किया कि हरियाणा की सभी 10 सीटों पर गठबंधन की जीत होगी और बीजेपी को धराशाही कर संसद में इंडिया गठबंधन के नेता पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। जिसे पिछले 10 साल से जनता देख रही है। 10 साल में केंद्र की भाजपा सरकार कुछ खास नहीं कर पाई और अब 2047 के सपने दिखाकर देश का संविधान व लोकतंत्र को मनमानी ढंग से तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश में लगी है। देश की जनता आप इनके बहकावे में नहीं आने वाली है। इस मौके पर पूर्व जिला पार्षद डॉ. ब्रजपाल पप्पू, नवजोत चौहान, अनूप चौहान, नरेश चौहान, एडवोकेट विनोद सिंह, कपिल रजावत, रामडु चौहान, राजेश सिंह, कुलदीप सिंह, महिपाल सिंह, रामबीर सिंह आदि मौजूद थे।

मुंबई में सलमान खान के घर हुई फायरिंग के गुरुग्राम से जुड़े तार

गुरुग्राम का निवासी है आरोपी विशाल, गैंगस्टर रोहित के लिए करता है काम

चोरी के केस में जेल जाने पर रोहित गोदारा से हुई थी मुलाकात

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए रोहित करता है काम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

मुम्बई में फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने में तार गुरुग्राम से भी जुड़े हैं। यहां से इसलिए कि फायरिंग करने वाले युवकों में एक युवक विशाल उर्फ कालू भी बताया गया है। वह गुरुग्राम का रहने वाला है। घटना के कुछ समय बाद से ही विशाल के परिजनों तक गुरुग्राम, दिल्ली पुलिस पहुंच चुकी थी। परिजनों ने पुलिस द्वारा धमकी देने का आरोप भी लगाए हैं।

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग के तार गुरुग्राम से भी जुड़ गए हैं। बाइक सवार दोनों युवकों में से एक युवक विशाल उर्फ कालू गुरुग्राम के महावीरपुरा का रहने वाला बताया गया है। रात को ही गुरुग्राम व दिल्ली पुलिस ने उसके घर पर पहुंचकर पूछताछ की। सोमवार को विशाल उर्फ कालू की बहन बरखा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि रात 10 बजे पुलिस उनके घर पर आई थी। पुलिस का व्यवहार सही नहीं था। वे धमकी दे रहे थे कि उनके सिर में गोली मारेंगे। मात्र 27 साल का विशाल चार भाई-बहनों में सबसे छोटा है। उसकी बहन ने बताया कि वह 27 फरवरी 2024 से घर से गायब है। उसके बाद उसे उनका कोई सम्पर्क नहीं हुआ। उसके गायब होने की शिकायत भी उन्होंने सेक्टर-5 पुलिस थाना में, सीएम विंडो पर दे रखी है। बरखा ने बताया कि उनके पास जो पुलिस वाले आए, उन्होंने कहा कि एसटीएफ डीएलएफ फेज-1 से आए हैं। अपना नंबर भी देकर गए हैं। बरखा के मुताबिक उसका भाई विशाल किसी से कुछ नहीं बोलता था। पूरे मोहल्ले में उसके बारे में पूछ सकते हैं। जब से महावीरपुरा में विशाल उर्फ कालू के बारे में जानकारी मिली है, क्षेत्र में उसकी की चर्चाएं हो रही हैं।

फायरिंग के आरोपी विशाल उर्फ कालू का गुरुग्राम में घर। इनसेट विशाल के बारे में जानकारी देती उसकी बहन बरखा।

कारोबारी सचिन की हत्या में भी विशाल का हाथ

बताया जा रहा है कि विशाल उर्फ कालू गुरुग्राम के स्क्रेप कारोबारी सचिन की रोहतक में 29 फरवरी 2024 को एक होटल पर हत्या के मामले में भी शामिल था। रोहतक की घटना के दो दिन पूर्व 27 फरवरी को वह गुरुग्राम अपने घर पर आया था। विशाल की पहचान होने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने गुरुग्राम पुलिस से भी संपर्क किया है। रोहतक क्राइम ब्रांच ने सचिन की हत्या में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ में ही विशाल का नाम भी सामने आया। सचिन की हत्या के बाद से रोहतक पुलिस को भी विशाल की तलाश है। अब विशाल की तलाश में मुंबई पुलिस भी जुट गई है। अपराध की दुनिया में एक चोरी से विशाल की शुरुआत हुई थी। इस केस में वह जेल गया था। जेल में उसकी मुलाकात राजस्थान के गैंगस्टर रोहित गोदारा से हुई और वह रोहित गोदारा के लिए अपराध की दुनिया में काम करने लगा। रोहित स्वयं लॉरेन्स बिश्नोई के लिए काम करता है।

हरिण शिकार का लंबे समय से ठंडा पड़ा मामला फिर हुआ गर्म

बता दें कि फिल्म अभिनेता सलमान खान को मारने के लिए जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने धमकी दे रखी है। सलमान खान द्वारा हिरण का शिकार करने के समय से ही लॉरेन्स बिश्नोई द्वारा सलमान खान को धमकी दी गई थी। कई बात उनके द्वारा सलमान खान को धमकी देने संबंधी जानकारियों सामने आ चुकी हैं। काफी समय से यह मामला ठंडा पड़ा था, लेकिन रविवार की रात को मुंबई में सलमान खान के घर पर बाइक पर सवार दो युवकों द्वारा फायरिंग करने के बाद फिर से गर्मा गया है। उनके घर के बाहर हुई फायरिंग को पुलिस और जांच एजेंसियां बेहद ही गंभीरता से ले रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

रिसाइकिल्ड प्लास्टिक से बने बेंच विकास सदन में रखवाए

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था इनर व्हील क्लब की ओर से सोमवार को विकास सदन में रिसाइकिल्ड प्लास्टिक मेटीरियल से बने दो बेंच आम जनता के लिए भेंट किए गए। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने शिक्षा और वेस्ट मेटीरियल के सदुपयोग की दिशा में इनर व्हील संस्था के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि संस्था जिला में और भी सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दे सकती है। प्लास्टिक वेस्ट का बेहतर इस्तेमाल जनहित में उपयोगी है। आम नागरिकों को प्लास्टिक पदार्थों पॉलिथिन, बोतल, डिस्पोजल आदि का कम से कम प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों की सहायता में संस्था कुछ कदम आगे बढाए। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की अध्यक्षा पूनम नंदा, चेयरमैन डा. उर्वशी मित्तल ने आश्वासन दिया कि एडीसी के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।

केवाईसी एप से भी उम्मीदवार के बारे में मिलेगी जानकारी

गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सहूलियत के लिए डिजीटल फोर्मेट में अनेक एप लांच किए हुए हैं। इन्हीं में से एक एप है केवाईसी। जिसके जरिए मतदाता अपने लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकता है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने बताया कि लोकतंत्र में मतदाता सर्वोपरि होता है। मतदाता को सशक्त बनाने के लिए चुनाव आयोग ने तकनीक के युग में बड़े कदम उठाए हैं। चुनाव में मतदाता अपने लोकसभा क्षेत्र के सभी उम्मदीवारों की प्रोफाइल को जान सकें, इसके लिए आयोग ने स्पेशल केवाईसी (नो योर कैंडिडेट) एप की शुरुआत की है। इस एप का प्रयोग कर मतदाता चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नामांकन में दर्ज की गई जानकारी को मोबाइल या लैपटॉप में देख सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए मोबाइल एपके बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए गुरूग्राम जिला में स्वीप गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। आयोग द्वारा केवाईसी एप शुरू की गई है, जो कि चुनाव प्रक्रिया में काफी महत्वपूर्ण है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति स्वयं के लोकसभा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि समूचे भारत की लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नामांकन पत्र देख सकता है। उम्मीदवारों द्वारा नामांकन में दर्ज की गई विस्तृत जानकारी इस ऐप के माध्यम से देखी जा सकती है। नो योर कैंडिडेट (केवाईसी) नाम की यह ऐप गूगल प्ले स्टोर या एपल स्टोर से फ्री में डाउनलोड की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस एप पर उम्मीदवार का नाम, पिता या पति, पार्टी, उम्र, लिंग, पता, राज्य, निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी मेन डिस्पले में दिखाई देती है। इसके साथ ही उम्मीदवार द्वारा नामांकन के दौरान दिया गया हलफनामा इस एप में अपलोड किया जाता है। मतदाता सीधे उम्मीदवार के हलफनामे में दी गई जानकारी प्राप्त सकते हैं। इसके अलावा केवाईसी ऐप पर चुनाव के दौरान सभी नामांकन, स्वीकृत नामांकन, निरस्त हुए नामांकन और नाम वापस लेने वाले प्रत्याशियों की भी जानकारी मिलती है।

सार्वजनिक स्थान पर सेप्टेज कचरा फेंकना दंडनीय अपराध

गुरुग्राम। सड़कों के किनारों, ग्रीन बैल्ट, खाली प्लाटों व नालों आदि में सेप्टेज टैंक व सीवरेज से निकलने वाले कचरे का डिस्चार्ज करना दंडनीय अपराध है। नगर निगम गुरुग्राम ऐसा करने वालों पर कड़ी नजर बनाए हुए है तथा संबंधित के वाहन जब्त करने के साथ ही उस पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि ने कहा कि निगम क्षेत्र में बनी रिहायशी सोसायटियों व अनियमित कॉलोनियों में बने सेप्टेज टैंक की सफाई टैंकर के माध्यम से करवाई जाती है। इन टैंकरों के संचालक सेप्टेज कचरे को खाली प्लाट, सडक़ के किनारे, ग्रीन बैल्ट या नाले आदि में फेंक देते हैं, जो कि पर्यावरणीय नियमों के विरूद्ध है। ऐसा करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई व भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी रिहायशी सोसायटियां यह सुनिश्चित करें कि उनके यहां सीवरेज वाटर के ट्रीटमेंट के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट सही तरीके से संचालित किया जाए। इसके साथ ही अगर वे अपने यहां बने सेप्टेज टैंक की सफाई करवाते हैं तो यह सुनिश्चित करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है कि सेप्टेज कचरा संबंधित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर ही डिस्चार्ज किया जाए। निगमायुक्त ने कहा कि सेप्टेज कचरे का इधर-उधर डालना नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा जारी आदेशों और हरियाणा नगर निगम अधिनियम-1994 के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है। इसके तहत दोषी टैंकर मालिक पर पहली बार पकड़े जाने पर 25 हजार रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा तथा टैंकर को जब्त कर लिया जाएगा। यदि यह अवहेलना दूसरी बार पाई जाती है, तो जुर्माना राशि 50 हजार रूपए होगी तथा कारावास भी हो सकता है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे ऐसा करने वालों पर नजर रखें तथा इसकी सूचना हेल्पलाइन नंबर 1800-180-1817 पर दें।

सुरमनी अग्नि वर्मा ने छेड़ी सितार पर मधुर स्वरों की तान

गुरुग्राम। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के उत्सव बैसाखी के उपलक्ष्य में ओपन एयर थियेटर रंगभूमि में सितार वादन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगीत कला मर्मज्ञ मदन सोनी, नवकल्प फाउंडेशन की मीनाक्षी सक्सेना तथा कलाग्राम सोसाइटी के सहयोग से इस संगीत संध्या को आयोजित किया गया। जिसका अनेक कलाप्रेमियों ने लुत्फ उठाया।

बारिश से हुए खुशनुमा हुए माहौल में प्रोग्राम का आगाज नन्ही गायिका आध्या गौड़ ने सरस्वती वंदना से किया। उसके बाद दो बाल कलाकारों ने तबले की जुगलबंदी ने समा बांध दिया। कलाग्राम सोसाइटी की निदेशक शिखा अग्रवाल ने सोसाइटी का संक्षिप्त परिचय दिया। उसके बाद मशहूर सितार वादक सुरमनी अग्निवर्मा ने अपनी सितार के तारों को ऐसा छेड़ा कि श्रोता झूमने को मजबूर हो गये। सितार के मधुर तरानों की श्रोताओं ने जमकर प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में मोहनकांत, अनिल आर्य, मोहनीश लारोया, सुधांशु सुतार, नरोत्तम शर्मा, सुनील आर्य, हर्षवर्धन, वेद सैनी, यशवंत शेखावत, अनिल श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। इस खूबसूरत कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रोफेसर मीनाक्षी पांडे ने किया।

पुलिस और आईटीबीटी के जवानों ने सयुंक्त रूप से निकाला फ्लैग मार्च

सोहना। लोकसभा चुनाव में असामाजिक प्रवृत्ति के लोगों को सचेत करने के उद्देश्य से पुलिस और आईटीबीपी फार्स के जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च भोंडसी, सदर व शहर थाना क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में सयुक्त रुप से निकाला। मार्च में पुलिस और आईटीबीपी के 500 जवान मौजूद रहे। सोमवार को पुलिस और आईटीबीपी के जवानों ने सयुक्त रुप से सोहना खंड में स्थित तीन पुलिस थाने भोंडसी, सदर व शहरी थाने सोहना के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। मार्च की शुरुआत भोंडसी थाने से की गई। भोंडसी थाना क्षेत्र में खेल गांव रिठौज, सहजावास, खेड़ला, दमदमा, दौला, हाजीपुर, खेड़ली लाला, बाईखेड़ा, हरचंदपुर, लाखूवास से होते हुए फ्लैग मार्च की टीम शहर में प्रवेश कर गई। शहर में अंबेडकर बाईपास चौक पर से बस स्टैंड मार्ग, चुंगी नंबर दो से अंदर बाजार में प्रवेश कर गई। शहर के शहीद भगत फव्वारा चौक से नगर परिषद कार्यालय, पुराना अलवर मार्ग से होते हुए अन्य बाजारों से फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च एसीपी सोहना विपिन अहलावत की अध्यक्षता में निकाला जिसमें भोंडसी समेत शहर और सदर थाना सोहना के प्रभारी अपनी- अपनी पूरी टीम के साथ रहे। शहरी क्षेत्र में जवानों ने पैदल चलकर फ्लैग मार्च निकाला।

नवरात्र के अवसर पर घर-घर में हुआ कन्या वंदन

कन्या वंदन कार्यक्रम में कन्या वंदन करते महिलाएं और बच्चे।

हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान ने किया भव्य आयोजन

गुरुग्राम। नवरात्र पर्व के अवसर पर हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान द्वारा कन्या वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 101 परिवारों द्वारा कन्या वंदन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लोगों पूर्ण सहयोग दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत यादव, विशिष्ट अतिथि रजनी खंगवाल, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान डॉ. विष्णु शंकर ने शिरकत की। कार्यक्रम की मार्गदर्शक वीणा घोरी का आशा गगन गोयल ने विशेष आभार जताया। समाजसेवी आशा गगन गोयल ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से कन्याओं का वंदन किया जाता है। इसी उपलक्ष्य में यह कन्या वंदन किया गया। रोटी पानी बैंक संस्था के अध्यक्ष डॉ. चंद्र प्रकाश भारद्वाज व उनके सभी सहयोगी मिथिलेश शर्मा, लाज कक्कड़, अनीता, प्रभा का विशेष धन्यवाद किया गया। उन्होंने ने सभी कन्याओं एवं अभिभावकों की भोजन पानी की व्यवस्था की।

अपग्रैड का समाप्त वित्तीय वर्ष 2024 में एक साल में 55000 रोजगार दिलाने का शानदार रिकार्ड

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

एशिया की इंटिग्रेटेड लर्निंग स्किलिंग एवं वर्कफोर्स डेवलपमेंट कंपनी अपग्रैड ने गत समाप्त वित्तीय साल 2024 में 55000 वार्षिक प्लेसमेंट करके शानदार रिकार्ड बनाया। अपग्रैड के शिक्षार्थियों ने नई नौकरियों, करियर स्विच और पदोन्नति के माध्यम से लगभग 3000 राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों में स्थान हासिल किया, जिनकी वार्षिक सीटीसी 4.5 एलपीए से लेकर अधिकतम 1.80 करोड़ रुपये तक रही।

मार्केटिंग, डेटा और टेक डोमेन में नियुक्ति सबसे ज्यादा हुई। लगभग 50 प्रतिशत शिक्षार्थियों को मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में नौकरी मिली, इसके बाद बाकी को पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, नोएडा, गुड़गांव और अहमदाबाद में नौकरी मिली। कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु क्षेत्र भी टैलेंट अट्रैक्टिव मार्केट बने हुए हैं। महामारी के बाद की जॉब मार्केट में बदली सकरात्मक परिस्थितयों को देखते हुए महिला प्रोफेशनल्स को भी अपने कैरियर को मजबूत करने का अवसर मिला है। वे भी अपने स्किल्स को और मजबूत करके अथवा रिटर्नशिप प्रोग्राम्स में भाग लेकर बेतहरीन नौकरी प्राप्त कर सकती हैं। वर्ष के दौरान कुल रोजगार में लगभग दो-तिहाई भाग महिला प्रोफेशनल्स का था। सबसे दिलचस्प बात यह है, कि अपग्रैड ने जेनएआई, डेटा, एआई/एमएल और टेक्नोलॉजी में अपने फ्री कोर्सेस के लिए 1.4 लाख से अधिक नामांकन भी किये हैं, जो इंस्टैंट स्किल-अप्स के लिए भारतीय कंपनियों की निरंतर मांग को पूरा कर सकते हैं।

इस सफल प्लेसमेंट वर्ष पर टिप्पणी करते हुए, मयंक कुमार, सह-संस्थापक और एमडी, अपग्रैड ने कहा, हमने पाठ्यक्रमों, बूटकैंप और प्रमाणपत्रों के साथ एक मजबूत और एकीकृत शिक्षण सूट बनाया है, जो हमारे शिक्षार्थियों के लिए कैरियर को आगे बढ़ाने के लिए रिवर्स-इंजीनियर का काम करता है। फ्रेशर्स, पहली बार नौकरी चाहने वाले, मध्य-कैरियर और सीनियर प्रोफेशनल्स को नौकरियों पर वास्तविक समय में लाभ और व्यावहारिक कौशल हासिल करने के लिए कई हफ्तों के व्यापक प्रशिक्षण/सीखने से गुजरना पड़ता है। हमारी इन-हाउस क्षमताओं, वर्षों के तकनीकी निवेश, मजबूत विश्वविद्यालय रोस्टर और रणनीतिक व्यापार विलय के माध्यम से, हमने एक मास्टर शिक्षाशास्त्र विकसित किया है, जो अब स्केलेबल है और जल्द ही यह नए भौगोलिक क्षेत्रों में दिखने लगेगा। 2024 में, अपग्रैड की एंटरप्राइज शाखा ने लगभग 600,000 कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स को अपस्किल्ड और प्रशिक्षित किया। ऑर्गेनाइजेशंस को यह रेडी टैलेंड मिला। एक साल में अपग्रैड ने फॉर्च्यून 500 कंपनियों सहित एक वर्ष में 1000 से अधिक मध्यम और बड़े आकार के ग्राहकों को अपनी सेवा प्रदान की, इसके कारण ही भारत आज सबसे बड़ा इंटिग्रेटेड लर्निंग और स्किलिंग प्रमुख बन कर उभरा है। कुमार ने कहा, कॉरपोरेट्स आज लागत-प्रभावी कर्मचारी-पेरोल मॉडल की तलाश में हैं। ऐसे में मौजूदा टैलेंट अपस्किलिंग के कारण कंपनियों के कर्मचारियों को बहाल रखने में मदद मिली है।

जितना बड़ा सेटबैक उससे बड़ा होगा बाउंस बैक : गोविन्द भादू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उद्यमिता की गतिशील दुनिया में, असफलताएँ आना लाजमी हैं। चाहे वह कोई उत्पाद लॉन्च हो जो फ्लॉप हो गया हो, कोई मार्केटिंग अभियान हो जो लक्ष्य से चूक गया हो, या अप्रत्याशित वित्तीय बाधाएं हों, हर व्यवसाय को चुनौतियों का सामना करना ही पड़ता है। सुप्रसिद्ध बिजनेस कोच एवं स्वयं मल्टीप्ल बिजनेस के सफल एंट्रप्रेन्योर, गोविन्द भादू बताते हैं, कि एंट्रप्रेन्योरस को यह समझना बहुत जरूरी है, कि असफलताएँ आपकी कंपनी को परिभाषित नहीं करती बल्कि मायने यह रखता है, कि आप उन असफलताओं को कैसे देखते हैं और उस पर पलटवार एक्शन क्या लेते हैं।

1. मूल कारण ढूंढने की कोशिश करें : जब प्रतिकूल परिस्थिति आती है, तो सफल उद्यमी असफलता से नहीं कतराते। इसके बजाय, मूल में जो कारण हैं। उनको ढूंढने की कोशिश करते हैं। अपनी टीम को इकट्ठा करें, पूर्वव्यापी विश्लेषण करें और सभी को अपनी विफलताओं को खुलकर साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें। ऐसा करके, आप सीखने और विकास की संस्कृति का निर्माण करते हैं।

2. असफलता के प्रभाव को रोकें : असफलता के प्रभाव को रोकें, प्रतिबिंबित करें और विश्लेषण करें। क्या गलत हो गया। क्या यह एक त्रुटिपूर्ण रणनीति, खराब क्रियान्वयन, या बाहरी कारक आपके नियंत्रण से बाहर थे। मूल कारण की पहचान करना महत्वपूर्ण है। एक बार जब आप इसे समझ जाते हैं, तो आप चुनौतियों को विकास के अवसरों में बदल सकते हैं।

3. दोतरफा दृष्टिकोण अपनाएं : डेटा विश्लेषण और व्यक्तिगत मूल्यांकन। अपनी कंपनी के मेट्रिक्स में गहराई से उतरें। उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां संसाधनों से कम रिटर्न मिलता है और उन्हें पुन: आवंटित करने के बारे में सोच-समझकर निर्णय लें।साथ ही, खराब प्रदर्शन करने वाले मेट्रिक्स से जुड़े टीम के सदस्यों का मूल्यांकन करें। क्या यह प्रशिक्षण का मुद्दा है या प्रदर्शन का अंतर है। मूल कारण को संबोधित करें और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा दें। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है, कि आपका व्यवसाय फिर से पटरी पर लौट आए।

4. आशावादी सोच होती है सबसे बड़ी ताकत : आशावादी सोच एक इंटरप्रेन्योर की सबसे बड़ी ताकत होती है। स्वीकार करें कि असफलताएँ उद्यमशीलता की यात्रा का हिस्सा हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखकर आप किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं। चुनौतियों को विकास के अवसर के रूप में स्वीकार करें और आगे बढ़ते रहें!

5. कुछ देर रुकने के लिए रुकें : व्यवसाय चलाने की आपाधापी में, रूकें और विचार करें। असफलताएँ भावनात्मक रूप से थका देने वाली हो सकती हैं, लेकिन एक कदम पीछे हटने से आपको सही दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है। इस समय का उपयोग पुनर्गणना करने, अपने लक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करने और अपनी रणनीति को समायोजित करने के लिए करें।

खेती की जमीन का बढ़ता बाजार मूल्य दे रहा है निवेश के आकर्षक अवसर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विजय चौधरी, चेयरमैन, राम रतन ग्रुप डालमिया राम रतन

जैसे-जैसे देश विकास कर रहा है, यहाँ बढ़ती आबादी के साथ जमीन का भी विकास होता जा रहा है। प्रगति की इस दौड़ में युवा पीढ़ी के बीच खेती की जमीन में निवेश की मांग बढ़ रही है। जो लोग लंबे समय तक सुरक्षित निवेश करके सुकून से जीवन जीना चाहते हैं, उन्हें खेती की जमीन में लाभ के आकर्षक अवसर मिल रहे हैं। द मोटले फूल की एक रिपोर्ट के अनुसार शेयर बाज़ार में निवेशक 10 प्रतिशत के रिटर्न को एक अच्छा रिटर्न मानते हैं! वहीं नोब्रोकर.इन के मुताबिक खेती की जमीन औसतन 10 से 12 प्रतिशत का रिटर्न प्रदान करती है। खेती की जमीन का मूल्य धीरे-धीरे समय के साथ बढ़ता है। इसलिए इसमें निवेश के लिए लंबे समय तक धैर्य रखने की जरूरत होती है। खेती की जमीन मुख्यत: एक भविष्य की परिसंपत्ति है। पर कभी-कभी बाजार सकारात्मक होने पर थोड़े समय में भी अच्छा रिटर्न मिल सकता है। इसलिए निवेश से पहले कम समय में होने वाले मुनाफे और लंबे समय में मिलने वाले लाभ के बीच तालमेल बनाना जरूरी है। खेती की जमीन से थोड़े समय में मिलने वाला मुनाफा उसे किराए पर देकर आने वाले कैश-फ्लो और फसल के उत्पादन से प्राप्त होता है। लंबे समय में खेती की जमीन का मूल्य अनेक कारणों से लगातार स्थिर रूप से बढ़ता है। साथ ही बढ़ती आबादी को बसाने के लिए कम होती जमीन के कारण मूल्यों की यह वृद्धि जारी रहने वाली है। इसलिए बढ़ती हुई महंगाई से बेहतर रिटर्न पाने के लिए यह समय बहुत अच्छा है। गौरतलब है, कि खेती की जमीन बेचकर मिलने वाली आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है। लेकिन इसका सबसे ज्यादा लाभ तब मिलता है, जब जमीन उस इलाके में हो, जहाँ कई बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं पाइपलाइन में हों। क्षेत्र में तेजी से बढ़ती आबादी, बुनियादी ढांचे के विकास और विकसित होती अर्थव्यवस्था के साथ ऊँचे रिटर्न की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं।

आर्टेमिस हॉस्पिटल ने रेयर चाइल्डहुड हिप जॉइंट कंडीशन पर की चर्चा, जल्दी जांच और इलाज पर दिया जोर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हेल्थकेयर इनोवेशन के क्षेत्र में अग्रणी आर्टेमिस हॉस्पिटल ने बच्चों में होने वाली रेयर हिप जॉइंट कंडीशन स्लिप कैपिटल फिमोरल एपिफिसिस (एससीएफई) पर जागरूकता के लिए पहल की है। 10 से 12 साल के बच्चे इससे प्रभावित होते हैं। इसके बढ़ते मामलों को देखते हुए आर्टेमिस हॉस्पिटल ने मेडिकल प्रोफेशनल्स और सामान्य जन को इसकी जल्दी जांच और प्रभावी इलाज के विकल्पों के प्रति जागरूक करने का बीड़ा उठाया है।

इस समस्या के कारण बच्चों के चलने-फिरने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता पर व्यापक दुष्प्रभाव पड़ता है। अगर इलाज न हो तो इससे हाथों-पैरों में गंभीर असंतुन, चलने में परेशानी और जोड़ों के पूरी तरह खराब होने का खतरा रहता है। हालांकि समय पर जांच कर ली जाए तो आर्टेमिस हॉस्पिटल के एडवांस्ड एवं सुरक्षित सर्जिकल डिसलोकेशन ट्रीटमेंट से बच्चों को इस खतरे से बचाया जा सकता है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन सर्जरी डॉ. संजय सरूप ने इस समस्या की जल्दी जांच पर जोर देते हुए कहा, 'बच्चों में लंगड़ाकर चलने के लक्षण को पहचानने की जरूरत है, खासकर मोटापे के शिकार और विटामिन डी की कमी वाले बच्चों में यह बहुत महत्वपूर्ण है। सही समय पर कंसल्टेशन से इस समस्या को उस स्टेज तक पहुंचने से रोका जा सकता है, जहां बड़ी सर्जरी करनी पड़ती है।

इस समस्या को दूर करने की दिशा में आर्टेमिस हॉस्पिटल का समर्पण इसके अनुभव से जुड़ा है। यह उत्तर भारत का पहला हॉस्पिटल है, जिसने एससीएफई के मैनेजमेंट के लिए नई एडवांस्ड तकनीक अपनाई है। अभी सालाना 40 से 50 बच्चों का इलाज किया जाता है। अस्पताल का लक्ष्य दिल्ली एनसीआर, पंजाब, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के डॉक्टरों एवं अन्य लोगों के बीच इस बीमारी को लेकर जागरूकता फैलाना है। डॉ. संजय ने जोर देकर कहा, बचाव ही उपाय है। शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना, मोटापे को नियंत्रित करना और पोषण की कमियों को दूर करना इस बीमारी के खतरे को कम कर सकता है।

इस बीमारी के इलाज पर आने वाला खर्च लक्षण की गंभीरता पर निर्भर करता है। छोटी सर्जरी की स्थिति में 70 से 80 हजार रुपये का खर्च आता है, जबकि बड़ी सर्जरी की स्थिति में दो से 2.5 लाख रुपये तक का खर्च आता है। खतरे को कम करने के लिए आर्टेमिस हॉस्पिटल का पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट पूरी देखभाल सुनिश्चित करता है।

भाजपा ने घोषणा पत्र नहीं बल्कि देश के लिए तैयार किया है संकल्प पत्र : नरेन्द्र पटेल

पायनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

नूंह भाजपा के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र पटेल ने सोमवार को फिरोजपुर झिरका के अग्रसेन भवन में स्थानीय पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं संग लोकसभा प्रबंधन कमेटी की मीटिंग कर आगामी माह में होने जा रहे चुनावों को लेकर चर्चा की।

इस अवसर भाजपा की ओर से जारी हुए घोषणा पत्र को भी लोगों के बीच सार्वजनिक कर सरकारी की उपलब्धियों को गिनाया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा भाजपा द्वारा जारी किया गया घोषणा पत्र नहीं है, बल्कि

भाजपा द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र और लोकसभा चुनावों की तैयारियां का जायजा लेने पहुंचे जिलाध्यक्ष नरेन्द्र पटेल

भाजपा द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र हाथों में लेकर खड़े भाजपा कार्यकर्ता।

ये एक संकल्प पत्र है जो देश की जनता के समक्ष यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है।

उन्होंने कहा संकल्प पत्र में जो भी बातें तथा घोषणाएं की गई हैं उन्हें पूरा करने का लक्ष्य 2047 तक रखा गया है। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी ने देश के सामने संकल्प और प्रण लिया है कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाया जाएगा। उन्होंने कहा भाजपा के संकल्प पत्र में किसान, मजदूर, युवा तथा महिलाओं का उत्थान और प्रत्येक वर्ग को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने देश की जनता के सामने 400 पार का नारा दिया है इसे पूरा करने के लिए ही भाजपा ने संकल्प पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा इस बार मेवात के अंदर भारतीय जनता पार्टी शानदार प्रदर्शन करने जा रही है। उन्होंने कहा हमारे पास अनुभवी नेताओं का दल तथा युवाशक्ति का बल है। इसी दल और बल की बदौलत भाजपा द्वारा प्रत्याशी बनाए गए राव इन्द्रजीत सिंह को विजयी बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा मेवात के अंदर भाजपा ने काम करके दिखाएं हैं इन्हीं कामों को लेकर वे जनता के बीच जाएंगे और वोट मांगेंगे। जिलाध्यक्ष ने बताया कि 10 वर्षों के कार्यकाल में केन्द्र और प्रदेश की सरकार ने मेवात के अंदर 7000 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाएं हैं। इस मौके पर भाजपा नेता एवं पूर्व डिप्टी स्पीकर आजाद मोहम्मद,जिला महामंत्री शिव कुमार आर्य, नगर पालिका अध्यक्ष मनीष जैन, विस्तारक राजेश् द्वारका, जिला उपाध्यक्ष भाजपा राजकुमार गर्ग , महिला प्रदेश कार्यकारिणी सचिव अंजू बाला, महिला जिला अध्यक्ष गोल्डी शर्मा, मंडल अध्यक्ष रमेश आर्य, मंडल अध्यक्ष नंदलाल , मंडल अध्यक्ष दोहा यादराम ,नगर पार्षद महेंद्र कौशिक, जिला मीडिया प्रभारी व नगर पार्षद गौरव जैन, निगरानी समिति के अध्यक्ष नरदेव आर्य, फते मोहम्मद चेयरमैन, आईटी सेल प्रभारी जतिन, हितेश हरियाणा, शिव सोनी सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बारदाने को लेकर गेहूं उठान में नहीं आएगी दिक्कत, गेंहू से अनाज मंडी लबालब भरी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि अनाज मंडियों में कुछ कमियों को लेकर लोगों की लगातार शिकायत आ रही थी। कुछ मंडियों में कमी थी। अनाज मंडी नूंह के आढ़ती संगठन की बैठक की। उनकी समस्याएं थी, उनके बारे में जानकारी प्राप्त की। दो दिन पहले भी अनाज मंडी तावडू का दौरा किया था। परचेस के बारे में बातचीत की थी। कुछ इश्यू निकल कर सामने आए। डीसी ने कहा कि फिरोजपुर झिरका अनाज मंडी के अंदर बारदाने से लेकर उठान की दिक्कत थी। उन्होंने कहा कि जहां से बारदाने का सामान आता है। उन्होंने ट्रक रवाना कर दिए हैं, जो आज पहुंच जाएंगे। बारदाने की समस्या का निपटारा हो गया है। उपायुक्त नूंह ने कहा कि उठान की समस्या आई थी। दोनों उठान से जो संबंधित एजेंसी हैं, उनको बुलाकर डायरेक्शन दी हैं। दो दिन के अंदर गेहूं के उठान में तेजी आएगी और जहां तक सरसों की उठान की बात है 50 फीसदी सरसों का उठान हो चुका है। अगले दो दिन में 100 फीसदी सरसों का उठान अनाज मंडियों से कर दिया जाएगा। धीरेंद्र खड़गटा डीसी नूंह ने कहा कि सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं कि सभी अपने क्षेत्र में चेक करें कि मंडियों में किस तरह की दिक्कतें आ रही हैं। प्रतिदिन एसडीएम अनाज मंडी में दौरा करेंगे और जो समस्या आती है उसका समाधान किया जाएगा। अब तक गेहूं की खरीद की जहां तक बात है 26000 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। इसके अलावा 20000 मीट्रिक टन सरसों की खरीद भी नूंह जिले की सभी अनाज मंडी में हो गई है। सरसों की खरीद 26 मार्च को शुरू हो गई थी, जो खरीद खत्म होने वाली है। इसके अलावा गेहूं की खरीद तेजी से चल रही है। आने वाले समय के अंदर भी चलती रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि मौसम लगातार बदल रहा है, इसलिए कुछ रोककर और गेहूं को सुखाकर ही अनाज मंडी में लेकर आएं। नमी की वजह से किसी प्रकार की कोई दिक्कत किसानों को नहीं होगी। जहां तक एमएसपी की बात है। सरसों की खरीद 5650 रुपए प्रति क्विंटल की दर से हो रही है और गेहूं के खरीद 2275 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीद हो रही है।

मंडी नूंह में उठान नहीं होने से आढ़ती, मजदूर, किसान परेशान : पीला सोना यानी गेहूं अनाज मंडियों की शोभा बढ़ा रहा है। इन दिनों अनाज मंडी में गेहूं की पूरी आवक हो रही है। जहां तक अनाज मंडी में नजर जाती है, वहीं तक गेहूं के बड़े - बड़े ढेर नजर आते हैं। इस बार गेहूं की बंपर पैदावार हुई है, लेकिन अनाज मंडी नूंह में गेहूं का उठान नहीं होने के चलते आढ़ती, किसान तथा मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं बारदाने की भी भारी कमी है, जिसकी वजह से दूसरे राज्यों से मजदूरी करने के लिए हरियाणा की अनाज मंडियों में आए मजदूर हताश व निराशा हैं। आपको बता दें कि अनाज मंडी नूंह सहित कई अनाज मंडियों में हर साल गेहूं के सीजन में बाहर के राज्यों से मजदूर पल्लेदारी करने के लिए आते हैं। गेहूं की बोरियों में भराई से लेकर उठान तक का सारा काम यही मजदूर करते हैं, लेकिन उठान में हो रही देरी तथा बारदाना कम होने की वजह से बैगों की भराई नहीं होने के चलते उन्हें मजदूरी नहीं मिल पा रही है। पिछले कई दिन से मजदूर बिना मजदूरी के बैठे हुए हैं।

बात अगर सुविधाओं की कि जाए तो अनाज मंडी में बिजली, पानी, शौचालय से लेकर किसानों को विश्राम करने तक के लिए कोई जगह नहीं है। पल्लेदारों को भी विश्राम के लिए कोई ठिकाना अनाज मंडी में नहीं मिल रहा है। मजबूरन बोरियों पर ही विश्राम करने के लिए मजदूर मजबूर हैं। गेहूं तथा सरसों का सीजन आने से पहले सरकार व प्रशासन की तरफ से दावे तो इंतजामों को लेकर बड़े - बड़े किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में सच्चाई इससे कोसों दूर है। अनाज मंडी नूंह में काम करने वाले मजदूरों व पल्लेदारों ने ही पूरे सिस्टम की पोल खोलने का काम कर दिया। सिस्टम इस पर बोलने से कतरा रहा है।

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस व आईटीबीपी के जवानों ने किया मार्च

गुरुग्राम के ग्रामीण अंचल में लोकसभा चुनावों के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टि से मार्च करते गुरुग्राम पुलिस व आईटीबीपी के जवान।

गुरुग्राम। लोकसभा चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को गुरुग्राम पुलिस व आईटीबीपी के जवानों ने मार्च किया। मानेसर व दक्षिण पुलिस जोनों के एरिया में गुरुग्राम पुलिस व आईटीबीपी सेना की टुकड़ियों द्वारा सुरक्षा सम्बन्धी व समन्वय स्थापित करने के लिए डोमिनेशन और इन्फोर्समेंट एक्सरसाईज की गई। पटौदी के एसीपी हरिंद्र व सोहना के एसीपी विपिन अहलावत की अगुआई में यह एक्सरसाइज की गई।

इस डोमिनेशन और इन्फोर्समेंट एक्सरसाईज में शामिल हुई गुरुग्राम पुलिस व आईटीबीपी की टुकड़ियों को पहले थाना बिलासपुर में एकत्रित किया गया। जहां से इन टीमों द्वारा पुलिस जोन मानेसर में थाना बिलासपुर से शुरू होकर बिलासपुर चौक, भूडका, राठीवास, सिधरावली, बोहड़ा खुर्द, पालासोली होते हुए दरापुर, लोकरा, नानूकलां, खोड, इंच्छापुरी, जटशाहपुर, जाटौली, हेली मंडी से होते हुए खंडेवला, तिरपडी, बसुंडा, डाबोदा से फरुखनगर पहुंचे। इसके बाद फरूखनगर शहर से होते हुए फाजिलवास, ताजनगर से जमालपुर चौक, जोड़ी सांपका से पटौदी शहर से ऊंचा माजरा, बोहडा कलां, ढाणी कुंभावास, घोषगढ़, जमालपुर बासलांबी, खरखड़ी, मोकलवास, पुरखपुर होते हुए पचगांव चौक, बिलासपुर चौक, पथरेड़ी मोड के एरिया में डोमिनेशन और इन्फोर्समेंट एक्सरसाईज की गई।

डोमिनेशन और इन्फोर्समेंट एक्सरसाईज दक्षिण जोन में थाना भोंडसी क्षेत्र में पुलिस लाइन गेट भोंडसी से रिठोज, सहजावास, बहल्पा से थाना सदर सोहना में खेडला आदि क्षेत्र में की गई।

किसानों को कृषि के प्रति जागरूक किया

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

फिरोजपुर क्षेत्र के किसानों को कृषि के क्षेत्र में ऊर्जा एवं जल सरंक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए गांव साकरस में एक सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें साकरस,पाड़ला, अहमदबास, बघोला, आगोन आदि गांव के किसान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे , इस कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज पल्ला नूंह के संयुक्त सहयोग से किया गया हरेडा विभाग के डायरेक्टर अस नारायणन की पहल पर हरियाणा सरकार की महत्तवाकांछी योजना को क्षेत्र लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

हरियाणा वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद शाइन आई ए एस और हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन (पूर्व विधायक) का भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक संचालन में महत्त्वपूर्ण सहयोग रहता है, इसके साथ ही मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक डॉ ख्वाजा एम् रफी साहब का भी कृषि को सशक्त बनाए जल और ऊर्जा सरंक्षण के लिए चलाई जा रही इस मुहीम के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान है। जो स्वयं समय समय पर लोगो के बीच जाकर जल एवं ऊर्जा सरंक्षण के लिए लोगों को जागरूक भी कर रहे है और साथ ही कॉलेज के निदेशक के प्रयासों से ही हरेडा विभाग द्वारा इस छेत्र के किसानो के लिए चलाये जा रहे , इस प्रकार कार्यक्रमों के सफलता पूर्वक संचालन में मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है ।

इस कार्यक्रम के समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर एजाज खान, सह समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर मोहसिन खान के साथ असिस्टेंट प्रोफेसर सैयद मोज़्जाम अली, असिस्टेंट प्रोफेसर इरशाद अहमद ने भी उपस्थित लोगों को कृषि को सशक्त बनाए जल और ऊर्जा सरंक्षण की आवश्यकता पर विस्तार पूर्वक अपने विचार रखे।

नूंह पुलिस का यातायात जागरूकता अभियान लगातार जारी, मरोडा में छात्रों एवं स्टाफ को किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

नूंह पुलिस द्वारा यातायात नियमों को लेकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। थाना यातायात मांडीखेड़ा उप-निरीक्षक अशोक कुमार की टीम ने आईटीआई मरोड़ा में छात्रों एवं स्टाफ को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया । जिला नूंह पुलिस की टीमें पिछले काफी समय से जिले के अधिकतर स्कूल/कॉलेजों एवं गांवों में इस तरह के जागरूकता अभियान चला चुकी हैं ।

जागरूकता अभियान के दौरान टीम ने जानकारी देते हुए बताया कि माता-पिता 18 वर्ष से कम की आयु के बच्चों को मोटरसाईकिल इत्यादि सार्वजनिक स्थान पर चलानें के लिए ना दें, क्योंकि इससे आपको और आपके बच्चों व दूसरे वाहन चलाने वालों को खतरा रहता है। ड्राईविंग सीखते समय अपनी कार के पीछे एल का निशान जरुर लगवायें। वाहन का प्रयोग करते समय दो पहिया वाहन पर हेल्मेट और चार पहिया वाहन पर सीट बैल्ट का प्रयोग जरुर करें। क्योंकि यह दो सुरक्षा कवच वाहन चलाते समय किसी प्रकार से असुविधा के कारण दुर्घटना हो जानें पर अपनी जिन्दगी को बचाते है। अधिकतर इन दोनों सुरक्षा कवच से जिन्दगी बच जाती है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व वाहनो को सुचारू रूप से आवगमन हेतू यह जरूरी है कि वे सभी यातायात नियमों का पालन करे। दुपहिया,ऑटो,कार गाड़ी,भारी वाहन अपनी निर्धारित लेन मे ही वाहन चलाए। निर्धारित सीट के अलावा सवारी ना बैठायें क्योंकि इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन भी होता है। इस दौरान ट्रैफिक नियमों की पालना करने बारे शपथ भी दिलाई गई तथा यातायात नियमों की पालना करने पर आधारित वीडियो क्लिप भी दिखाई गई। इस अवसर पर आईटीआई के प्रधानाचार्य सुधीर, प्रबंधक थाना मांडीखेड़ा उप-निरीक्षक अशोक कुमार, उप-निरीक्षक बाबूलाल, अनिल सहित अन्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल वाहनों की कमियों को तुरंत कराया जाए दुरुस्त

नूंह। उपमंडल अधिकारी (ना.) तावडू संजीव कुमार की अध्यक्षता में आज सोमवार को क्षेत्र के निजी विद्यालयों के संचालको की मीटिंग हुई, जिसमें उन्होंने सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के संदर्भ में सभी को जल्द से जल्द कार्यवाही के निर्देश दिए और कहा कि एक सप्ताह में सभी स्कूल वाहनों की कमियों को दुरूस्त कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि सभी निजी विद्यालय संचालकों की मीटिंग बुलाने का उद्देश्य यही था कि स्कूलों में आने वाले बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेवारी हम सभी की है। स्कूल संचालक इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जिन वाहनों का प्रयोग बच्चों को लाने व ले जाने के लिए किया जाता है, उन वाहनों को सरकार की पॉलिसी के अनुसार दुरुस्त रखा जाए। यह मीटिंग सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें सभी निजी विद्यालय संचालकों द्वारा विश्वास दिलाया गया कि सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत वाहनों में जो भी कमियां हैं, उन्हें एक सप्ताह में अवश्य ठीक कर लिया जाएगा। इसके बाद भी यदि कोई स्कूल वाहन संचालक या मालिक वाहन की कमियां ठीक नहीं करवाता है तो वाहन का चालान या उसे इंपाउंड कर लिया जाएगा। उन्होंने सभी को यह भी निर्देश दिए कि स्कूल वाहन चालकों के लाइसेंस अवश्य बने होने चाहिए। यदि किसी चालक के पास लाइसेंस नहीं है तो उसे वाहन चलाने के लिए न दिया जाए। इसके अलावा बसों के टायर नियमानुसार ठीक हों। बस ड्राइवर व कंडक्टर की समय-समय पर काउंसलिंग करवाई जाए। सभी विद्यालय संचालकों द्वारा सभी दिशा-निर्देशों पर अपनी सहमति दी गई। इस मीटिंग में उप-पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी तावडू डा धर्मपाल, थाना सदर प्रभारी जितेन्द्र कुमार, थाना शहर प्रभारी प्रदीप कुमार, एसएचओ ट्रैफिक धुलावट सुखबीर सिंह भी मौजूद रहे।

छात्रों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना प्राथमिकता

फिरोजपुर झिरका। उपमंडल फिरोजपुर झिरका की एसडीएम डॉ. चिनार चहल ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, सभी निजी स्कूल संचालक इस कार्य में प्रशासन का सहयोग करें और स्कूल वाहनों की फिटनेस अच्छी रखें व अनुभवी ड्राइवरों की नियुक्ति करें। एसडीएम सोमवार को उपमंडल के निजी स्कूल संचालकों की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए घर से स्कूल तक सुरक्षित आवागमन व विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से गंभीर है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी पूरी तरह से स्कूल प्रबंधन की होती है। निजी स्कूल संचालकों जिम्मेवारी बनती है कि वे बच्चों को स्कूल लाने व ले जाने के लिए प्रयोग करने वाले वाहनों की कंडीशन अच्छी रखें। मोटर वाहन अधिनियम के साथ-साथ सरकार की सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के सभी नार्म्स पूरे रखें। स्कूल वाहनों में पर अनुभवी ड्राइवरों की नियुक्ति रखें, जिनके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस, कंडेक्टर-एटेंडेंट लाइसेंस, चालक व परिचालक की नेम प्लेट, वाहनों का वैध रजिस्ट्रेशन व फिटनेस प्रमाण-पत्र, वैध रूट परमिट, मापदंड के अनुसार बसों का रंग, इंश्योरेंस, पॉल्यूशन प्रमाण-पत्र, वाहनों में मापदंडों के अनुसार स्पीड गवर्नर व जीपीएस लगा हो, जोकि ठीक प्रकार से कार्य कर रहा हो। इसके साथ ही अग्निशमन यंत्र लगा हो, वाहनों के हॉन चालू हालत में हों, टायर की हालत अच्छी हो, ब्रेक व आपातकालीन ब्रेक सही हालत में हों। इसी प्रकार इंडीकेटर चालू हों, हेड व बैक लाइट चालू हों, बसों के आगे व पीछे रिफलेक्टर व रिफलेक्टिव टेप लगी हुई हो, वाइपर चालू हों, फर्स्ट एड बॉक्स व दवाइयां हों, वाहनों पर रूट बोर्ड तथा समय सारणी डिसप्ले हो, नंबर प्लेट निर्धारित मापदंड अनुसार लगी हो, पुलिस व चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर, कंट्रोल रूम नंबर, वाहन मालिक का नंबर अंदर व बाहर दर्शाए गए हों, आईपी कैमरा कम से कम 15 दिन की रिकार्डिंग के साथ निर्धारित मापदंड व चालू हालत में हो, छात्राओं के लिए बस में महिला अटेंडेंट उपलब्ध हो। इसके अलावा अन्य जो भी नियम सरकार की गाइडलाइन में हैं, वे सभी जल्द से जल्द पूर्ण किए जाएं। जब तक वाहनों की कंडीशन ठीक न कराई जाए, उसमें बच्चे न बैठाए जाएं। एसडीएम पुन्हाना लक्ष्मी नारायण व एसडीएम नूंह विशाल ने भी आज सोमवार को निजी स्कूल संचालकों की बैठक ली।

पायनियर क्लासीफाइड

नाम परिवर्तन

I, Divya Nagpal W/o Nikhil R/o House No 91, Ward No 13, Nuh, Mewatm, have changed my name to Divya Kataria.

I, Amit Kumar Mishra S/o Ram Chandra Mishra R/o 30-31, Mata Colony, Near Khakho Mata Mandir, Madalpur, Faridabad, have changed my name to Amit Mishra.

I, Shiv Pratap Singh Chauhan S/o Subhash Chandra R/o H.No. 2183/GF, Housing Board Colony, Sec-55, Faridabad, (Haryana) 121004 declare that my daughter Pragya Chauhan instead of Pragya & Father name Shiv Pratap Singh Chauhan instead of Shiv Pratap & Mother name Nisha Chauhan instead of Nisha above are the same name and one person.

NAME CHANGE

I, RAVI GUPTA holder of Indian Passport No:U5977139 issued at DELHI on 22/04/2020 and Permanent Resident of HOUSE NO 262/20 GALI NO 1 SHANTI NAGAR GURGAON PIN 122001 HARYANA INDIA and presently residing at 605 MARINA DIAMOND 6 DUBAI MARINA DUBAI UAE do hereby change the name of my minor child SHRAVIL holding Indian Passport No: U8925617 issued at DELHI on 08/02/2021 from SHRAVIL to SHRAVIL (GIVEN NAME) GUPTA (SURNAME) with immediate effect.

बेदखल सूचना

मैं, कन्हैया पुत्र श्री भागा सिंह उर्फ भाग सिंह निवासी गांव व डाकखाना खेडला, तहसील सोहना, जिला गुरुग्राम, हरियाणा बयान करता हूं, कि मेरी पुत्रवधु सविता पत्नी स्वर्गीय श्री उमेश मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है तथा हमसे रोजाना लड़ाई-झगड़ा करती है, इसलिए मैंने अपनी पुत्रवधु सविता को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में सविता से लेन-देन या व्यवहार आदि रखने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के अन्य किसी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। आज के बाद मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्य का सविता से कोई ताल्लुक व वास्ता नहीं होगा।

बेदखल सूचना

मैं, राजबीर पुत्र श्री फूला निवासी गांव मिर्जापुर खेडी, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत बयान करता हूं, कि मेरा पुत्र रोकी मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है तथा हमसे रोजाना लड़ाई-झगड़ा करता है, इसलिए मैंने अपने पुत्र रोकी को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में रोकी से लेन-देन या व्यवहार आदि रखने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के अन्य किसी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। आज के बाद मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्य का रोकी से कोई ताल्लुक व वास्ता नहीं होगा।

सार्वजनिक सूचना

हम, भरत लाल पुत्र इन्दर सिंह व श्रीमति शशि शर्मा पत्नी भरत लाल निवासी म0 नं0 296, नियर गंगाराम सैनी, प्रकाश विहार कॉलोनी, तहसील व जिला पलवल ब्यान करते हैं कि हमारी पुत्रवधु श्रीमती पूजा शर्मा पत्नी स्व0 शैलेश कुमार व उसके बच्चे जो हमारे कहने से बाहर हैं, गाली गलौच, लड़ाई झगड़ के कारण हमने पूजा शर्मा को अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाले व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आईएएस अधिकारी पीसी मीणा के पिता का निधन

गुरुग्राम। हरियाणा के आईएएस अधिकारी पीसी मीणा के पिता श्री मोती लाल मीणा गत सायं निधन हो गया। 86 वर्षीय मोती लाल मीणा कुछ समय से बीमार थे। उनका गुरुग्राम में ही इलाज चल रहा था। सभी दायित्वों का बखूबी निर्वाह करते हुए वे अपना भरा-पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं। उनके दो सुपुत्र और तीन सुपुत्रियां, पौत्र, पौत्री, नाती, नातिन आदि हैं।

बड़ा सुपुत्र कैलाश चंद मीणा प्रिन्सिपल और छोटा सुपुत्र पीसी मीणा आईएएस अधिकारी हैं। सोमवार को उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव मलकेड़ा, राजस्थान के जिला सीकर में किया गया। अंतिम संस्कार में समाज के गणमान्य, सुमित कुमार एचसीएस, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम मुख्यालय एवं ऑपरेशन सर्किलों के अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता और उपमंडल अधिकारी आदि शामिल हुए। ईश्वर से दिवंगत आत्मा के लिए

स्वर्गीय मोती लाल मीणा।

शांति प्रार्थना और इस कठिन समय से उबरने की प्रार्थनाएं की। स्वर्गीय मोती लाल मीणा जी की आत्मिक शांति के लिए बैठक मंगलवार 16 अप्रैल को दोपहर बाद 3 बजे से 5 बजे तक निवास स्थान मां दुर्गा फार्म हाउस, गांव मलकेड़ा, जिला सीकर, राजस्थान में होगी। श्रद्धांजलि सभा गुरुवार 25 अप्रैल को दोपहर 12 से 01 बजे तक निवास स्थान पर ही होगी।

गुरुग्राम लोकसभा से एक ओर उम्मीदवार मैदान में उतरा

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

समय सिंह एडवोकेट गुरुग्राम लोकसभा प्रत्याशी बहुजन मुक्ति पार्टी।

नूंह जिले के सलंबा गांव से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता समय सिंह एडवोकेट ने गुरुग्राम लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। समय सिंह सलंबा बहुजन मुक्ति पार्टी के टिकट पर गुरुग्राम लोकसभा से चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने कहा है कि इलाके की जनता की मांग पर वह चुनावी मैदान में उतरे हैं। समय सिंह सलंबा ने मीडिया से रूबरू होते हुए यह साफ कर दिया है कि वह बहुजन मुक्ति पार्टी कि तरफ से गुरुग्राम लोकसभा से चुनाव लड़ेंगे। समय सिंह ने कहा कि मुझे अब चुनाव लड़ने से कोई रोक नहीं सकता, मैं बाबा भीमराव अंबेडकर के नक्शे कदम पर चलते हुए कार्य करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं समाज के दम पर गुरुग्राम लोकसभा से चुनाव लड़ रहा हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि समाज मेरा साथ देगा और मैं चुनाव जीतूंगा। उन्होंने कहा कि हमारा कार्य सबसे ज्यादा शिक्षा की ओर लोगों को आकर्षित करना होगा, क्योंकि शिक्षा होगी तो हमारे आने वाले भविष्य यानि हमारे बच्चे पढ़ लिखकर अच्छी पोजीशन हासिल कर सकेंगे। पढ़ाई नहीं होने के चलते मेवात इलाका सबसे पिछड़ा हुआ है। हमें इसे आगे लेकर जाना है, यहां से भेदभाव व जातिवाद को भी खत्म करना है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी होती है, जब मेवात के बच्चे नौकरी लगते हैं। हम इसी पर ज्यादा कार्य करेंगे कि बच्चे पढ़े लिखे और तरक्की हासिल करें और अपने मां - बाप और इलाके का नाम रोशन करें । उन्होंने कहा कि मैं पिछले काफी दिन से लोगों के बीच रहकर सामाजिक तौर पर लोगों की सेवा कर रहा हूं और मैंने संगठन के सहयोग से हर तरह की लोगों के लिए मदद करने का कार्य किया है। समय सिंह ने कहा कि वर्तमान सांसद ने इलाके के लिए कुछ विकास नहीं किया।

हमेशा दोगली राजनीति की है। हम ऐसा नहीं करेंगे, 36 बिरादरी के लोगों को अपने साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने कहा कि 36 बिरादरी के लोगों का पूरा सहयोग मिल रहा है और मुझे उम्मीद है कि आगे चलकर हमारा संगठन और भी मजबूत होगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वह जन समर्थन से न केवल वे चुनाव जीतेंगे, बल्कि जनता के वादे भी पूरा करेंगे।

रामनवमी के उपलक्ष्य पर धर्मसभा समिति निकालेगी सीताराम महाराज की पालकी

पायनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

श्री सनातन धर्म सभा समिति के सौजन्य से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के उपलक्ष्य पर आगामी 17 अप्रैल बुधवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान सीतारामजी महाराज की भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

उक्त सभी जानकारी श्री सनातन धर्म सभा समिति के प्रधान वेदप्रकाश माहेश्वरी एवं सचिव छगनलाल शर्मा ने देते हुए बताया कि इस बार भी रामनवमी के उपलक्ष्य पर प्राचीन गढ़ अंदर सीतारामजी मंदिर से श्री सीताराम जी महाराज की पालकी शाम तीन बजे ढोल नगाड़े एवं बैंड बाजे के साथ शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए श्री सीताराम बगीची के लिए प्रस्थान करेगी। शोभा यात्रा कार्यक्रम की व्यवस्था चाक चौबंद रखने के लिए पुलिस टीम के जवान तैनात रहेंगे।

श्री सीताराम बगीची पर श्री सीताराम जी महाराज की आरती की जाएगी। इसके उपरांत यह पालकी शाम सात बजे पुन: बैंड बाजे के साथ शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए अपने गंतव्य स्थान गढ़ अंदर सीताराम मंदिर पहुंचेगी और धर्मप्रेमियों में प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन से पूर्व शहर के मुख्य बाजारों को रंग बिरंगी झंडियां एवं तोरण द्वारों से सजाया जाएगा। उन्होंने शहर के समस्त धर्मप्रेमियों से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में सभी श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन का हिस्सा बने और धर्म लाभ उठाएं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गांगुली, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

भारत-चीन संबंध

सकारात्मक संकेत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक पत्रिका को दिए साक्षात्कार के माध्यम से दिए शांति संकेतों पर चीन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि इससे द्विपक्षीय संबंधों में स्थायित्व आएगा। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच संबंध बनाने में अक्सर राजनयिक बयानबाजी, रणनीतिक दृष्टिकोण तथा कभी-कभी तनाव घटाने वाले बयानों का विशेष महत्व होता है। हाल ही में दुनिया के दो सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों-भारत और चीन ने यही किया। सीमा की स्थिति पर की गई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी पर चीन की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया आई। 'न्यूज़वीक' पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीमा पर वर्तमान स्थिति को तुरंत संबोधित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने आशा प्रकट की कि रचनात्मक संवाद के माध्यम से शांति और सद्भाव बहाल किया जा सकता है। इसकी प्रतिक्रिया में चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने 'गहरे और स्थाई' संबंधों के महत्व पर जोर देते हुए क्षेत्रीय शांति एवं विकास में परस्पर हितों को रेखांकित किया। इस प्रतिक्रिया से सीमा पर तनाव के बावजूद भारत के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने की चीन की प्रतिबद्धता प्रकट होती है। माओ निंग के बयान में सीमा मुद्दे को व्यापक द्विपक्षीय संबंधों के ढांचे में रखा गया है। सीमा समस्या का महत्व रेखांकित करते हुए सुश्री निंग ने जोर दिया कि यह समग्र रूप से भारत-चीन संबंधों पर भारी नहीं पड़ना चाहिए। यह दृष्टिकोण चीन द्वारा द्विपक्षीय संबंधों के प्रबंधन के प्रति लक्षित है जिसमें मतभेदों से बाहर निकलने के लिए संवाद, सहयोग तथा रणनीतिक सोच को महत्व दिया गया है।

इन बयानों की पृष्ठभूमि में मई, 2020 में पैगोंग सो के निकट हिंसक झड़प के बाद सीमा पर व्याप्त गतिरोध है। डीजीपी सम्मेलन में साझा किए एक शोधपत्र से खुलासा हुआ है कि 65 निगरानी बिंदुओं में से 26 तक पहुंच विवादास्पद है। इसके साथ ही लगभग 1,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर परस्पर विरोधी दावे हैं। लेकिन इन आंकड़ों को आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है। जून, 2020 में भारत और चीन ने गलवान घाटी के निगरानी बिंदु 14 से अपने सैनिक हटा लिए थे। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से पैगांग सो के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से फरवरी, 2021 तथा इसी साल अगस्त में गोगरा चौकी के निकट निगरानी बिंदु 17ए से तनाव घटाने के प्रयास हुए। लेकिन कार्पर्स कमांडरों की अनेक बैठकों के बावजूद कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विवाद अब भी बना हुआ है। भारत ने कुछ क्षेत्रों जैसे डेपसांग व देमचोक से तनाव समाप्त करने पर जोर दिया है। इससे एक समग्र समाधान की दिशा में आ रही चुनौतियां स्पष्ट हैं। भारत और चीन के बीच अच्छे संबंध न केवल दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इसका सीमावर्ती क्षेत्रों तथा सारी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है। आर्थिक महाशक्ति और नाभिकीय शक्ति संपन्न देशों के रूप में वे अपने मतभेद दूर कर स्थाई संबंध विकसित करने में सक्षम हैं जो क्षेत्रीय शांति तथा स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत और चीन के बीच संबंध सामान्य बनाने का रास्ता संभवतः निरंतर संवाद, विश्वास बहाली उपायों तथा व्यावहारिक समझौतों से निकल सकता है। हालांकि, इस मार्ग में अनेक बाधायें हैं, पर दोनों देशों के साझा हित एक ऐसा आधार बनाते हैं जिस पर स्थाई व रचनात्मक संबंधों की नीव डाली जा सकती है। भारत इसके साथ ही अपनी रक्षा तैयारियां व सीमा पर ढांचागत संरचना मजबूत करने पर भी जोर दे रहा है।

अंबेडकर: न्याय व समानता के अग्रदूत

भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने सभी नागरिकों के लिए मूलाधिकारों तथा संरक्षणों का आधार तैयार किया था।

बंडारू दत्तात्रेय
(लेखक, हरियाणा के राज्यपाल हैं)

भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर ने सभी नागरिकों के लिए मूलाधिकारों तथा संरक्षणों का आधार तैयार किया था। भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर का जन्त 14 अप्रैल, 1891 को हुआ था। उनको हमेशा एक न्यायोचित व समावेशी भारत निर्माण में योगदान के लिए याद किया जाएगा। वे सामाजिक न्याय के संरक्षक अग्रदूत तथा समावेशन, न्याय व समानता के मसीहा थे। प्रख्यात न्यायविद, अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक के रूप में डा. अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन जाति-आधारित भेदभाव को समाप्त करने तथा हमारे देश के हाशियाकृत वर्गों की प्रगति के लिए समर्पित कर दिया। भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में उन्होंने देश के सभी नागरिकों के लिए मूलाधिकारों तथा संरक्षणों को सुनिश्चित किया था। आज भी डा. अंबेडकर की विरासत दुनिया भर में करोड़ों लोगों को प्रेरणा देती है। वे दुनिया भर में गरिमा और समानता के लिए संघर्ष करने वाले वंचित समुदायों के लिए आशा की किरण बने हुए हैं। हम उनके जीवन तथा सामाजिक न्याय के उनके दृष्टिकोण से बहुत कुछ सीख कर स्वयं को अनुप्राणित कर सकते हैं।

बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित सामाजिक न्याय के सिद्धान्तों का आधार समानता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व के सिद्धान्त हैं। बाबा साहेब ने अपने आसपास के जीवन से भारतीय समाज में गहराई तक व्याप्त असमानताओं की पहचान की और उनको समाप्त करने का भरसक प्रयास किया। उन्होंने खासकर भारतीय समाज में सैकड़ों सालों से व्याप्त 'जाति व्यवस्था' का गंभीर विश्लेषण किया जो करोड़ों लोगों के प्रति भेदभाव और उत्पीड़न का कारण बनी हुई थी। जाति व्यवस्था ने कृत्रिम रूप से कुछ लोगों को जन्म से ही श्रेष्ठ व सक्षम तथा बहुत से अन्य लोगों को अक्षम व निचली श्रेणी का घोषित कर दिया था। जाति व्यवस्था के कारण पैदा ऊंचनीच ने भारतीय समाज को अत्यधिक प्रभावित किया बा। इसने करोड़ों लोगों को भेदभाव और उत्पीड़न का शिकार बनाया था।

डा. अंबेडकर ने 'अश्पृश्यता उन्मूलन' के लिए निरंतर संघर्ष किया जो मूल रूप से वैदिक शिक्षाओं के विरोध में थी। अश्पृश्यता का कारण बनने वाली अत्याचारी जाति-व्यवस्था ने उनको भीतर तक झकझोर दिया था। डा. अंबेडकर ने अपने लेखों, पुस्तकों और भाषणों से लगातार हिंदू समाज की विकृतियों की ओर संकेत किया जिनका कोई पौराणिक या वैदिक आधार नहीं था। अपने अनेक प्रयासों को समुचित सफलता मिलते न देख कर उन्होंने हिंदू समाज को झटका देने के लिए बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। बौद्ध धर्म गहराई से भारतीय विचार पद्धति तथा मूल्य व्यवस्था से जुड़ा हुआ था। अंबेडकर 'हिंदूवाद' या हिंदुत्व के दुश्मन नहीं थे। उन्होंने हिंदूवाद की अनेक विकृतियों का विरोध किया, पर उन्होंने उचित भावना वाले हिंदुत्व का विरोध नहीं किया था। हालांकि, इस्लामी व ईसाई विद्वानों ने उनको प्रभावित करने के बहुत प्रयास किए, पर उन्होंने कोई अन्य विजातीय धर्म स्वीकार नहीं किया।

बहुत गरीब परिवार में जन्मे डा. अंबेडकर को शुरू से ही अनेक सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, पर उन्होंने हार नहीं मानी और इनके खिलाफ संघर्ष करते रहे। वे अपने माता-पिता की 14वीं संतान थे। उनके पिता ने उनको अच्छे संस्कार दिए थे और वे उनको महान संतों की कहानियां सुनाया करते थे। इन संतों में संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर व संत शिरोमणि रविदास आदि शामिल थे। इसके साथ ही पिता ने उनको रामायण और महाभारत की शिक्षाओं से भी प्रेरित किया था। भीमराव अंबेडकर ने 1908 में एल्फिंस्टन हाईस्कूल से मैट्रीकुलेशन पास किया। इसके बाद उन्होंने एल्फिंस्टन कालेज में अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान का अध्ययन किया। 1912 में उनको बंबई विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि मिली। बड़ौदा के महाराजा से प्राप्त स्कालरशिप के माध्यम से वे कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क सिटी में पढ़ने गए जहां से उन्होंने जून, 1915 में परास्नातक डिग्री प्राप्त की। उनके शोध का विषय 'प्राचीन भारतीय वाणिज्य' था। 1916 में वे अध्ययन करने लंदन स्कूल आफ इकोनोमिक्स गए। 1920 में उनको लंदन विश्वविद्यालय से डीएससी की उपाधि मिली। वे जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय में भी अध्ययन के लिए गए। जून, 1927 में उनको कोलम्बिया विश्वविद्यालय ने डाक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। वे अपने समय के ऐसे विरले भारतीय राजनेता थे जिन्होंने कोलम्बिया विश्वविद्यालय, लंदन स्कूल आफ इकोनोमिक्स तथा बॉन विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था।

डा. बी.आर. अंबेडकर ने हमें 'पढ़ो और संघर्ष करो' का नारा दिया था। उन्होंने बौद्धिक समाज में अपनी अमिट छाप छोड़ी थी। सामाजिक न्याय के उनके सिद्धान्त ने वंचित जातियों के लिए शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व का महत्व उजागर किया था। वे इनको सशक्तीकरण और उत्थान के आवश्यक उपकरण मानते थे। उन्होंने ज्यादा समावेशी और न्यायोचित समाज की नीव डाली थी। उनका संवाद के विचार और आदर्शों में विश्वास था। वे प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा बहाल करने के लिए सशस्त्र संघर्ष के विरोधी थे। उनका विश्वास शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धान्त में था। वे सत्य, अहिंसा तथा सभी जातियों व धर्मों के लोगों का सम्मान करने की शिक्षा देते थे। डा. अंबेडकर शिक्षा को केवल अकादमिक योग्यता प्राप्त करने का साधन नहीं मानते थे, बल्कि उन्होंने इसे उत्पीड़ित व हाशियाकृत समुदायों की मुक्ति का उत्प्रेरक माना था।

उन्होंने सबको शिक्षा तक पहुंच पर जोर दिया था। वे खासकर ऐसे लोगों को शिक्षा दिलाने के पक्ष में थे जिनमों ऐतिहासिक रूप से जातीय भेदभाव तथा सामाजिक असमानता के कारण शिक्षा नहीं मिल पाई थी। वे संवेदना, न्याय व समानता जैसे मूल्य पैदा करने के दृढ़ पैरोकार थे। उन्होंने कहा था कि मनुष्य के मस्तिष्क का विकास मानव अस्तित्व का चरम लक्ष्य है। वे महिला सशक्तीकरण के भी पक्के समर्थक थे। उनका यह कथन बहुत लोकप्रिय है कि 'मैं किसी समुदाय की प्रगति इस तथ्य से आंकता हूं कि उसकी महिलाओं ने कितनी प्रगति की है।' डा. अंबेडकर उस समय महिलाओं की कठोर पर्दा पृथा तथा उनको घरों की चारदीवारी में कैद करने के घोर विरोधी थे। उनका कहना था कि इससे महिलाओं का न केवल स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास में भी बाधा आती है। डा. अंबेडकर ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता प्रकट की थी। वे इनको किसी राष्ट्र की प्रगति और स्थायित्व के लिए मूल स्तंभ मानते थे। डा. अंबेडकर ने ऐसे समाज की पैरवी की थी जहां प्रत्येक व्यक्ति के समान अधिकार हों तथा उसे समान अवसर मिलें। उन्होंने सामाजिक सद्भाव तथा परस्पर सम्मान पर जोर दिया था। उन्होंने भारत के श्रम कानून बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में उन्होंने फैक्ट्रीज़ एक्ट, मिनिमम वेजेज़ एक्ट तथा इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट जैसे महत्वपूर्ण कानून बनाने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ये कानून आज भी देश में श्रमिक अधिकारों तथा औद्योगिग प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

डा. भीमराव रामजीराव अंबेडकर ने हमेशा लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता तथा संविधानवाद को सर्वोच्च स्थान देते थे। उनका मानना था कि लोकतंत्र, पंथनिरपेक्षता तथा संविधानवाद समाज के कमजोर तबकों को अधिकार देने तथा उनको बनाए रखने के लिए और आगे बढ़ाने के लिए अनिवार्य हैं। उनका यह भी मानना था कि ये सिद्धान्त राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत के लिए डा. अंबेडकर का दृष्टिकोण समावेशन और बहुलतवाद पर आधारित था।

वे बहुलता और विविधता को विभाजन के बजाय शक्ति का स्रोत मानते थे। उन्होंने अश्पृश्यता को न केवल नैतिक रूप से गलत, बल्कि सामाजिक प्रगति तथा भारत की एकता के लिए बड़ी बाधा माना था। उन्होंने अश्पृश्यता के समूल उन्मूलन की पैरवी करते हुए इस दिशा में विधायी उपायों तथा सामाजिक सुधार पर जोर दिया था। जन्म दिवस पर डा. बी.आर. अंबेडकर की याद करते हुए हमें उनके प्रति आभार व्यक्त करने के साथ ही लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष व समावेशी राष्ट्र की उनकी शिक्षा के प्रति स्वयं को समर्पित करना चाहिए।

नवरात्रों की आध्यात्मिक महिमा

> उपवास या ऐसी कोई भी तकनीक तभी फल देगी जब उसे वैराग्य की भावना के साथ विकास के लिए किया जाए।

अश्विनी गुरुजी
(लेखक, आध्यात्मिक शिक्षक हैं)

नवरात्र साल में दो बार आते हैं और ऋतुओं के परिवर्तन, सर्दी-गर्मी और गर्मी-सर्दी का प्रतीक हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इस दौरान बारिश के दौरान शरीर में एकत्र विषाक्त पदार्थों से छुटकारा पाने के लिए कम से कम मात्रा में पौष्टिक खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए।

नवरात्रि की नौ रातें और दस दिन शक्ति के दस रूपों- शैलपुत्री, ब्रह्मचारी, चंद्रकांता, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री और पराठा की ऊर्जा को धारण करते हैं, इस प्रकार प्रत्येक नवरात्रि का एक विशिष्ट उद्देश्य होता है। नवरात्रि में मौसम में बदलाव होता है, यानी हमारे शरीर सहित इस सृष्टि की विभिन्न ऊर्जाएं असंतुलन से नई सामान्य स्थिति की ओर बढ़ती हैं। इन नौ दिनों में, हमारे शरीर के अंदर प्राण शक्ति पुनः संरेखण की प्रक्रिया से गुजरती है, यानी असंतुलन से नए मौसम के लिए नए संतुलन की ओर।

इसे री-अलाइन करने के लिए शरीर को हल्का रखना होगा। इसलिए हमारे पूर्वजों ने इन नौ दिनों में व्रत या उपवास का विधान किया है। उपवास का अर्थ उससे कहीं अधिक बड़ा है जिसे आम तौर पर गलत समझा जाता है - केवल कुछ खाद्य पदार्थों को खाने से रोकना।

ध्यान आश्रम में, साधक अपने प्रामाणिक अर्थ में उपवास का पालन करते हैं, अर्थात, साधना के दौरान तपस्या का आनंद लेना छोड़ देते हैं। यह जश्न मनाने, ऊर्जा के लिए भोजन करने, न कि कामुक सुख के लिए, आपके गुरु द्वारा आपको दी गई साधना के एक नियम का पालन करने से किया जाता है - एक मंत्र, ध्यान या एक तांत्रिक अभ्यास जहां इंद्रियों को सख्त नियंत्रण में रखा जाता है और ध्यान आपके इष्ट देव पर होता है

और उन दिनों के दौरान आपके सभी विचार और कार्य इष्ट-देव को समर्पित होते हैं। दान और सेवा ऐसी साधनाओं का अभिन्न अंग हैं।

उपवास के अलावा, कुछ मंत्र भी हैं जिनका जाप इन दिनों संपूर्ण शरीर को डिटॉक्स करने के लिए किया जाता है। शुरुआती लोगों के लिए, इन नौ दिनों को शरीर के तीन हिस्सों के लिए 3-3 दिनों के 3 भागों में विभाजित किया जा सकता है - नाभि के नीचे का क्षेत्र, नाभि और कंधों के बीच और ऊपरी सिर का क्षेत्र, जो देवी सरस्वती की ऊर्जा के अनुरूप है।, क्रमशः देवी लक्ष्मी और देवी दुर्गा। 9 देवियों की उत्पत्ति इन 3 देवियों से हुई है जिनकी उत्पत्ति आदिशक्ति से हुई है। इन 3 भागों को आगे 3-3 भागों में विभाजित किया गया है, इस प्रकार शरीर कुल 9 भागों में विभाजित है। पहले 3 दिनों में, साधक मसालेदार भोजन खाना बंद कर देता है और सुबह और शाम की संध्या में माँ दुर्गा का आह्वान करते हुए मंत्रों के साथ हवन करता है। घृत के साथ काला तिल का प्रसाद चढ़ाया जाता है और देसी गायों को ऊपर उठाकर पलाश की समाधि दी जाती है। अगले तीन दिनों में साधक अन्न का सेवन बंद कर देता है और शरीर को हल्का रखने के लिए केवल हल्का भोजन ही ग्रहण करता है।

दोनों संध्याओं में घृत के साथ मिठाई की आहुति देकर मां लक्ष्मी के लिए हवन किया जाता है। अंतिम तीन दिनों में, साधक केवल पानी और जूस (दूध भी नहीं, क्योंकि इसे पशु उत्पाद माना जाता है) का सेवन करता है और दो संध्याओं में घृत और गुग्गल की आहुति देकर मां सरस्वती के लिए हवन किया जाता है। 10वें दिन पूर्ण व्रत रखा जाता है और एक बार फिर मां दुर्गा या मां काली का आह्वान किया जाता है क्योंकि इस दिन रावण ने मां काली का आह्वान किया था और राम ने मां दुर्गा का आह्वान किया था। यह प्रक्रिया आवश्यक पुनः संरेखण लाती है। इसके बाद, साधक अपनी साधना करता है और अपने गुरु द्वारा बताए गए एक विशिष्ट मंत्र का जाप करता है। योग साधना से आह्वान की गई सभी शक्तियां साधक के पास आ जाती हैं। नवरात्र आपके शरीर को आने वाले मौसम की नई ऊर्जाओं को स्वीकार करने के लिए तैयार करने के दिन हैं। 9 दिनों तक आप अपने शरीर को पुनः व्यवस्थित करें और उसके बाद 10वें दिन नई ऊर्जा को स्वीकार करें।

अधिकांश लोग 9 दिनों तक उपवास करके अपने शरीर को हल्का करते हैं, लेकिन 10वें दिन रेस्तरां और शराब की दुकानों पर भीड़ लगाकर इसे भारी बना लेते हैं। यह कुछ ऐसा है जैसे आप अपना कमरा साफ करते हैं और उसके बाद सारा कचरा कमरे में वापस ले आते हैं।

उपवास या ऐसी कोई भी तकनीक तभी फल देगी जब उसे वैराग्य की भावना के साथ विकास के लिए किया जाए। इसलिए अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए सनातन क्रिया जैसी यौगिक प्रथाओं के साथ-साथ उपवास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आप की बात

केजरीवाल पर संकट

आम आदमी पार्टी-आप और केजरीवाल सरकार पर संकट गहराता जा रहा है। समय का चक्र देखिये कि जो इंसान दिल्ली की भूतपूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को सलाखों के पीछे भेजना चाहता था आज वो खुद सलाखों के पीछे है। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले ने साफ़ कर दिया है कि उनकी गिरफ़्तारी किसी साजिश के तहत नहीं, बल्कि मजबूत तथ्यों और सबूतों पर आधारित है। दिल्ली की आबकारी नीति बनाने में वह पूरी तरह व मुख्य रूप से शामिल थे और यही उनकी गिरफ़्तारी का मूल बिंदु है। उनकी इस आबकारी नीति के चलते दिल्ली सरकार को भारी नुकसान हुआ। आबकरी नीति वापस लेने से भ्रष्टाचार की आशंका और गहरी हुई थी। अब आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और नेता इस डूबती नाव को छोड़ कर भागने का विचार कर रहे हैं। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री राज कुमार आनंद का इस्तीफा पहला और आखिरी इस्तीफा नहीं होगा। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी की अन्य राज्यों में गतिविधियां भी ऐन लोकसभा चुनाव के पहले अत्यधिक प्रभावित होंगी। उत्तर प्रदेश में आप नेता संजय सिंह द्वारा चुनाव लड़ने के बजाय सपा को समर्थन की घोषणा इस दिशा में एक कदम है। पंजाब में आप के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी जहां बहुकोणीय मुकाबला होना पूरी तरह निश्चित हो गया है।

- **बाल गोविंद,** नोएडा

विवादित बयान

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अक्सर अपने बयानों के कारण विवाद में घिर जाते हैं। उन्होंने कच्चातीबू द्वीप को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने पूछा, कच्चातीबू पर कौन रहता है। यह सवाल उचित नहीं है क्योंकि इस द्वीप का हमारे देश के लिए काफी रणनीतिक महत्व है। यहां तैनात हमारी सेना सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर सकती है। अनेक भारतीय मछुआरे यहां मछली पकड़ने जाते हैं, लेकिन पूर्व सरकार द्वारा इसे श्रीलंका को सौंपने के बाद अब उनका यह अधिकार समाप्त हो गया है। देश की संप्रभूता एवं अखंडता के लिए वैसे भी किसी क्षेत्र की उपयोगिता का महत्व नहीं होता है। एक समय हमारी सरकार ने अक्साईचिन को बंजर बता कर चीनी कब्जे का समुचित विरोध नहीं किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान में एक रैली को संबोधित करते हुए जनता से पूछा कि क्या हम प्रदेश के रेगिस्तानी इलाकों को दुश्मन को सौंप देंगे? कच्चातिबू मामले पर कांग्रेस और तमिलनाडु में उसकी सहयोगी द्रमुक फंस गई है और वह अपने पुराने पाप छिपाने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। ऐसी बयानबाजी से कांग्रेस व द्रमुक की छवि सुधरने के बजाय जनता में और खराब होती चली जा रही है।

- **एमएम राजावत,** शाजापुर

मुद्रा का अपमान

भारत में रुपयों-पैसों को हवा में उड़ाने का चलन आम है। बारातों एवं खुशी के मौकों पर या नाच गानों के कार्यक्रमों में नोटों को हवा में उड़ाते या किसी के ऊपर फेंकते देखा जा सकता है। इससे कई बार रूपया-पैसा हमारे पैरों के नीचे आ जाता है। भारतीय संस्कृति में इसकी तुलना देवी लक्ष्मी से कर उसकी पूजा अर्चना भी करते हैं। कई देशो में इस तरह रूपए फेंकने को कानून का उल्लंघन माना जाता है। एक नाइजीरियाई ट्रांसजेंडर महिला को छह महीने की सजा सुनाई क्योंकि एक स्थानीय अदालत ने उसे मुद्रा को हवा में फेंकने का दोषी ठहराया था। भारत में भी मुद्रा के अपमान व उसके दुरुपयोग के लिए इस तरह का सजा का प्रावधान होना जरुरी है ताकि देवी लक्ष्मी स्वरूपा रुपयों-पैसों को पैरों तले रौंदने से बचाया जा सके। देश की मुद्रा, यानी रुपये पैसे तैयार करने में काफी खर्च होता है, लेकिन उनका लोग ठीक से रखरखाव नहीं करते हैं। अक्सर रुपयों को तोड़-मरोड़ कर रखने से उनका जीवन जल्दी समाप्त हो जाता है और भारतीय रिजर्व बैंक को कटे-फटे या सड़े-गले नोट वापस लेकर उनके स्थान पर नई मुद्रा छापनी पड़ती है। वजनदार पैसों की धातु का मूल्य बढ़ने पर उनको गलाने की प्रवृत्ति भी देखी जाती है जिससे देश को नुकसान होता है।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

मतदाता जागरूकता

लुभावने वादों से मतदाता कतई भ्रमित न हों। गत 15-20 वर्षों से लुभाने और भ्रामक किए जा रहे वादे अनेक पार्टियों द्वारा पूरे नहीं किए गए। आमतौर से ऐसे वादे अधूरे रह जाते हैं या अवधि बढ़ाने के वादे किए जाते हैं या बहानेबाजी की जाती है। इसके परिणामस्वरूप मतदाता गलत व्यक्ति और पार्टी को वोट देने के बाद में पछताता है। अस्तु इस बार बहुत सोच समझकर उसे ही वोट दें जो देश और क्षेत्र के विकास की न केवल बात करता होए बल्कि उसके वादों में सत्यता भी झलकती हो। वोट उन्हें न दें जो सांप्रदायिक जहर घोलता हो या जातिगत द्वेष फैलाता हो या सरकारी धन का दुरुपयोग करता हो अथवा अपराधी और भ्रष्टाचारी हो। मतदाताओं को सरकारों में रह चुकी पार्टियों के कामकाज पर स्वतंत्र स्त्रोतों से जानकारी प्राप्त कर ही उनके बारे में राय बनानी चाहिए। लेकिन सोशल मीडिया पर मिलने वाली भ्रामक जानकारी के बजाय समाचार पत्रों की वेबसाइटों से मिलने वाली तथ्यपरक जानकारी को ही अपनी राय बनाने का माध्यम बनाना चाहिए। वोट अवश्य दें। चाहिए। कोई उम्मीदवार पसंद न होने पर नोटा का प्रयोग करें।

- **बी एल शर्मा,** उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

भ्रष्टाचार के मामले में केजरीवाल द्वारा मुख्यमंत्री पद न छोड़ने को लेकर प्रचंड विरोध जताया

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

भारतीय जनता पार्टी जालंधर के कार्यकताओं द्वारा आम आदमी पार्टी के प्रमुख व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा भ्रष्टाचार के मामले मे मुख्यमंत्री पद न छोड़ने को लेकर प्रचंड विरोध प्रदर्शन श्री राम चौक में किया गया। इस अवसर पर सभी भाजपा नेताओं ने इस बार पर कड़ी आपत्ति प्रकट की है।

इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोरंजन कालिया, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर और केडी भंडारी, राजन अंगुराल, पूर्व एमएलए अविनाश चंद्र, जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की और राजेश कपूर, अमरजीत

भ्रष्टाचार पर आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की दोगली नीति अब पंजाब में नहीं चलेगी : केडी भंडारी

सिंह गोल्डी विशेष रूप से उपस्थित हुए। इस मौके पर राकेश राठौर ने कहा कि केजरीवाल साहिब जेलों से गैंग चलते सरकारें नहीं, कानून सभी के लिए सामान है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल कहते थे कि मैं सरकारी बंगला नहीं लूंगा, सरकारी गाड़ी नहीं लूंगा, टोपी पहनुंगा, सिक्युरिटी नहीं लूंगा, वगैरह वगैरह। जबकि एक मुख्यमंत्री के लिए ये सारी चीजें आवश्यकता होती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आम आदमी वाला चोला पूरी तरीके से धराशायी हो गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि हिरासत में लेना जरूरी था। न्यायिक प्रक्रिया को राजनीतिक रंग देने और आक्षेप लगाने के प्रयास पर कोर्ट का कहना है कि अरविंद केजरीवाल न्यायिक प्रक्रिया को राजनीतिक दहलीज तक ले जा रहे थे। कोर्ट का मानना है कि तथाकथित नैतिक राजनीति से अदालत को कोई मतलब नहीं है, वह केवल तथ्यों के आधार पर बात करती है। इस अवसर पर केडी भंडारी ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के करोड़ों लोग आज यह कह रहे हैं कि केजरीवाल ने पूरी दिल्ली को शर्मसार कर दिया है, जो दिल्ली पूरे विश्व और भारत में आकर्षण का केंद्र थी, वो आज अरविंद केजरीवाल के कुकृत्यों के कारण कलंकित हो चुकी है।अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को

केजरीवाल साहब जेलों से गैंग चलते सरकारें नहीं : राकेश राठौर

लूटा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के पास मुख्यमंत्री बने रहने का कोई नैतिक आधार नहीं बचा है।

उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि बार-बार झूठ बोलने और चिल्लाने से झूठ सच नहीं होगा। दिल्ली और पंजाब की जनता को धोखा देने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर आम आदमी पार्टी एवं कांग्रसे की दोगली नीति अब पंजाब मे नही चलेगी। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रमन पब्बी, सुभाष सूद, अनिल सच्चर, अमरजीत सिंह अमरी, दविंदर भारद्वाज, दविंदर कालिया, गुरविंदर सिंह लांबा, हितेश स्याल, मीनू शर्मा, सन्नी शर्मा, गौरव महे, विपन सभरवाल, रविंदर धीर, भगवंत प्रभाकर, हरविंदर पप्पू, राज कुमार राजू, संजीव मन्नी, पंकज जुल्का, अजमेर सिंह बादल, योगेश मल्होत्रा, किशन लाल शर्मा, शमा चौहान, रवि विनायक, प्रमोद कश्यप, मंडल अध्यक्ष राजेश मल्होत्रा, कुलवंत शर्मा, गुरप्रीत विक्की, आशीष सहगल, संदीप कुमार, टीटू कपानिया, क्षितिज ढल, कुणाल शर्मा, मनीष बल, गौरव जोशी, राकेश राणा, सरोज मसीह, अनुज शारदा आदि उपस्थित थे।

सोनीपत सीट पर हैट्रिक के लिए भाजपा को करनी होगी मशक्कत

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के जाटलैंड की सोनीपत लोकसभा सीट से इस बार बीजेपी हैट्रिक बनाना चाहती है। इस रणनीति के तहत पार्टी ने अपने राई के विधायक मोहन लाल बडोली को जंग में उतारा है। इस सीट पर भाजपा का मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस से सीधा मुकाबला संभावित है। कांग्रेस प्रत्याशी का अभी इंतजार है। कांग्रेस अगर कोई बाहरी प्रत्याशी उतारती है तो भाजपा का रास्ता आसान हो जाएगा। इस सीट से बाहरी प्रत्याशी हारते रहे है। बसपा ने इस सीट पर उमेश गहलावत को उतारा है।जेजेपी की और से अभी प्रत्याशी नही घोषित किया गया। जेजेपी ने प्रदेश की सभी दस लोकसभा सीटो पर लड़ने का ऐलान किया है।

कांग्रेस पिछली दो हार का बदला लेना चाहेगी। वर्ष 2014 और 2019 में भाजपा के रमेश कौशिक इस सीट से जीते थे। हालांकि, इस बार दोनो ही दलों को जीत के लिए कड़ी परीक्षा देनी होगी। सोनीपत लोकसभा सीट कई मायने में अपने आप में अलग है। यहां से बड़े-बड़े दिग्गज केवल बाहरी केंडिडेट होने के कारण चुनाव हार चुके हैं। अगर यहां के जातीय समीकरण देखें तो इस लोकसभा क्षेत्र के कुल वोटों का एक तिहाई वोटर जाट समुदाय से आता है। इतना ही वोट पिछड़ा वर्ग श्रेणी का है। एक तिहाई वोटों में बनिया, ब्राह्मण, पंजाबी, सिख, मुस्लिम और अनुसूचित जाति के वोटर आते हैं।

इस लोकसभा क्षेत्र से आज तक केवल तीन अवसरों को छोड़कर हमेशा जाट समुदाय से सांसद बनता रहा है। ब्राह्मण समुदाय से एक बार अरविंद शर्मा और दो बार रमेश चंद्र कौशिक सांसद हैं। अरविंद शर्मा यहां से निर्दलीय चुनाव जीत चुके हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। वहीं, लगातार दो बार रमेश चंद्र कौशिक बीजेपी से लोकसभा में पहुंचे। बीजेपी ने इस बार रमेश चंद्र कौशिक का टिकट काटकर फिर से ब्राह्मण चेहरे पर ही दांव लगाया है। बीजेपी ने इस बार राई से विधायक मोहन लाल बडोली को टिकट दिया है। यहां से प्रमुख रूप से हारने वाले उम्मीदवारों में पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी शामिल हैं।

सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में नौ विधानसभा सीट हैं। इसमें सोनीपत जिले की सोनीपत, राई, गन्नौर, खरखौदा, बरोदा और गोहाना हैं तो जींद जिले में सफीदों, जींद और जुलाना को शामिल किया गया है। इस सीट पर करीब तीन चौथाई मतदाता ग्रामीण क्षेत्र के हैं। शहरी मतदाताओं की संख्या करीब एक चौथाई ही है। इस बार सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बीजेपी इस सीट पर अपनी हैटट्रिक दर्ज कर पाएगी या कांग्रेस यहां पर जीत दर्ज कर पिछली दो हार का बदला ले पाएगी। इस सीट पर कांग्रेस से पहुंचे। बीजेपी ने इस बार रमेश चंद्र कौशिक का टिकट काटकर ब्राह्मण चेहरे पर ही दांव लगाया है। बीजेपी ने इस बार राई से विधायक मोहन लाल बडोली को टिकट दिया है। यहां से प्रमुख रूप से हारने वाले उम्मीदवारों में पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी शामिल हैं।

सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में नौ विधानसभा सीट हैं। इसमें सोनीपत जिले की सोनीपत, राई, गन्नौर, खरखौदा, बरोदा और गोहाना हैं तो जींद जिले में सफीदों, जींद और जुलाना को शामिल किया गया है। इस सीट पर करीब तीन चौथाई मतदाता ग्रामीण क्षेत्र के हैं। शहरी मतदाताओं की संख्या करीब एक चौथाई ही है। इस बार सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बीजेपी इस सीट पर अपनी हैटट्रिक दर्ज कर पाएगी या कांग्रेस यहां पर जीत दर्ज कर पिछली दो हार का बदला ले पाएगी। इस सीट पर कांग्रेस से 2019 का चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने लड़ा था। भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर बाहरी उम्मीदवार का ठप्पा लग गया और वह चुनाव हार गए थे। इस बार कांग्रेस यहां से किस मैदान में उतरेगी यह एक बड़ा सवाल है। कांग्रेस की ओर से पहलवान बजरंग पुनिया को उतारे जाने की चर्चा है।

बजरंग पुनिया अंतरराष्ट्रीय पहलवान हैं और जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों के धरने पर सक्रियता से उनका ग्राफ बढ़ा है। वह जाट समुदाय से आते हैं। क्षेत्र का जाट समुदाय पिछली दो हार से मायूस है। वहीं ब्राह्मण समुदाय से एक बार अरविंद शर्मा और दो बार रमेश चंद्र कौशिक सांसद हैं। अरविंद शर्मा यहां से निर्दलीय चुनाव जीत चुके हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। वहीं, लगातार दो बार रमेश चंद्र कौशिक बीजेपी से लोकसभा में पहुंचे। बीजेपी ने रमेश कौशिक का टिकट काटकर ब्राह्मण चेहरे पर ही दांव लगाया।

चौधरी बीरेंद्र सिंह के परिवार को टिकट न देने की मांग को लेकर एआईसीसी मुख्यालय पर प्रदर्शन, ज्ञापन भी सौंपा

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह और पुत्र बृजेंद्र सिंह समेत परिवार के किसी सदस्य को चुनाव के लिए कांग्रेस टिकट न देने की मांग को लेकर किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा ने सोमवार को नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। चौधरी बीरेंद्र सिंह परिवार की कांग्रेस में वापसी के बाद भी मुश्किल कम नहीं हुई है। जहा बृजेंद्र सिंह को भाजपा में रहते हिसार लोकसभा सीट से दूसरी बार टिकट न मिलने का डर सता रहा था वही परिवार की उचाना विधानसभा सीट भी छिन जाने का खतरा महसूस किया जा रहा था। लेकिन कांग्रेस में आने के बाद किसान नेताओ ने पिता पुत्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा सदस्य एवं किसान नेता आजाद पालवां के नेतृत्व में रविवार सुबह छह बजे दर्जनों किसान जींद से ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। आजाद पालवां ने मीडिया को कहा कि कांग्रेस हिसार लोकसभा सीट से बृजेंद्र सिंह या बीरेंद्र सिंह को टिकट दे सकती है। जब बृजेंद्र सिंह सांसद थे, वह किसानों के बीच कभी नहीं आए। करीब 16 महीने उचाना में किसानों का धरना चला, बृजेंद्र सिंह व बीरेंद्र सिंह ने कभी किसानों से बात नहीं की। उचाना में कोई भी विकास कार्य नहीं करवाए। बृजेंद्र सिंह तो कभी लोगों से मिले भी नहीं। इसलिए उन्होंने सांसद गुम होने के पोस्टर भी लगाए थे। अब इनको भाजपा की टिकट नहीं मिली तो यह कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस नेताओं से दिल्ली में मुलाकात करके कहा जाएगा कि वह हिसार लोकसभा से इन दोनों में से किसी को भी टिकट नहीं दे। यदि कांग्रेस ने इनको टिकट दी तो वह उनका विरोध करेंगे।

चौधरी बीरेंद्र सिंह वर्ष 2014में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। राज्यसभा के रास्ते पहली मोदी सरकार में मंत्री रहे। वर्ष 2019में बेटे को हिसार लोकसभा सीट से टिकट दिलाकर सांसद बनवाया।वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीरेंद्र सिंह ने भाजपा पर दवाब बनाया कि हरियाणा में जेजेपी से गठबंधन समाप्त किया जाए। भाजपा ने सरकार चलाने के लिया जेजेपी का समर्थन छोड़ दिया लेकिन इससे पहले ही बृजेंद्र सिंह कांग्रेस में चले गए। बीरेंद्र सिंह की पत्नी प्रेमलता उचाना से विधायक रही है।

25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान से लोकतंत्र होगा मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। पानीपत

प्रदेश में 25 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव- 2024 के दृष्टिगत अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए 19 अप्रैल को सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में प्रात: 11.30 बजे मतदाता शपथ होगी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने अनूठी पहल करते हुए सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में अपील करते हुए कहा कि इस दिन सभी अपने स्कूलों में मतदाता शपथ का आयोजन करवाई और सभी बच्चों से मतदान के प्रति ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने की शपथ भी दिलवाएं यही नहीं स्कूल परिसर में आने वाले सभी अभिभावकों को भी इसके लिए प्रेरित करें। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर

19 अप्रैल को प्रात: 11 .30 बजे जिले के सभी निजी व सरकारी स्कूलों में होगा मतदाता शपथ का कार्यक्रम

वीरेंद्र कुमार दहिया ने कहा कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जिला का मतदान प्रतिशत 75 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बच्चों को इस दिन मतदाता शपथ दिलवाएं जो मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने जिला वासियों से आग्रह किया है कि वे 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में पानीपत जिला ज्यादा से ज्यादा वोट करे तो निश्चित रूप से लोकतंत्र और ज्यादा मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए आम नागरिकों को जागरूक होना चाहिए। डीसी एवं स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. पंकज यादव ने कहा कि जिला में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा सभी शिक्षण संस्थानों, स्कूलों, कस्बों व गांवों में जाकर आमजन को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान में नागरिक बढ़ चढकर भाग लें और 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा अपना वोट अवश्य बनवाए। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता अभियान में सामाजिक-धार्मिक संगठन भाग लेकर देश के पर्व लोकसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य को पार करते हुए जिलावासी 75 प्रतिशत से अधिक मतदान कर अपना पूर्ण सहयोग दे।

पैनासोनिक ने हरियाणा में एसी की नई रेंज पेश की इसमें स्मार्टर लिविंग के लिए मैटर-इनेबल्ड आरएसी (रूम एयर कंडीशनर्स) भी शामिल हैं

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

एक प्रमुख डाइवर्सीफाइड टेक्नोलॉजी कंपनी पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया (पीएलएसआईएनडी) ने आज हरियाणा के बाजार में 2024 के लिए अपने नए एयर कंडीशनर्स की श्रृंखला को लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने 60 मॉडलों में 1.0, 1.5 और 2.0 टन के एयरकंडीशनर्स पेश किए हैं। एयर कंडीशनर्स की यह नई रेंज सभी प्रमुख रिटेल आउटलेट्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और पैनासोनिक ब्रांड स्टोर पर उपलब्ध है।

श्री अभिषेक वर्मा, पीएमआईएन, पीएलएसआईएनडी, में एयर कंडीशनर्स ग्रुप के बिजनेस हेड ने कहा, हाल ही में हरियाणा के उपभोक्ताओं के बीच कराई गई हमारी स्टडी में हमें एयरकंडीशनर के प्रयोग संबंधी लोगों की तरह-तरह की प्रमुख चिंताओं का पता चला है। स्टडी के अनुसार उपभोक्ताओं की मुख्य परेशानी रात में बार-बार एसी के तापमान को एडजस्ट करने, कूलिंग परफॉर्मेंस, आउटडोर यूनिट में जंग लगने और रखरखाव एवं सर्विसिंग की जरूरत से जुड़ी है। पैनासोनिक का नया एसी उपभोक्ताओं की उभरती जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। पैनासोनिक द्वारा लॉन्च किए गए भारत के पहले मैटर-इनेबल्ड एयर कंडीशनर न केवल इंटरऑपरेबिलिटी प्रदान करते हैं, बल्कि हमारी इको-टफ केसिंग की वजह से यह विश्वसनीय और टिकाउ भी हैं। नए मिराई प्लेटफॉर्म के साथ हम अपने उपभोक्ताओं को स्मार्ट होम का अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। इसमें ट्रू एआई जैसे नई फीचर्स मौजूद हैं, जिससे उपभोक्ताओं को आदर्श रूप से आराम पहुंचाने वाली ठंडक प्रदान करने के लिए यह एसी अपने आप सेटिंग्स को एडजस्ट करते हैं। पर्सनलाइज्ड स्लीप प्रोफाइल का फीचर रात में बार-बार तापमान को एडजस्ट करने की जरूरत को खत्म करता है।''

श्री वर्मा ने आगे कहा, इन्वर्टर एसी की जबर्दस्त बिक्री को देखते हुए हम उत्तरी भारत से इन्वर्टर एसी की मांग में बढ़ोतरी होने की उम्मीद कर रहे हैं। आज भारत में लगभग सात फीसदी घरों में एसी है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत में एसी इंडस्ट्री के विकास की अपार संभावना है। इसलिए हम इस अवसर का लाभ उठाने की उम्मीद कर रहे हैं। हमें पिछले सीजन की तुलना में इस सीजन में एसी की बिक्री 40 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है।''

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड का 18,000 करोड़ एफपीओ 18 अप्रैल को खुलेगा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम / हिसार

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआई या द कंपनी), गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024 को इक्विटी शेयरों की अपनी दर पब्लिक ऑफरिंग (एफपीओ) के संबंध में अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी।

कुल ऑफर साइज में रु 1,80,000 मिलियन [रु 18,000 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल है। (फ्रेश इश्यू) (कुल इश्यू साइज)

ऑफर का प्राइस बैंड रु 10 से रु 11 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 1,298 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 1,298 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है (मूल्य बैंड)।

एंकर निवेशक बोली की तारीख मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024 होगी। बोली/प्रस्ताव सदस्यता के लिए गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024 को खुलेंगे और सोमवार, 22 अप्रैल, 2024 को बंद होंगे (बोली/प्रस्ताव अवधि)। कंपनी इक्विटी शेयरों के नए निर्गम से

प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग इन कार्यों की फंडिंग के लिए करने का प्रस्ताव करती है - (1) अपने नेटवर्क बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए रु1,27,500 मिलियन [रु12,750 करोड़] से उपकरणों की खरीद, जिसमें (ए) नई 4जी साइटें स्थापित करना शामिल है; (बी) मौजूदा 4जी साइटों और नई 4जी साइटों की क्षमता का विस्तार करना और (सी) नई 5जी साइटों की स्थापना करना; (2) दूरसंचार विभाग को स्पेक्ट्रम के लिए कुछ आस्थगित भुगतान और उस पर जीएसटी की राशि रु 21,753.18 मिलियन रु 2,175 करोड़ और (5) शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए (प्रस्ताव के उद्देश्य)।

11 अप्रैल, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी को आठ अप्रैल, 2024 के प्रत्येक पत्र के अनुसार इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग के लिए बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त हुआ है। ऑफर के प्रयोजनों के लिए, एनएसई को नामित स्टॉक एक्सचेंज रखा गया है।

योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर करता है

करनाल। श्री कृष्ण मंदिर, सेक्टर चौदह में योग और प्राणायाम का शिक्षण दिया गया। दिनेश गुलाटी ने

वहां पहुंचे योग साधकों को सबसे पहले सूक्ष्म व्यायाम, आसनों का अभ्यास संगीत के साथ करवाया तत्पश्चात् सूर्य नमस्कार का ज्ञान करवाया। विभिन्न प्रणयामों का अभ्यास करवाते हुए वे योग सत्र को ध्यान साधना की ओर ले गए। उन्होंने कहा कि योग साधना ही सर्वश्रेष्ठ साधना है, जिससे शरीर में नई शक्ति का संचार होता है। संयम पूर्वक साधना करते हुए आत्मा का परमात्मा के साथ योग करके समाधि का आनंद लेना ही योग है। मानव शरीर की नश्वरता बताते हुए कहा कि मानव शरीर प्राप्त करके यदि मनुष्य सकाम कर्म करता है तो उसकी भौतिक उन्नति होती है, इसके विपरित निष्काम कर्म करता हुआ वह आध्यात्मिक उन्नति करके ईश्वर की कृपा का पात्र बनता है। कक्षा में योग शिक्षक नवीन जिंदल और बरखा जिंदल ने योग साधकों को आसान करवाते हुए उसकी विधियां और लाभ बताएं योग ही हमें प्रसिद्ध योग शिक्षक दिनेश गुलाटी द्वारा संचालित योग कक्षा श्री कृष्ण मंदिर, सेक्टर चौदह में योग और प्राणायाम का शिक्षण दिया गया। दिनेश गुलाटी ने वहां पहुंचे योग साधकों को सबसे पहले सूक्ष्म व्यायाम, आसनों का अभ्यास संगीत के साथ करवाया तत्पश्चात् सूर्य नमस्कार का ज्ञान करवाया। विभिन्न प्रणयामों का अभ्यास करवाते हुए वे योग सत्र को ध्यान साधना की ओर ले गए।

बाबा साहेब अंबेडकर जयंती पर आप उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने लोगों को दिलाया ये खास संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली लोकसभा सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने कई क्षेत्रों में जनसंपर्क किया। इस दौरान भारती बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कई कार्यक्रमों में शामिल हुए।

आप उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने एक कार्यक्रम में कहा कि आज पूरा देश और विश्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती 133वीं जयंती मना रहा है। आज हमें इस मौके पर शपथ लेनी है कि, जो भी ताकते बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान को खत्म करना चाहती है, उनके विरोध में हमें खड़े होना है। उन्हें किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देना है। हमें केवल एक कसम खानी है, केवल एक संकल्प लेना है कि, जो ताकत बाबा साहब का संविधान खत्म करना चाहती है और उसके पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती है। उन्हें हमें सफल नहीं होने देना है।

आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने लोगों से कहा कि जिन लोगों को भारत के संविधान की समझ नहीं है। जिन्हें देश की आजादी की समझ नहीं है। जो इस आजादी का इस्तेमाल दुरुपयोग करने के लिए कर रहे है। उन्हें हमें सफल नहीं होने देना है। इस मौके पर आज हम सभी लोग मिलकर एक संकल्प ले कि, बाबा साहब के संविधान को बचाने के लिए एक एक व्यक्ति अपना पूरा वर्चस्व निछावार करेगा। आज भाजपा, ईडी, सीबीआई और तमाम प्रकार की जांच एजेंसियां हमारे पीछे

लगा ले। हमें डरना नहीं हैं, हमें घुटने टेकना नहीं है। आज जो इन एजेंसियों के सामने घुटने टेक रहा है वह बाबा साहब का अनुयायी नहीं है।

हमारी मंत्री आतिशी झांसी की रानी : आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन के साझा उम्मीदवार सोमनाथ भारती ने अपने जनसंपर्क अभियान की शुरुआत सुबह पांच बजे नील-26 के मालवीय नगर में ध्यान के साथ की। इसके बाद सुबह छह बजे सीआर पार्क में सूर्य आराधना में शामिल हुए। सात बजे जहांपनाह सिटी फॉरेस्ट में मॉर्निंग वॉक के लिए पहुचे। सुबह की सैर के दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झाड़ू को वोट देने की अपील भी की। मॉर्निंग वॉक के दौरान कई बुजुर्गों ने सोमनाथ भारती से चर्चा की। पार्क में मौजूद एक महिला बुजुर्ग ने कहा कि मंत्री आतिशी बहुत अच्छा काम कर रही हैं। वे भाजपा के लोगों के सामने अपनी बात रखने में डरती नहीं है। इस पर भारती ने कहा कि मंत्री आतिशी आप पार्टी की झांसी की रानी है।

संक्षिप्त समाचार

लाला अमीचंद लॉ कॉलेज की छात्राओं ने यूनिवर्सिटी में किया टॉप

शाहाबाद मारकंडा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा एलएलबी 2024 के घोषित परिणामों में लाला अमीचंद लॉ कॉलेज शाहाबाद की तीन छात्राओं ने टॉप किया है। सोमवार को तीनो छात्राओं का कॉलेज में भव्य स्वागत किया गया और उसके बाद जानकारी देते हुए मैनेजमेंट के वाइस चेयरमैन कमल सैनी ने बताया कि छात्रा मनुमित ने एलएलबी में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में प्रथम, रिंकल ने द्वितीय व रीना ने तीसरा स्थान प्राप्त करके कॉलेज और अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया है। सोमवार को इस उपलक्ष में उपरोक्त छात्रों को मैनेजमेंट के सभी सदस्यों ने उनकी शानदार उपलब्धि के लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस उपलक्ष पर कॉलेज के सभी प्राध्यापकों पूनम सैनी, अनीता, अनु, कनिष्का, रचना द्वारा भी छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गई। कॉलेज के चेयरमैन के एल सैनी, राहुल सैनी ने टॉप करने वाली तीनों छात्राओं को सम्मानित भी किया। चेयरमैन के एल सैनी ने कहा कि सभी छात्राओं की कामयाबी के पीछे प्राध्यापकों की मेहनत व बढ़िया पड़ाने के तरीका है। टॉप करने वाली तीनों छात्रों ने कहा कि विधि ज्ञान होना प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है, इसलिए हमने आज मैनेजमेंट को वचन दिया है कि हम भी अपने प्रोफेशनल करियर में ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद करने की कोशिश करेंगे। इस अवसर पर सभी छात्रों ने कॉलेज की मैनेजमेंट अध्यापक गणों द्वारा प्रदान किए गए उचित मार्गदर्शन व सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

अभय चौटाला ने भाजपा के मेनिफेस्टो पर उठाए सवाल

शाहाबाद मारकंडा। गांव यारा के सैनी समाज धर्मशाला में चुनाव प्रचार के लिए आयोजित सभा को संबोधित करते हुए इनेलो नेता और कुरुक्षेत्र लोकसभा प्रत्याशी अभय चौटाला ने भाजपा के मेनिफेस्टो पर उठाए सवाल और कहा कि मोदी की गारंटी 100 प्रतिशत झूठ की गारंटी है। उन्होंने कहा कि चाहे किसानों के ऋण माफी की बात हो। चाहे उनकी बीमा की सहायता राशि की बात हो या उनके ऊपर ओला-पाला का प्रहार हो या गेहूं की खरीदी का धोखा हो, चाहे धान की खरीदी का धोखा हो। सबका एक अभियुक्त है भारतीय जनता पार्टी। उन्होंने कहा दुनिया में अगर सबसे ज्यादा महंगाई की मार कहीं है तो हमारे भारत देश में है। रुपए के मुकाबले डॉलर का अवमूल्यन किया। ये मोदी का सबसे बड़ा अचीवमेंट है। नरेंद्र मोदी यह बताने में असमर्थ हैं कि दुनिया में सबसे बड़ा कर्जदार देश हमारा क्यों है। हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और अधिकारों को दुनिया में क्रिटिसिज्म किया जा रहा है, इसके लिए दोषी कौन है। अभय ने कहा कि भाजपा यह बताने में भी असमर्थ रही कि मोदी गारंटी की जब बात करते हैं तो वह जो बोलते हैं वह करते ही नहीं हैं। यह मोदी की गारंटी है। 3100 रुपए धान का समर्थन मूल्य देने का बोला था, नहीं हुआ। 2700 रुपए का गेहूं बोला था, नहीं हुआ। मोदी ने गारंटी दी थी कि बहनों को 3000 रुपए प्रतिमाह देंगे, नहीं हुआ। किसानों की आय दोगुनी होगी, नहीं हुई। इस देश में मोदी ने जो बोला, झूठ बोला मोदी की गारंटी झूठ की गारंटी है। मीडिया से रूबरू होते हुए अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा जिनको राशन दे रही है, उन 80 करोड़ लोगों को गरीब भी भाजपा ने ही बनाया है। भाजपा ने देश के 84 फीसदी बच्चों को बेरोजगार बना दिया, जिनमें से अधिकतर अपने माता-पिता की जमीन बिकवा कर विदेश चले गए है और जो बचे हैं उनमे से भी अधिकतर आज घरों में नशा कर रहे हैं। इस देश में पाकिस्तान और बांग्लादेश से ज्यादा महंगाई कर दी गई है। हमारे देश में डॉलर और रुपए का जो अवमूल्यन हुआ है,आज तक के इतिहास में सबसे ज्यादा है। देश में 10 फीसदी लोगों के पास 90 फीसदी संपत्ति पहुंच गई है और 90 फीसदी लोगों के पास 10 फीसदी संपत्ति बची है।

अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने स्कूल बसों की जांच के दिए निर्देश

जालंधर। स्कूल बसों में सफर करने वाले बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर एवं सचिव आरटीए मेजर डॉ. अमित महाजन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्कूल बसों की जांच करने के निर्देश दिए। यहां जिला प्रशासकीय परिसर में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि स्कूल बसों के पास फिटनेस सर्टीफिकेट होना चाहिए। बस में सिटिंग सामर्थय से ज्यादा बच्चे न बैठे हो। बस चालक के पास वैध लाइसेंस और बस में स्पीड गवर्नर चालू स्थिति में होना चाहिए। उन्होंने सुरक्षित स्कूल वाहन योजना का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की बात कही। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उक्त बातों का उल्लंघन पाए जाने पर स्कूल बस का चालान करने, बस को जब्त करने सहित उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।उन्होंने ट्रांसपोर्ट एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों से कहा कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बसों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और प्रतिदिन कार्रवाई रिपोर्ट भेजना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी एस.डी.एम. को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में स्कूल बसों की नियमित जांच करने के भी निर्देश दिए।

राष्ट्र प्रथम की भावना से बना है मोदी की गारंटी वाला संकल्प पत्र

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में राष्ट्र प्रथम की भावना है। मोदी की गारंटी वाला संकल्प पत्र देश के हर वर्ग और हर व्यक्ति को ध्यान में रखकर बनाया गया है। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल गुरुग्राम के एक होटल में भाजपा के संकल्प पत्र पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। यहां संकल्प पत्र के हरेक प्वाइंट्स को अच्छे से रखा और पत्रकारों के हर सवाल का जवाब बेबाकी से दिया।

सबसे पहले मनोहर लाल ने भाजपा के संकल्प पत्र का उद्देश्य पत्रकारों के सामने रखते हुए कहा कि मोदी की गारंटी वाले संकल्प पत्र का लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। भाजपा ने दस साल के शासन के दौरान हर व्यक्ति और हर परिवार की चिंता की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के संकल्प पत्र में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी आदि चारों वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने का वादा किया है। पूर्व सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के करिश्माई नेतृत्व के कारण विश्व में भारत की साख बढ़ी है। अब तो देश और दुनिया में मोदी है तो मुमकिन

भाजपा को देश के हर व्यक्ति और हर परिवार की चिंता है : मनोहर लाल

देश-दुनिया में लग रहा है मोदी है तो मुमकिन का नारा : मनोहर लाल

का नारा लग रहा है। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में जनता के विकास का संकल्प है। 10 सालों से जो योजनाएं बनी हैं वे आगे भी निरंतर जारी रहेंगी। कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस ने कभी 370 को हटाने की बात तक नहीं की। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की, लेकिन मुस्लिम महिलाओं के सम्मान की बात कभी नहीं की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने तीन तलाक समाप्त कर मुस्लिम बहनों को न्याय देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा-370 को चुटकियों में हटा दिया। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य

मंदिर बनाकर समाज की 500 साल पुरानी इच्छा को पूरा किया है।

भाजपा के संकल्प पत्र पर बोलते हुए मनोहर लाल ने कहा कि हमारा ज्यादा जोर फूड प्रोसेसिंग पर है। अनाज खराब ना हो इसके लिए ज्यादा से ज्यादा भंडाकरण करने की व्यवस्था की जाएगी। मोटे अनाज पर भारत का फोकस है। पूर्व सीएम ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने महिलाओं के जीवन को सरल और समृद्ध करने की दिशा में काम किया है। उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर और हर घर नल से जल पहुंचाकर जहां महिलाओं का जीवन सरल किया, वहीं एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया। मनोहर लाल ने कहा कि अब अगले पांच सालों में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य मोदी जी ने लिया है।

मनोहर लाल ने कहा कि मोदी सरकार का अगला संकल्प घर-घर में गैस पाइपलाइन पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत की आर्थिक व्यवस्था 11वें नंबर पर थी। पीएम मोदी के नेतृत्व में अब पांचवे स्थान पर है। मोदी का लक्ष्य अगले पांच सालों में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाना है।

कांग्रेस द्वारा की गई घोषणाओं पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस की बातों पर अब जनता विश्वास नहीं करती। कांग्रेस झूठ और प्रलोभन के सहारे सत्ता में आने का प्रयास कर रही है, लेकिन जनता उनके प्रयास को सफल नहीं होने देगी। मनोहर लाल ने कहा कि हर नागरिक की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करना ही मोदी का मिशन है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी पर देश को विश्वास है। मोदी की गारंटी को आधार बनाकर अगले पांच साल क्या करना है, इसकी योजना संकल्प पत्र में है। पूर्व सीएम ने कहा कि 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन, आयुष्मान भारत योजना की सुविधा, ग़रीबों को घर, किसानों को सम्मान निधि जैसी योजनाएं मोदी की गारंटी हैं और यह आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि 70 साल का बुजुर्ग चाहे वह किसी भी वर्ग का हो उसके 5 लाख रुपये तक के निशुल्क इलाज की गारंटी दी है। मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा का संकल्प, भारत को फूड प्रोसेसिंग हब बनाने का है।

इससे वैल्यू एडीशन होगा, किसान का फायदा बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। ये फूड प्रोसेसिंग प्लांट्स, रूरल इकॉनॉमी के नए ग्रोथ इंजन बनेंगे। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में पीएम मोदी ने फसलों की एमएसपी में वृद्धि और किसान सम्मान निधि योजना जारी रखने का भी वादा किया है।

पूर्व सीएम मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का है। संकल्प पत्र में मोदी ने देश में नए-नए सैटलाइट टाउन्स बनाने का संकल्प लिया है जो देश के विकास का ग्रोथ सेंटर बनेंगे, रोजगार के नए अवसर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 10 सालों में मोदी सरकार ने 4 करोड़ घर बनाकर गरीबों को दिए और आगे भी 3 करोड़ घर गरीबों देने का वादा संकल्प पत्र में किया है।

संकल्प पत्र में पीएम मोदी ने भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की गारंटी दी है। वर्ल्डक्लास रेलवे स्टेशन, नए एयरपोर्ट, हाईवे, मेट्रो के विस्तार की योजना है। भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने और आत्मनिर्भर भारत बनाने का मोदी सरकार का वादा है। उन्होंने कहा कि अभी तक डबल इंजन सरकार ने सिलेंडर घर-घर पहुंचाए हैं। अब पाइप से सस्ती रसोई गैस घर-घर पहुंचाने के लिए तेजी से काम किया जाएगा। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो कहा वो किया। 2024 के संकल्प पत्र में किए हुए दावे को भी मोदी जी गारंटी के साथ पूरा करेंगे। भारत आत्मनिर्भर भी बनेगा और विकसित भी बनेगा। इस अवसर पर प्रदेश के मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता जवाहर यादव, जिला अध्यक्ष कमल यादव, सोशल मीडिया प्रमुख अरुण यादव, जिला मीडिया प्रभारी गजेंद्र गुप्ता, सह प्रभारी पवन यादव, नेहा अग्रवाल एवं नीरज कुमार भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पोल्ट्री फार्म से बाजरा चोरी करने के आरोप दो गिरफ्तार

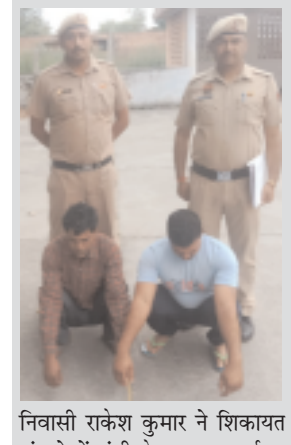

जगाधरी। पुलिस प्रवक्ता चमकौर सिंह ने पायनियर जिला संवाददाता तरुण शर्मा को जानकारी देते हुए बताया कि थाना बिलासपुर की पुलिस टीम ने एक पोल्ट्री फार्म से चौकीदार द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बाजरे के कट्टों को मिनी ट्रक में लाद कर चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रबंधक राय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव संधाये निवासी राकेश कुमार ने शिकायत दर्ज करवाई कि वह लक्ष्य पोल्ट्री फार्म संधाये में मुंशी के पद पर कार्य करता है। पोल्ट्री फार्म के मालिक ने पोल्ट्री फार्म के अंदर फीड बनाने की मशीन लगाई हुई है। जो मुर्गियों के लिए फीड तैयार करते हैं। पोल्ट्री फार्म के मालिक ने मुर्गियों के लिए फीड तैयार करने के लिए करीब तीस टन बाजरा उत्तर प्रदेश से मंगाया था। दिनांक 13 अप्रैल को सुबह जब वह पोल्ट्री फार्म पर आया तो उसने देखा तो बाजरे के स्टॉक में से काफी कट्टे कम थे। उसने जब चौकीदार उत्तर प्रदेश के कन्नौज के गांव भाउखुर्द निवासी राजू पुत्र राम सेवक को इस बारे पूछा तो वह सही ढंग से नहीं बता सका। उसको शक था कि चौकीदार ने पोल्ट्री फार्म से बाजरे के कट्टे गाड़ी में लोड करवा कर चोरी करवा दिए हैं। इस सूचना पर मुख्य सिपाही राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए मुखबरी के आधार पर चौकीदार राजू को शिव चौक बिलासपुर से गिरफ्तार किया। पूछताछ पर चौकीदार राजू ने बताया कि उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बाजरे के कट्टे को मिनी ट्रक में भरकर चोरी करवा दिया था। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बिलासपुर अनाज मंडी से बाजरे के कट्टों से भरे हुए मिनी ट्रक को काबू किया। ट्रक में लदे बाजरे के कट्टों को बरामद किया गया। ट्रक के चालक करनाल के बसंती कॉलोनी कुंजपुरा निवासी सुनील कुमार पुत्र रिशिपाल को गिरफ्तार किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रबंधक राय सिंह ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पर्चियों की समस्या के लिए हेल्पलाइन पर करें संपर्क

सोनीपत। दी सहकारी चीनी मिल सोनीपत के प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने कहा कि चीनी मिल का पिराई सत्र अपने अंतिम दौर में चल रहा है, जिसके लिए मिल के गन्ना विभाग द्वारा खुली खरीद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मिल द्वारा जारी की जा रही पर्चियों को लेकर किसी किसान को कोई समस्या आ रही है तो वह चीनी मिल के हेल्पलाइन नंबर 9728310005 या फील्ड स्टाफ व गन्ना विभाग से संपर्क कर अपनी पर्चिया 18 अप्रैल तक सायं 04 बजे तक प्रप्त कर लें। प्रबंध निदेशक ने कहा कि 18 अप्रैल के बाद मिल द्वारा कोई भी पर्ची जारी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मिल द्वारा निर्धारित पर्ची की मात्रा से 50 प्रतिशत अधिक गन्ना भी लिया जा रहा है। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि मिल में ताजा, साफ व अगोला रहित ही गन्ना सप्लाई करें, ताकि मिल की चीनी रिकवरी प्रभावित न हो। इसके अलावा अपनी लेबर का उचित प्रबंध करके अपना गन्ना समय पर मिल में सप्लाई करें।

घटता लिंगानुपात समाज के लिए चिंता का विषय है: विनिता

कैथल। पूंडरी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास

परियोजना अधिकारी विनीता पंवार ने की। विनीता पंवार ने महिलाओं को बेटा बेटी में भेदभाव न करने बारे समझाया। उन्होंने कहा कि घटता लिंगानुपात समाज के लिए चिंता का विषय है। कभी भी अकेले बेटे से वंश नहीं चलता। लिंगानुपात समान होना जरूरी है। इस दौरान अपनी बेटी हमारी बेटी के प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। दूसरी बेटी के जन्म पर माताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित बेटियों का जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत जागरूकता रैली भी निकल गई। रैली में सुपरवाइजर निशा शर्मा, सभी आंगनवाड़ी वर्कर, स्कूल की बच्चियां और महिलाएं शामिल रहीं।

बैशाखी पर्व पर शहीदों को किया याद

कैथल। आरकेएसडी महाविद्यालय संध्याकालीन सत्र के सभागार में इतिहास विभाग द्वारा वैशाखी के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने जलियांवाला बाग हत्याकांड पर एक नाटक का मंचन किया। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने 1857 की क्रांति के बाद के सभी स्वतंत्रता सैनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और जलियांवाला बाग की सजीव प्रस्तुति दी और उसके बाद उत्पन्न हुई परस्थितियों का भी चित्रण कर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की फांसी के दृश्य का मंचन हुआ।

जोनल इंटर कॉलेज खो खो प्रतियोगिता हुई

पानीपत। राजकीय कॉलेज इसराना में सोमवार को केयूके के तत्वाधान में हुई जोनल इंटर कॉलेज खो खो प्रतियोगिता में ताऊ देवीलाल कॉलेज सिवाह की टीम ने प्रथम रह कर प्रतियोगिता पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के शुभारंभ पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मपाल जागलान ने बतौर मुख्यातिथि शामिल हो कर खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. बलिंद्र गुलिया ने की व संचालन सहायक प्रोफेसर प्रवीण कुमार ने किया। इस मौके पर मुख्यातिथि धर्मपाल जागलान ने कहा कि युवाओं ने शिक्षण के साथ साथ खेलों में भी भागीदारी करनी चाहिए। प्राचार्य डॉ बलिंद्र गुलिया ने कहा कि केयूके द्वारा पानीपत इंटर कॉलेज खो खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता में ताऊ देवीलाल कॉलेज सिवाह की टीम प्रथम, राजकीय कॉलेज इसराना की टीम द्वितीय व गुरु ब्रम्हानंद गर्ल्स कॉलेज अंजनथली करनाल की टीम तृतीय रही। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्यातिथि धर्मपाल जागलान व प्राचार्य डॉ. बलिंद्र गुलिया ने विजेता टीमों को सम्मानित किया। इस मौके पर सहायक प्रोफेसर डॉ. रीति गुप्ता, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ मुकेश देशवाल, डॉ ममता गुलिया, कुलबीर कादियान, डॉ प्रतीक मोर, डॉ नसीब अहलावत, डॉ संगीता आदि मौजूद थे।

एक ही छत के नीचे पीड़ित महिलाओं के लिए न्याय की सुविधा

सोनीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन सोनिया अग्रवाल ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से सभी जानकारी प्राप्त करते हुए उन्हें निर्देश दिए कि यहां पर आने वाली सभी महिलाओं को जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाएं, ताकि वो अपने आप को कमजोर न समझे। वाइस चेयरपर्सन ने कहा कि विभाग द्वारा वन स्टोप सेंटर को स्थापित करने का यही उद्देश्य है कि यहां एक ही छत के नीचे पीड़ित महिलाओं को न्याय की सुविधा प्रदान की जाती है। यहां पीड़िताओं के पांच दिन तक ठहरने की व्यवस्था भी की जाती है। उन्होंने कहा कि वन स्टोप सेंटर के माध्यम से घरेलू हिंसा, दहेज, यौन उत्पीडऩ, बाल विवाह इत्यादि मामलों का समाधान करवाया जाता

महिला हैल्पलाइन 181 पर फोन कर लें सहायता

है। उन्होंने पीड़िताओं का आह्वान किया कि वे चुपचाप अत्याचार को सहन न करें। अपितु उसके खिलाफ आवाज उठायें। उनकी आवाज को वन स्टोप सेंटर के माध्यम से उठाया जाएगा। यह सेंटर पूरी तरह से लड़कियों, महिलाओं की सहायता के लिए समर्पित है। वाइस चेयरपर्सन ने कहा कि विभाग द्वारा पीड़िताओं के लिए महिला हैल्पलाईन 181 भी जारी किया गया है। इस हैल्पलाईन पर किसी भी समय फोन करके सहायता ली जा सकती है। वन स्टोप सेंटर में भी पीड़िताओं को पुलिस व कानूनी सहायता दी जाती है। साथ ही काउंसलिंग भी की जाती है।

नशा मुक्त हो भारत मेरा ऐसी सोच बनाएं युवा : उप निरीक्षक डॉ. अशोक

कविता के माध्यम से नशा मुक्त अभियान का संदेश देती छात्राएं

सोनीपत। नशा मुक्त होगा हरियाणा अरै मिलकर सारे जोर लगाना। ये शब्द हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरुकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थीयो को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए कहे।

वे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुरथल में पहुंचे हुए थे। विद्यालय में 212 विद्यार्थियों ने भाग लिया। तत्पश्चात वे राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुरथल में पहुंचे। यहां पर 340 छात्राओं ने भाग लिया। बता दें कि हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के आदेशानुसार नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने प्रतिबंधित नशे की रोकथाम बारे विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि स्वापक औषधी एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के अंतर्गत नशीले पदार्थों का सेवन क्रय विक्रय तस्करी उत्पादन परिवहन आदि पूर्ण रूप से निषेध है।

एसआरडी स्कूल में धूमधाम से मनाई अंबेडकर जयंती

कैथल। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती एसआरडी स्कूल प्रताप गेट कैथल में प्रेम सिंह जांगड़ा की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाई गई। इसका आयोजन हर वर्ष की तरह इस बार भी एससी, बीसी एकता मंच कैथल द्वारा किया गया। सबसे पहले मुख्य अतिथि व गणमान्य लोगों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस समारोह में बाबा साहब की जीवनी पर बच्चों व गायकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सभी कक्षाओं में अव्वल आने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया।

भारत रत्न बाबा साहब के बताए रास्ते पर चलकर जनकल्याण के काम कर रही भाजपा : भाजयुमो जिलाध्यक्ष निश्चल चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। जगाधरी

भाजयुमो जिला अध्यक्ष निश्चल चौधरी ने भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर विधानसभा जगाधरी के अंतर्गत गांव तिहानो, चंगनोली, शिवपुरी सोसाइटी व जगाधरी शहर वार्ड संख्या पांच मांडखेड़ी की टपरीयां सहित बहुत से स्थानों में आयोजित कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की व भारत रत्न बाबा साहब जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष निश्चल चौधरी ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि बाबा साहब एक महान व्यक्तित्व थे, संविधान में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनसे आज भी युवा प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा की केंद्र व हरियाणा राज्य की भाजपा सरकार बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के बताए रास्ते पर चल रही है। बाबा साहब के बनाए संविधान के कारण ही हम सभी आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं, भाजयुमो जिलाध्यक्ष निश्चल चौधरी ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने पिछले लगभग 10 सालों में अपने सभी वादे पूरे किए हैं। जबकि कांग्रेस ने अपने कई दशकों के शासनकाल में जनता की कभी सुध नहीं ली। कांग्रेस ने केवल गरीब को और गरीब किया। कांग्रेस ने न कभी किसानों की परवाह की और न ही युवाओं की। महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके सम्मान की कभी भी कांग्रेस ने चिंता नहीं की। हर वर्ग की उपेक्षा के कारण आज कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि कांग्रेस को हरियाणा प्रदेश में अभी तक भी लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं।

इस दौरान वाइस चेयरमैन मनोज पंजेटा, मंडल महामंत्री जगदीश धीमान, प्रवेश धीमान, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राहुल गढ़ी, रोबिन चौधरी जगाधरी, काला राम सलेमपुर, संजीव फेरूवाला, अजय मंगला टोनी, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग सहित बहुत से भाजपा कार्यकर्ता साथ रहे।

भाजपा के संकल्प पत्र में विकसित भारत का दृढ़ संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। जगाधरी

भाजपा ने दिल्ली में अपना संकल्प पत्र जारी किया, तो हरियाणा प्रदेश में कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने संकल्प पत्र की खूबियां जनता के सामने रखी। कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा का यह संकल्प पत्र विकसित भारत का दृढ़ संकल्प है।

केबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहले जो कहा था वो सब करके दिखाया और अब जो संकल्प पत्र में कह रहे हैं, मोदी जी के नेतृत्व में वह भी शत-प्रतिशत करके दिखाएंगे।

गरीब का कल्याण लगातार होता रहेगा, युवाओं के सपने आगे भी मजबूती के साथ पूरे करेंगे। कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के कल्याण का संकल्प दोहराया है। जिसे तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद शत-प्रतिशत पूरा किया जाएगा, कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र नाम दिया है।

संकल्प पत्र में युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों पर ध्यान केंद्रित : जिसकी थीम 2047 तक विकसित भारत बनाने की मोदी की गारंटी पर आधारित है। केबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि कोरोना काल से जो फ्री राशन वितरण की योजना चल रही है, वह आगे भी जारी रहेगी। गरीबों को पोषणयुक्त भोजन मिले, यह मोदी सरकार की योजना है। भाजपा सरकार की कोशिश है कि गरीबों की थाली पोषण युक्त और संतोषयुक्त हो।

वैश्य भवन के बाद महाराजा अग्रसेन मल्टी स्पेशिलिटी अस्पताल का संकल्प लिया : शम्मी बंसल

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

सेक्टर-8, स्थित वैश्य भवन चेरिटेबल ट्रस्ट करनाल के तत्वावधान में निर्मित महाराजा अग्रसेन भवन के विशाल आगार का शुभ मुहूर्त मे मंत्रोच्चार व हवन से विधिवत लोकार्पण किया गया। समारोह में करनाल शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों व महिला शक्ति ने बडी संख्या में भाग लिया व अपनी आहूति समर्पित की। संस्था के प्रधान व लिबर्टी ग्रुप केएमडी शम्मी बंसल ने अपने संबोधन में बताया कि इस भवन मँ पूर्ण सुसज्जित वातानुकूलित पांच हाल, 20 कमरे, पुस्तकालय, व्यायामशाला, व पूर्णतया शाकाहारी भोजनालय की व्यवस्था की गई है,जो कि आम जनमानस को उचित शुल्क पर उपलब्ध कराये जायेंगे।

इस भवन का निर्माण समाज के सदस्यों ने अपनी स्वेच्छापूर्वक दान देकर किया है। इस भवन का निर्माण वैश्य समाज के मुखिया शम्मी बंसल की टीम के प्रयासों तथा वैश्य समाज के सहयोग से बन कर तैयार हुआ। इस अवसर पर वैश्य समाज के मुखिया शम्मी बंसल ने कहा कि अब समाज करनाल में मल्टी स्पेशिलिटी महाराजा अग्रसेन अस्पताल का

समारोह का समापन भोजन व प्रसाद वितरण से किया गया।

निर्माण करेगी। जहां सभी को बेहतर से बेहतर और अत्याधुनिक इंटरनैशनल माप दंडों पर आधारित उपचार मुहैया करवाया जाएगा। एक छत के नीव सभी तरह की सर्जरी, परीक्षण, और हर तरह की बीमसरी के इलाज खास तौर पर कैंसर की उपचार सुविधा भी मुहैया कर्रवाई जाएगी। उनके साथ इस प्रोजेक्ट के सचिव डा. पी के जैन महत्वपूर्ण भमिका निभाते रहे हैं। 2009 में इस प्रोजेक्ट की शुरूआत शम्मी बंसल डा. पीके जैन स्वर्गीय दीपक गोयल,कृष्ण गर्ग सहित समाज के प्रबुद्ध जनों ने शुरू की। 2018 में कृष्ण गर्ग के सहयोग से तथा लिबर्टी के एमडी शमी बंसल के प्रयासों से तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अनुग्रह से जमीन मिली। उसके छह सालों बाद यह भवन बन कर तैया हो गया। लोकार्पण समारोह में सर्व सोम लाल नोहरिया,डॉ पी सी गुप्ता, रतन लाल बंसल, ब्रिज गर्ग, डॉ. पीके जैन, राजीव गुप्ता, जगमाल गुप्ता, राजेश गोयल, हेमराज मितल, सुरेन्द्र जैन, प्रवीण बंसल, प्रदीप बंसल, डॉ वी के सिंगला, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ राम अवतार मितल, अंकुर गुप्ता, नरेंद्र गोयल, शशिभूषण गुप्ता, रविंद्र अग्रवाल, रमेश जिंदल, विजय जिन्दल, विनोद गुप्ता, पंकजमणि गोयल, भूषण गोयल, सत्य पाल बंसल, मनोज मितल, पुनीत मितल, ओपी गर्ग, जय नारायण गर्ग, सतीश गोयल, संजय गुप्ता, कीर्ति करण गोयल, संदीप गोयल, अभिनव सिंगला, नीरज अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

प्ले स्कूल में तीन से पांच वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कोई फीस नहीं ली जाती

कैथल। गांव सिलाखेड़ा में चल रहे प्ले स्कूल में स्कूल रेडीनेस मेले का आयोजन किया गया। प्ले स्कूल में बच्चों के प्रवेश भी किए गए। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी शशि बाला व सुपरवाइजर आशु ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्ले स्कूल में कोऑर्डिनेटर विक्रम व नवीन सिंह ने शिरकत की। मौके पर गांव की वर्कर सुमन, परमजीत, विमल भी उपस्थित रही। मौके पर आए बच्चों के अभिभावकों को प्ले स्कूल की विजिट करवाई गई। आपको बता दें कि तीन से 5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्ले स्कूल में कोई फीस नहीं ली जाती। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्ले स्कूल में बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से सिखाया जाता है।

महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कैथल ग्रामीण शशि बाला द्वारा प्ले स्कूल में भरपूर सहयोग किया जा रहा है और लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सुपरवाइजर आशु ने भी अभिभावकों सर्वांगीण विकास बारे जानकारी दी।

वैन चालक क्षमता से ज्यादा बच्चे न बैठाएं : ट्रांसपोर्ट विभाग

स्कूलों में बच्चों को ले जाने वाले वैन संचालकों से बातचीत करते राजीव जैन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

कनीना (महेंद्रगढ़) में बस हादसे के बाद ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा स्कूलों में बच्चों को ले जाने वाले वैन संचालकों पर कसे जा रहे शिकंजे से परेशान सैंकड़ों वैन चालकों ने मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन से भेंट कर अपनी परेशानियां बताई। राजीव जैन ने ट्रांसपोर्ट मंत्री असीम गोयल तथा विभाग के अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर नाजायज परेशान ना करने का आग्रह किया। ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वैन चालक वैन में 20-20 बच्चों को बैठाकर ले जाते हैं, जबकि वैन की क्षमता 6 -7 बच्चों की है, ऐसे में हादसों का खतरा बना रहता है। अधिकारियों ने कहा कि क्षमता से ज्यादा बच्चे न बैठाएं तो हमें कोई परेशानी नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि ज्यादातर वैन सीएनजी गैस से चलती हैं और बच्चों को सीएनजी गैस सिलेंडर के उपर बैठा दिया जाता है, जोकि खतरे से खाली नहीं है। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि वह किसी को नाजायज परेशान नहीं करेंगे। इस पर वैन चालकों ने कहा कि क्षमता से ज्यादा बच्चे बैठाना हमारी मज़बूरी है, अन्यथा हमें फ्री में ही सेवा करनी पड़ेगी। वैन चालकों ने कहा कि बच्चों को मां-बाप भी समय से पहले स्कूल भेजने से कतराते हैं अन्यथा हम एक-दो चक्कर भी करने को तैयार हैं।

समुद्र में दुष्ट लहरें, जितना सोचा था, उससे कहीं अधिक आम हैं : नया अध्ययन

एजेंसी। मेलबर्न

हमने उद्वेलित समुद्र में उत्पन्न होने वाली विशाल लहरों की हरकतों का अध्ययन करने के लिए त्रि-आयामी इमेजिंग का उपयोग किया। इन्हें दुष्ट लहरों के रूप में जाना जाता है। हमारे परिणाम अब फिजिकल रिव्यू लैटर्स में प्रकाशित किए गए हैं। दुष्ट लहरें समुद्र की विशाल बहुत विशाल लहरें होती हैं - अपने आसपास की लहरों से दोगुनी ऊंची - जो कहीं से भी प्रकट होती हैं। दस मंजिला इमारतों जितने ऊँचे पानी के अकल्पनीय पहाड़ों की कहानियाँ सदियों से समुद्री लोककथाओं और साहित्य में व्याप्त हैं।हाल की तकनीक ने वैज्ञानिकों को समुद्र में लहरों का पता लगाने में सहायता दी है, जिससे किंवदंती वास्तविकता बन गई है। पहला और सबसे प्रसिद्ध माप ड्रापनर लहर का था, जो। जनवरी 1995 को उत्तरी सागर में 25.6 मीटर का राक्षस दर्ज किया गया था। अवलोकनों के बावजूद, हम अभी भी नहीं जानते कि दुष्ट लहरें कितनी बार उठती हैं, या क्या हम उनकी भविष्यवाणी कर सकते हैं। दुष्ट लहर के रिकॉर्ड में ऐसी कोई खास विशेषताएं शामिल नहीं होती हैं, जो इसे इसके चारों ओर के समुद्र को अलग करती हैं, इसलिए हम तुलना नहीं कर सकते हैं या इसके बनने के लिए जरूरी आवश्यक स्थितियों की भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं। हमारी टीम दक्षिणी महासागर में दुष्ट लहरों का पीछा करने के लिए दक्षिण अफ्रीकी आइसब्रेकर एस.ए. अगुलहास-द्वढ्ढ पर खाना हुई, जहां शक्तिशाली हवाएं पृथ्वी की सबसे भयंकर लहरों को आकार देती

हैं। दुष्ट लहरें क्या पैदा करती हैं?

समुद्री लहरों की बेतरतीब गतिविधियों में, बहुत से कारक इन दुष्ट लहरों को जन्म देते हैं। एक प्राथमिक स्रोत में एक ही स्थान और समय पर कई लहरों का एक के ऊपर एक बनना शामिल होता है। इसके परिणामस्वरूप संकेंद्रित ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे लंबी तरंगें उत्पन्न होती हैं।निरंतर समान समुद्री परिस्थितियों में, इस तरह से उत्पन्न होने वाली दुष्ट लहरें एक निर्धारित स्थान पर हर दो दिन में एक बार हो सकती हैं। लेकिन महासागर गतिशील है, इसलिए स्थितियाँ शायद ही लंबे समय तक एक जैसी रहती हैं - जिससे दुष्ट लहरों के उत्पन्न होने की संभावना कम हो जाती है। लंबे और तीव्र तूफानों के दौरान भी लहरों का ओवरलैप न्यूनतम या अस्तित्वहीन हो सकता है। संख्यात्मक और प्रयोगशाला अध्ययनों से पता चलता है कि तेज हवाएं भी दुष्ट लहरों के विकास में योगदान करती हैं, क्योंकि वे पहले से ही ऊंची लहरों पर अधिक दबाव डालती हैं। लेकिन दुष्ट लहर विश्लेषण में हवा पर शायद ही कभी विचार किया गया हो।

शक्तिशाली लहरें एक दूसरे को बढ़ाती हैं

महासागर की लहरें पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली प्राकृतिक शक्तियों में से एक हैं और जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में और भी अधिक शक्तिशाली हो सकती हैं। यदि तरंग क्षेत्र में अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा होती है - जब लहरें तीव्र होती हैं और उनमें से अधिकांश का आयाम, लंबाई और दिशा समान होती है - तो एक अन्य तंत्र दुष्ट लहरों के निर्माण को गति प्रदान कर सकता है। इस तंत्र में लहरों के दरम्यान ऊर्जा का आदान-प्रदान शामिल होता है जो स्व-प्रवर्धन उत्पन्न करता है, जहां एक लहर अपनी साथ वाली लहरों के सहारे असंगत रूप से बढ़ती है। सैद्धांतिक रूप से, अध्ययनों से पता चलता है कि इससे दुष्ट लहरों की संभावना दस गुना बढ़ सकती है।यह स्व-प्रवर्धन व्हाइटकैप्स के रूप में प्रकट होता है जो लहरों की झागदार शिखाएँ होती हैं। हालांकि अब तक इसका कोई सबूत नहीं है कि यह समुद्र में दुष्ट लहरों के उठने की संभावना को बढ़ा सकता है। हाल के प्रयोगों से पता चलता है कि हवा दुष्ट लहरों जैसी चरम घटनाओं को और अधिक सामान्य बना सकती है।

उप्र : निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से दो मजदूरों की मौत, 17 घायल

एजेंसी। मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर में एक निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि यह घटना जानसठ थाना क्षेत्र के तालदा गांव में रविवार को हुई। तब मजदूर घर के अंदर काम कर रहे थे।फंसे हुए सभी 19 मजदूरों को बाहर निकाला गया। इनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया, बाकी 17 का अस्पताल में इलाज चल रहा है।पुलिस ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।अपर पुलिस महानिदेशक डीके ठाकुर ने पत्रकारों को बताया कि मृतकों की पहचान मोहित (30) और पीयूष (28) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान देर रात तक चला और फंसे हुए सभी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया।घटना पर संज्ञान लेते हुए रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को घायलों का सर्वोत्तम संभव इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

ममता ने निर्वाचन आयोग पर लगाया भाजपा के लिए कार्य करने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। कूच बिहाराअलीपुरद्वार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पक्ष लेने के लिए निर्वाचन आयोग की आलोचना की और चेतावनी दी कि यदि राज्य में एक भी दंगा हुआ तो वह आयोग के कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल शुरू कर देंगी। अलीपुरद्वार में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारे पर मुर्शिदाबाद के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) को हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आज भी, केवल भाजपा के निर्देश पर मुर्शिदाबाद के डीआईजी को बदल दिया गया। अब अगर मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे होते हैं, तो जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की होगी। भाजपा दंगे और हिंसा भड़काने के लिए पुलिस अधिकारियों को बदलना चाहती है। अगर एक भी दंगा होता है, तो इसके लिए निर्वाचन आयोग जिम्मेदार होगा क्योंकि वे यहां कानून-व्यवस्था की देखभाल कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह 55 दिन तक निर्वाचन आयोग कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल करेंगी। उन्होंने कहा, अगर मैं (सिंगुर में भूमि अधिग्रहण विरोधी प्रदर्शन के दौरान)किसानों के लिए 26 दिनों तक अनशन कर सकती हूं, तो मैं आपके कार्यालय के बाहर 55 दिनों तक भूख हड़ताल भी कर सकती हूं। बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को जेल भेजने की धमकी देने के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा, मैं देखूंगी कि आपके पास कितनी जेल हैं। आपके पास कितने पुलिसकर्मी हैं? आप कितने लोगों को पीटेंगे? मुझ पर कई बार हमला हुआ है। मुझे पता है कि कैसे लड़ना है। मैं कायर नहीं हूं। दिन में इसके पहले कूच बिहार में एक रैली को संबोधित करने के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयकर अधिकारियों को उन हेलीकॉप्टर की जांच करने की चुनौती दी, जिनका इस्तेमाल चुनाव प्रचार करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता कर रहे हैं। ममता का यह बयान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उस दावे को लेकर उपजे विवाद के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि पार्टी नेता अभिषेक बनर्जी द्वारा इस्तेमाल किए गए हेलीकॉप्टर को निशाना बनाकर आयकर अधिकारियों द्वारा छापा मारा गया। मुख्यमंत्री ने कहा, आयकर अधिकारियों ने छापेमारी की और परीक्षण (ट्रायल रन) से पहले अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। उन आयकर अधिकारियों ने दावा किया कि उनके पास सूचना थी कि हेलीकॉप्टर में पैसा और सोना है, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। हम इस तरह की गतिविधियों में लिप्त नहीं रहते। उन्होंने कहा, यह भाजपा है, जो इस तरह की चीजों में शामिल है।

झारखंड के चतरा में चार नक्सली गिरफ्तार

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में सोमवार को चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन की अगुवाई में एक विशेष जांच दल ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) से अलग हुए एक समूह तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के सदस्यों को पिपरवार थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडे ने बताया कि नक्सलियों के पास से जब्त किए गए सामान में अमेरिका निर्मित दो पिस्तौल, दो मैगजीन और कारतूस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए नक्सलियों की पहचान मासी तिग्गा (29), विफा ओरांव (25), विकास ओरांव (22) और किरण नागरवाल (42) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली टंडवा और पिपरवार थाना क्षेत्रों के अलावा रांची जिले के खलारी, मैक्लुस्कीगंज, बुढ़मू तथा रातू थाना क्षेत्रों में खनन व बुनियादी ढांचे से संबंधित कार्यों से जुड़े व्यवसायियों से जबरन वसूली में शामिल थे।

जद (एस) नेता कुमारस्वामी ने महिलाओं के संबंध में दिए गए बयान पर खेद जताया

एजेंसी। बेंगलुरु

जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी.कुमारस्वामी ने सोमवार को ग्रामीण महिलाओं को लेकर की गई अपनी टिप्पणी के लिए खेद व्यक्त किया, लेकिन साथ ही दावा किया कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। कुमारस्वामी ने कथित तौर पर कहा था कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजना की वजह से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपना रास्ता भटक गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार पर उनके बयान को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने साथ ही रेखांकित किया कि हाल में कांग्रेस नेताओं ने भी महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा, मैंने क्या अश्लील टिप्पणियां की हैं? मैंने महिलाओं से निर्णय लेते समय सतर्क रहने और रास्ता नहीं भटकने के लिए कहा है... मेरा मतलब यह है कि गारंटी योजना के झांसे में आकर कांग्रेस को वोट न दें... इसको लेकर कांग्रेस ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का फैसला किया है। उनके पास मेरे खिलाफ बोलने के लिए और कुछ नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि महिलाओं का सम्मान करना उन्हें कांग्रेस से सीखने की जरूरत नहीं है। कुमारस्वामी ने कहा, मैं अब भी वही कह रहा हूं, जो मैंने उस दिन कहा था। मैंने उन्हें (महिलाओं को) आगाह किया और उनसे सावधानी से निर्णय लेने के लिए कहा क्योंकि वे (गारंटी के नाम पर कांग्रेस) आपकी आजीविका को नष्ट कर देंगे...। अगर मेरी टिप्पणी से कांग्रेस की महिला पदाधिकारियों को ठेस पहुंची है और अगर मेरे बयान से किसी को दुख पहुंचा है, तो मैं उसपर खेद व्यक्त करता हूं। जद (एस) नेता एवं मांड्या सीट से प्रत्याशी कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने विधानसभा के पटल पर स्वीकार किया था कि अतीत में वह भी रास्ता भटक गए थे और उनकी पत्नी ने उन्हें सुधारा और सही रास्ते पर लाया।उन्होंने कहा, अगर मेरे बयान से किसी महिला को ठेस पहुंची है, जो मेरा इरादा नहीं था, मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। यदि मेरी माताओं को ठेस पहुंची है, तो मैं प्रदेश की सभी महिलाओं के प्रति खेद व्यक्त करता हूं। उस दिन भी जब मैंने बोला, तो महिलाओं को माता के रूप में संबोधित किया, जबकि कांग्रेस के नेता अप्रिय टिप्पणियां करते हैं। कुमारस्वामी ने शनिवार को सवाल किया कि सरकार किसकी जेब से गारंटी योजनाओं का वित्तपोषण कर रही है? उन्होंने तुमकुरु में एक रोड शो के दौरान कहा, इस (राज्य) सरकार ने पिछले चुनाव में पांच गारंटी की घोषणा की थी, (जिसकी वजह से), गांवों में हमारी माताएं रास्ता भटक गईं। उन्हें यह सोचना चाहिए कि उनकी और उनके परिवारों की आजीविका का क्या होगा।

दिल्ली में रोडरेज की घटना में कैब चालक की गोली मारकर हत्या

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में लाल किले के समीप कथित तौर पर रोडरेज की एक घटना में एक कैब चालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई जबकि एक भिखारी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उन्हें एलएनजेपी हॉस्पिटल से रविवार देर रात एक बजकर 50 मिनट पर सूचना मिली कि जाकिर नगर निवासी मोहम्मद साकिब के साथ ही पलवल निवासी लवकुश (15) को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एम के मीणा ने बताया, पीसीआर कॉल मिलने के तुरंत बाद एक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। बाद में हमें सूचना मिली कि इलाज के दौरान साकिब की मौत हो गई। उसे पेट के ऊपरी हिस्से में गोली लगी थी। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि देर रात करीब 12 बजे कोडिया पुल से छत्ता रेल क्रॉसिंग जा रही कैब कथित तौर पर एक ई-रिक्शा से टकराई जिसके बाद कैब चालक और ई-रिक्शा चालक के बीच बहस हुई।उन्होंने बताया कि दो लोगों ने कैब चालक साकिब को जबरन उसकी गाड़ी से बाहर घसीटा।पुलिस अधिकारी ने कहा, जब आसपास से गुजर रहे लोग इकट्ठा होने लगे तो कैब चालक ने एक हमलावर को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद हमलावरों में से एक ने साकिब और एक अन्य व्यक्ति लव कुश पर गोली चलाई। लव कुश भीख मांग कर गुजारा करता है। डीसीपी ने बताया, आसपास इकट्ठा हुए लोग दोनों को एलएनजेपी अस्पताल लेकर गए। घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच की गई और भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास) और शस्त्र कानून की धारा 27 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। हम सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रहे हैं।

इस साल मानसून में देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना : आईएमडी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने अपने पूर्वानुमान में सोमवार को बताया कि इस साल मानसून के दौरान पूरे देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है।आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के तहत एक जून से 30 सितंबर के बीच मानसून ऋतुनिष्ठ वर्षा दीर्घावधि औसत (लॉंग पीरियड एवरेज ... एलपीए) का 106 फीसदी होने की संभावना है।महापात्र ने कहा कि आईएमडी अपने पूर्वानुमान में अल नीनो, ला नीनो, हिंद महासागर द्विध्रुव स्थितियां और उत्तरी गोलार्ध में बर्फीले आवरण संबंधी स्थिति के प्रभाव पर विचार करता है और यह सभी स्थितियां इस बार भारत में अच्छे मानसून के अनुकूल हैं।उन्होंने कहा कि उत्तर पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा वर्षा होने की बहुत संभावना है। महापात्र ने कहा कि 1971 से 2020 तक के बारिश के आंकड़ों के आधार पर हाल के वर्षों में नई दीर्घावधि औसत पेश किया गया है जिसके तहत एक जून से 30 सितंबर के बीच पूरे देश में औसतन 87 सेंटीमीटर बारिश होती है।

उन्होंने कहा कि अगर ऋतुनिष्ठ वर्षा दीर्घावधि औसत की 96 फीसदी से 104 प्रतिशत के बीच होती है तो वह सामान्य मानी जाती है।आईएमडी प्रमुख ने कहा कि दीर्घावधि औसत की 106 फीसदी बारिश सामान्य से अधिक की श्रेणी में आती है और अगर वर्षा दीर्घावधि औसत की 105 फीसदी से 110 फीसदी के बीच होती है तो इसे सामान्य से अधिक माना जाता है।

ओडिशा के मछुआरों ने मत्स्यन पर रोक की अवधि में 15 हजार रुपये प्रति माह मुआवजा की मांग की

एजेंसी। बेरहामपुर

ओडिशा ट्रेडिशनल फिश वर्कर यूनियन (ओटीएफडब्ल्यू) के बैनर तले राज्य के मछुआरों ने सोमवार से दो महीने तक मत्स्यन पर लगी रोक के लिए 15 हजार रुपए प्रति माह की दर से मुआवजा देने की मांग की है। ओडिशा सरकार ने मत्स्यन संसाधान के प्रभावी संरक्षण और प्रभावी प्रबंधन के लिए राज्य के पूरे तटीय इलाके में 15 अप्रैल से 14 जून तक मछली पकड़ने पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बताया कि इस 61 दिन की अवधि में मोटर चालित नौका, बड़ी नौकाओं और ट्रॉलर से समुद्र में मछली पकड़ने पर रोक रहेगी। हालांकि, इस अवधि में पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने वाली नौकाओं (8.5 मीटर तक लंबी नौकाओं से) से मत्स्यन की अनुमति होगी। समुद्री मत्स्यन अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंध के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए गंजाम जिले में मछुआरों के गांवों में समुद्र मित्र को शामिल करके जागरूकता फैलाई जा रही है।ओटीएफडब्ल्यूयू के महासचिव के अल्लेया ने कहा कि राज्य में अपनी आजीविका के लिए मत्स्यन पर निर्भर लगभग 1.50 लाख पारंपरिक मछुआरे समुद्र में मछली पकड़ने पर रोक लगाने से प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा, हम सरकार से मांग करते हैं कि प्रतिबंध की अवधि के दौरान प्रत्एक मछुआरा परिवार को 15 हजार रुपए प्रति माह की दर से मुआवजा दिया जाना चाहिए। संगठन ने महिला मछुआरों को लाभार्थियों की सूची में शामिल करने की मांग की क्योंकि वे भी नौकायन और मछलियों के परिवहन सहित अन्य मत्स्यन गतिविधियों में संलिप्त हैं। यूनियन के नेता ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने वाईएसआर मत्स्य भरोसा योजना के तहत मत्स्यन पर रोक की अवधि के दौरान हर पात्र मछुआरा परिवार को 10 हजार रुपए की घोषणा की है।

तमिलनाडु : अदालत ने पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ाई

चेन्नई। यहां की सत्र अदालत ने सोमवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी.सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन के एक मामले में जून 2023 में गिरफ्तार किया था। केंद्रीय पुझल कारागार में बंद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता बालाजी को अभियोजन पक्ष ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अली की अदालत के समक्ष पेश किया जिन्होंने उनकी न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक बढ़ा दी। इस बीच, न्यायाधीश बालाजी की उस याचिका पर बुधवार को आदेश सुनाएंगे जिसमें उन्होंने मामले से मुक्त करने की अर्जी पर दोबारा जिरह शुरू करने का अनुरोध किया है। इस मामले में उनकी ओर से दलील देने की अवधि 22 मार्च को समाप्त हो गई थी। बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय ने नौकरी के बदले नकदी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया है। बालाजी पर ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सरकार में परिवहन मंत्री रहते कथित घोटाला करने का आरोप है। बालाजी की अब तक कई याचिकाओं को अदालतें खारिज कर चुकी हैं।

रांची में पिकअप वैन और ट्रैक्टर की टक्कर में तीन महिलाओं की मौत

रांची। झारखंड के रांची जिले में सोमवार की सुबह सड़क पर बने डिवाइडर से टकराने के बाद एक पिकअप वैन की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई, जिससे उसमें (वैन में) सवार तीन महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा रातुचट्टी इलाके में हुआ। रातु पुलिस थाने के निरीक्षक शशिभूषण चौधरी ने बताया कि ए महिलाएं चैती छठ के मौके पर पूजा के लिए एक जलाशय की ओर जा रही थीं। उन्होंने बताया, तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

डेलावेयर के जनप्रतिनिधियों ने बैसाखी के मौके पर किया भांगड़ा

न्यू कैसल। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के गृह राज्य डेलावेयर के सात जनप्रतिनिधियों के एक समूह ने बैसाखी पर्व के मौके पर सिख समुदाय के साथ जुड़कर भांगड़ा नृत्य प्रस्तुत किया। सभी जनप्रतिनिधि परंपरागत पंजाबी पोशाक पहनकर आए थे। इस समूह में डेलावेयर सीनेट में बहुमत दल के नेता ब्रायन टाउनसेंड, सीनेट बहुमत दल की सचेतक एलिजाबेथ लॉकमैन, सीनेटर स्टेफनी हांसेन, सीनेटर लॉरा स्टुरगियोन और राज्य प्रतिनिध पॉल बॉमबैश, शैरी डोर्सी वॉकर और सॉफी फिलिप्स शामिल थीं। एक जनप्रतिनिधि के सहयोगी भी इस प्रस्तुति में समूह का हिस्सा बने।टाउनसेंड ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के समूह ने भांगड़ा प्रशिक्षक भारतीय अमेरिकी विश्वास सिंह सोढ़ी से दो महीने करीब 30 घंटों तक नृत्य सीखा था। उन्होंने कहा, हमने करीब दो महीने में 30 घंटे तक अभ्यास किया था। हम आठ लोग थे। हमने साथ मिलकर जितना हो सकता था अभ्यास किया और हमारे पास विश्वास सिंह जैसे एक बेहद शानदार कोच थे। जनप्रतिनिधियों द्वारा पहनी गई पोशाक भारत में सिली गई थी और वहीं से मंगवाई गई थी। टाउनसेंड ने प्रस्तुति के बाद पीटीआई-भाषा को बताया, हमें इस बात की खुशी है कि (भांगड़ा करते वक्त) हममें से कोई भी नहीं गिरा।

इजराइल की ओर दागे ईरान के 80 से अधिक ड्रोन नष्ट किए : अमेरिका

ईरान ने इजराइल पर 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागी

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका ने इजराइल पर ईरान द्वारा छोड़े गए 80 से अधिक ड्रोन और कम से कम छह बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराया। पेंटागन ने रविवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि इसमें एक बैलिस्टिक मिसाइल और यमन के हूती नियंत्रित इलाकों में नष्ट किए गए सात मानवरहित यान या ड्रोन शामिल हैं जिन्हें छोड़ने से पहले ही नष्ट कर दिया गया।

ईरान ने इजराइल पर 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागीं जिसे तेहरान ने सीरिया में ईरान के दूतावास पर एक अप्रैल को किए उसके हमले की प्रतिक्रिया बताया है। ईरान के लगभग सभी ड्रोन और मिसाइलों को इजराइली, अमेरिकी और सहयोगी सेनाओं ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही मार गिराया। एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि शनिवार और रविवार सुबह अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 80 ड्रोन और कम से कम छह बैलिस्टिक मिसाइलें मार गिराईं जो ईरान तथा यमन की ओर से इजराइल की ओर छोड़ी गई थीं।

इसमें कहा गया है, ईरान का निरंतर अभूतपूर्व, दुर्भावनापूर्ण और लापरवाह बर्ताव क्षेत्रीय स्थिरता और अमेरिका एवं उसके गठबंधन बलों की सुरक्षा को खतरे में डालता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ईरान के इन खतरनाक कृत्यों के खिलाफ इजराइल की रक्षा में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

जी-7 देशों के नेताओं ने इजराइल के खिलाफ ईरान के सीधे और अप्रत्याशित हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए रविवार को कहा कि इस घटनाक्रम के कारण क्षेत्र में अनियंत्रित तनाव बढ़ने का खतरा है।इजराइल ने इस हमले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताया और ईरान पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। वहीं, ईरान ने कहा कि उसने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अधिकार का प्रयोग करते हुए यह अभियान शुरू किया।

नोएडा सीट पर दिव्यांग बुजुर्गों ने शुरू किया मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा, सोमवार और मंगलवार दो दिन चलेगी यह प्रक्रिया

● अभियान में 85 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग और 40 फीसदी से अधिक दिव्यांग को किया गया शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट के नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभा क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं के साथ 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले मतदाता सोमवार को मतदान किया। यह मतदाता मंगलवार को भी पोस्टल बैलेट से मतदान करेंगे। सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया जो शाम 6 बजे तक चला।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट की तीनों विधानसभा में 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, कोविड पॉजिटिव मतदाता सोमवार और मंगलवार घर से ही पोस्टल बैलेट से मतदान करेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। नोएडा, जेवर व दादरी में पोस्टल बैलेट से मतदान संपन्न कराने के लिए रूट चार्ट तैयार कर लिया गया है। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट की तीनों विधानसभा में 706 बुजुर्ग और 442 दिव्यांगों ने ही पोस्टल बैलेट से मतदान करने की स्वीकृति दी है।

गौतमबुद्ध नगर जिले में बुजुर्ग वोटरों की संख्या 11488 और दिव्यांग मतदाता 9562 हैं। ऐसे में पोस्ट बैलेट से वोट देने का आंकड़ा काफी कम है। अधिकारियों ने वोटिंग की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतदान कर्मचारियों को प्रशिक्षण के दौरान रूट चार्ट उपलब्ध करा दिए हैं। उसके हिसाब से ही मतदानकर्मी बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदान संपन्न कराएंगे।

घर-घर जाकर मतदान कराने के लिए एक टीम में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, माइक्रो ऑब्जर्वर और विडियोग्राफर के साथ दो पुलिसकर्मी शामिल होंगे। रूट चार्ट के हिसाब से स्वीकृति देने वाले हर एक बुजुर्ग और दिव्यांग के घर मतदानकर्मी जाएंगे। यदि आज बुजुर्ग या दिव्यांग मतदाता घर पर नहीं मिलते हैं, तो मंगलवार को दोबारा टीम उनके घर जाकर पोस्टल बैलेट से मतदान कराएगी। यदि उस दिन भी बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता नहीं मिलते है तो फिर वे मतदान नहीं कर सकेंगे। इसके बाद वह 26 अप्रैल को बूथ पर पहुंचकर वोट डाल सकेंगे।

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट की तीनों विधानसभा में पोस्टल बैलेट से चुनाव संपन्न कराने के लिए 20 टीमों का गठन किया गया है। मतदाता कर्मियों को बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं तक पहुंचाने का काम बीएलओ के साथ लेखपाल का होगा। बुजुर्ग और दिव्यांगों के मतदान करने के दौरान निर्वाचन विभाग विडियोग्राफी भी कराएगा। मतदान करने के पश्चात मतदाता पोस्टल बैलेट को लिफाफे में बंद करके मतदानकर्मी को सौंपेंगे। इसके बाद मतदानकर्मी पोस्टल बैलेट को ट्रेजरी के स्ट्रॉन्ग रूम में रख देंगे।

गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी हैं भाजपा संकल्प पत्र के चार आधार : बीएल वर्मा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को जारी भाजपा के संकल्प पत्र के वादों को प्रदेश भाजपा हर व्यक्ति तक पहुंचाएगी। इसके लिए सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों में प्रेसवार्ता कर पार्टी संकल्प पत्र की बातों को जनता तक पहुंचाने का काम किया गया। इसी कड़ी में सेक्टर-27 स्थित कैलाश सभागार में केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने प्रेस वार्ता के दौरान संकल्प पत्र के बारे में जानकारी दी। साथ ही गौतमबुद्ध नगर से बीजेपी उम्मीदवार डॉ. महेश शर्मा को जिताने की अपील की है।

केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि देश का गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति ही भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है, जिसमें हमने विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की भी उद्घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2014 से केंद्र में रही भाजपा की सरकार ने भारत में विकास का रोडमैप दिया है। धारा 370 और राम मंदिर का वादा पूरा किया। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भारत विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जहां सभी दल चुनाव के पहले घोषणा पत्र जारी करते हैं, वहीं भाजपा संकल्प के साथ उतरती है। संकल्प देश और देशवासियों के चहुंमुखी विकास का होता है। हमारा संकल्प पत्र नए भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत का ब्लू प्रिंट है। ये भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध का की उद्घोषणा के साथ ही अन्त्योदय से सर्वोदय और ग्लोबल लीडर भारत के संकल्प को भी दोहराता है।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर समय के साथ रोचक हो रहा चुनावी मुकाबला

● भाजपा-सपा के बाद बसपा प्रत्याशी के मुकाबले में उतरने के बाद बढ़ी सरगर्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट का मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। इसी बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने नोएडा सीट पर नई रणनीति बनाई है। बसपा के रणनीतिकार इस मुकाबले को भाजपा के साथ सीधा मुकाबला बनाना चाहते हैं। यह भी प्रयास किया जा रहा है कि धरातल पर सीधा मुकाबला ना भी हो किन्तु ऐसा दिखना चाहिए।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में ही उत्तर प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण शहर नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा आते हैं। नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा जेवर एयरपोर्ट के कारण यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस बार के लोकसभा चुनाव में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से तीन बड़े खिलाड़ी चुनावी मैदान में हैं। केन्द्र तथा प्रदेश में सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर अपने दो बार के सांसद डा. महेश शर्मा को मैदान में उतारा है। डा. महेश शर्मा जीत की हैट्रिक बनाने की घोषणा के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस गठबंधन ने यहां से डा. महेन्द्र सिंह नागर को प्रत्याशी बनाया है। बहुजन समाज पार्टी ने सिकन्द्राबाद क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके राजेन्द्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया है।

राजनीतिक विश्लेषक इस क्षेत्र पर त्रिकोणीय मुकाबला मानकर चल रहे हैं। यह अलग बात है कि सपा प्रत्याशी डा. महेन्द्र सिंह नागर मुकाबले में लगातार पिछड़े जा रहे हैं। उनका चुनावी प्रबंधन (मैनेजमेंट) पूरी तरह से बिखरा हुआ है।

बसपा का प्रयास है कि वें इस चुनाव को सीधे-सीधे भाजपा बनाम बसपा का सीधा मुकाबला बना दें। बसपा के रणनीतिकारों को यकीन है कि सीधा मुकाबला भाजपा से नाराज वोटर उनके साथ एकजुट हो जाएगा।

परिवहन मंत्री ने क्षत्रिय समाज को किया जागरूक

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता तथा खासकर क्षत्रिय समाज भारतीय जनता पार्टी को जिताने में अपनी पूरी ताकत झोंक दें ताकि तीसरी बार देश की बागडोर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में सौंपी जा सके। इसके लिए सभी मतदान करें तथा अन्य लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें। यह आहवान किया प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने। आपको बता दें कि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह नोएडा के सेक्टर-57 में क्षत्रिय नेता व समाजसेवी शिव कुमार चौहन के आवास पर क्षत्रिय समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ विधायक आशुतोष मौर्य भी थे। इस दौरान दयाशंकर सिंह ने मदन चौहान को भाजपा की सदस्यता लेने पर उनको बधाई दी। उन्होंने मदन चौहान को कहा कि वे क्षेत्रवासियों खासकर क्षत्रिय समाज को भाजपा के पक्ष में वोट देने के लिए जुट जाएं। मदन चौहान ने आश्वासन दिया कि नोएडा में क्षत्रिय समाज पूरी तरह भाजपा के साथ है तथा भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा को रिकार्ड मतों से जिताकर लोकसभा भेजेंगे।

ताहिर हुसैन की याचिका पर लिखित दलील देने का निर्देश

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय से अपने उस तर्क के समर्थन में लिखित दलील देने को कहा, जिसमें ईडी ने दावा किया है कि वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के संबंध में हुसैन के खिलाफ धन शोधन मामले को रद्द करने के अनुरोध वाली पूर्व आप नेता की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने ईडी के वकील द्वारा पूर्व पार्षद हुसैन की याचिका की पोषणीयता पर सवाल खड़ा करने के बाद यह आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई सितंबर के लिए सूचीबद्ध की और हुसैन के वकील को ईडी के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने की छूट दी। साथ ही अदालत ने अगली तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड भी पेश करने का निर्देश दिया।

जाम से निजात को शाहबेरी पर बनेगा फ्लाईओवर

● गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट जाने में लोगों को होगी आसानी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी पर लगने वाले जाम से निजात के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण यहां फ्लाईओवर बनाने की योजना तैयार कर रहा है। इस फ्लाईओवर के बनाने से गाजियाबाद के लोगों को जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचने में भी काफी आसानी होगी। साथ ही लोगों को जम से निजात भी मिलेगी।

दरअसल यह सड़क न सिर्फ गाजियाबाद और नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ती है, बल्कि हापुड़ और दिल्ली के लोग भी इस रास्ते से अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। ऐसे में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस सड़क को फ्लाईओवर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। जिससे कि जाम की समस्या को दूर किया जा सके। आपको बता दें कि इस सड़क की चौड़ाई कम है। फर्नीचर बार, कई सोसायटी और गांव इस सड़क के किनारे हैं। ऐसे में आए दिन यहां पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस जाम की समस्या से निपटने के लिए इस सड़क का फ्लाईओवर बनाने को लेकर इसका सर्वे कराना शुरू कर दिया है।

एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि इस फ्लाईओवर का सर्वे कराने के बाद ही पता लगाया जा सकेगा कि यहां पर होने वाली जाम की समस्या को किस तरह से दूर किया जा सकेगा। उनका कहना है कि सर्वे में लंबाई समेत अन्य बिंदुओं पर काम किया गया है और कहां-कहां जाम लगता है, इस बात पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होने कहा कि इन सभी तरह के बिंदुओं पर काम किया जाएगा। इस संबंध में एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट तक जाने के लिए गाजियाबाद से शाहबेरी रोड पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाएगा। इसलिए अभी से फ्लाईओवर का सर्वे कराकर जाम की समस्या को दूर करना है। उन्होने बताया कि जेवर एयर पोर्ट शुरु होने के बाद फ्लाईओवर का सर्वे कराने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सिलेंडर विवाद में अधिवक्ता का सिर फोड़ा, मां व भाईयों को भी पीटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सड़क पर रखे गैस सिलेंडर को साइड में रखने के लिए कहना एक अधिवक्ता और उसके परिवार को भारी पड़ गया। आरोपियों ने मामूली सी बात पर अधिवक्ता का सिर फोड़ दिया। साथ ही अधिवक्ता की मां और दो भाईयों को भी बुरी तरह से पीटा। पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामला नोएडा के फेज-दो कोतवाली क्षेत्र का है। जहां रास्ते में बाइक और गैस सिलेंडर साइड हटाने की बात बोलने पर आरोपियों ने अधिवक्ता के भाई के साथ मारपीट कर दी। बीच बचाव करने पहुंचे अधिवक्ता और उसके भाई तथा उसकी मां के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। आरोपियों ने अधिवक्ता का सिर फोड़ने के साथ कार का शीशा भी ईंट से तोड़ दिया।

नोएडा के सेक्टर-87 के संदीप भाटी ने फेज-दो कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 अप्रैल की सुबह करीब 9.30 बजे छोटा भाई अभिनव घर से ऑफिस जाने के लिए कार लेकर निकला था। रास्ते में गेझा गांव निवासी पीयूष अपनी बाइक पर छह-सात गैस सिलेंडर लटकाकर और कुछ सिलेंडर रास्ते में रखकर खड़ा था। रास्ते में बाइक और सिलेंडर साइड हटाने को कहा तो पीयूष ने ईंट मारकर गाड़ी के पीछे का शीशा तोड़ दिया। यही नहीं आरोपित ने अभिनव को पीटना शुरू कर दिया। जब इस मामले की सूचना परिवार के लोगों हो हुई तो वह भी मौके पर पहुंचे, तो उन लोगों ने देखा कि आरोपी पीयूष और उसके साथी प्रतीक, कृष्ण और अमित मिलकर अभिनव को पीट रहे थे। अभिनव के बड़े भाई अधिवक्ता अमित भाटी और मां ऊषा भी आ गईं। तीनों ने मिलकर अभिनव को बचाने का प्रयास किया तो कृष्ण ने लोहे की वस्तु से अमित का सिर फाड़ दिया।

महागौरी की साधना से ही है संभव निष्पाप जीवन

नवरात्र के नौ दिनों का पावन पर्व अब अंतिम पड़ाव पर हैं। नवरात्र के नौ दिनों में प्रतिदिन देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है, लेकिन नवरात्र के आठवें और नौवें दिन देवी दुर्गा के नौ रूपों के प्रतीक में कन्या पूजन का भी विधान है, जो इस पर्व के महत्व को और भी बढ़ा देता है। महागौरी को भगवान गणेश की माता के रूप में भी जाना जाता है।

यह अमोघ फलदायिनी हैं और भक्तों के तमाम कृमष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी नष्ट हो जाते हैं। महागौरी का पूजन-अर्चन, उपासना-आराधना कृयाणकारी है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियां भी प्राप्त होती हैं।

नवरात्रि में आठवें दिन महागौरी शक्ति की पूजा की जाती है। नाम से प्रकट है कि इनका रूप पूर्णत: गौर वर्ण है। इनकी उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से दी गई है। अष्टवर्षा भवेद् गौरी यानी इनकी आयु आठ साल की मानी गई है। इनके सभी आभूषण और वस्त्र सफेद हैं। इसीलिए उन्हें श्वेताम्बर धरा कहा गया है। इनकी चार भुजाएं हैं और वाहन वृषभ है, इसीलिए इनको वृषारूढ़ा भी कहा गया है। इनके ऊपर वाला दाहिना हाथ अभय मुद्रा है और नीचे वाला हाथ त्रिशूल धारण किया हुआ है। ऊपर वाले बाएं हाथ में डमरू धारण कर रखा है और नीचे वाले हाथ में वर मुद्रा है। इनकी पूरी मुद्रा बहुत शांत है। पति रूप में शिव को प्राप्त करने के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की थी। इसी वजह से इनका शरीर काला पड़ गया, लेकिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने इनके शरीर को गंगा के पवित्र जल से धोकर कांतिमय बना दिया। उनका रूप गौर वर्ण का हो गया। इसीलिए ये महागौरी कहलाईं।

महागौरी स्वरूप

महागौरी की चार भुजाएं हैं, उनकी दायीं भुजा अभय मुद्रा में है और नीचे वाली भुजा में त्रिशूल शोभायमान है। बायीं भुजा में डमरू डम-डम बज रहा है और नीचे वाली भुजा से देवी गौरी भक्तों की प्रार्थना सुनकर वरदान देती हैं। जो स्त्री इस देवी की पूजा भक्ति भाव सहित करती हैं, उनके सुहाग की रक्षा देवी स्वयं करती हैं। कुंवारी लड़की मां की पूजा करती हैं, तो उसे योग्य पति प्राप्त होता है। पुरुष जो देवी गौरी की पूजा करते हैं, उनका जीवनसुखमय रहता है। देवी उनके पापों को जला देती हैं और शुद्ध अंत: करण देती हैं। मां अपने भक्तों को अक्षय आनंद और तेज प्रदान करती हैं।

पूजा विधि

नवरात्रे के दसों दिन कुंवारी कन्या को भोजन कराने का विधान है, लेकिन अष्टमी के दिन का विशेष महत्व है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग के लिए देवी मां को चुनरी भेंट करती हैं। देवी गौरी की पूजा का विधान भी पूर्ववत है अर्थात जिस प्रकार सप्तमी तिथि तक आपने मां की पूजा की है, उसी प्रकार अष्टमी के दिन भी देवी की पंचोपचार सहित पूजा करें। देवी का ध्यान करने के लिए दोनों हाथ जोड़कर इस मंत्र का उच्चारण करें 'सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि। सेव्यामाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥' महागौरी रूप में देवी करूणामयी, स्नेहमयी, शांत और मृदुल दिखती हैं। देवी के इस रूप की प्रार्थना करते हुए देव और ऋषिगण कहते हैं 'सर्वमंगल मंग्ल्ये, शिवे सर्वार्थ साधिके. शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते...'

मंत्र

1- श्वेते वृषे समरूढ़ा श्वेताम्बराधरा शुचि:।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।।
2- या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:।।

महागौरी कथा

देवी पार्वती रूप में इन्होंने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी, एक बार भगवान भोलेनाथ पार्वती जी को देखकर कुछ कह देते हैं, जिससे देवी का मन आहत होता है और पार्वती जी तपस्या में लीन हो जाती हैं। इस प्रकार वर्षों तक कठोर तपस्या करने पर जब पार्वती नहीं आतीं, तो पार्वती को खोजते हुए भगवान शिव उनके पास पहुंचते हैं और माता पार्वती को देखकर आश्चर्य चकित रह जाते हैं। पार्वती जी का रंग अत्यंत ओजपूर्ण होता है, उनकी छटा चांदनी के समान श्वेत और कुंद के फूल के समान धवल दिखाई पड़ती है, उनके वस्त्र और आभूषण से प्रसन्न होकर देवी उमा को गौरवर्ण का वरदान देते हैं। एक कथा के अनुसार भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए देवी ने कठोर तपस्या की थी, जिसके कारण इनका शरीर काला पड़ गया था। देवी की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान इन्हें स्वीकार करते हैं और शिव जी इनके शरीर को गंगा-जल से धोते हैं तब देवी विद्युत के समान अत्यंत कांतिमान गौर वर्ण की हो जाती हैं तथा तभी से इनका नाम गौरी पड़ा। महागौरी जी से संबंधित एक अन्य कथा भी प्रचलित है, जिसके

अनुसार, एक सिंह काफी भूखा था, वह भोजन की तलाश में वहां पहुंचा, जहां देवी उमा तपस्या कर रही होती हैं। देवी को देखकर सिंह की भूख बढ़ गई, लेकिन वह देवी के तपस्या से उठने का इंतजार करते हुए वहीं बैठ गया। इस इंतजार में वह काफी कमजोर हो गया। देवी जब तप से उठीं तो सिंह की दशा देखकर उन्हें उस पर बहुत दया आती है, और मां उसे अपना सवारी बना लेती हैं क्योंकि एक प्रकार से उसने भी तपस्या की थी। इसलिए देवी गौरी का वाहन बैल और सिंह दोनों ही हैं।

भाकियू ने 2014 के चुनाव में भाजपा का समर्थन किया था लेकिन वह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी: नरेश टिकैत

कहा, भारतीय किसान संघ एक बड़ा संगठन है

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

किसान नेता नरेश टिकैत का कहना है कि उनकी भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने 2014 के लोकसभा चुनाव में खुले तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद पार्टी उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। टिकैत ने अफसोस जताया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर 13 महीने तक चले विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 750 किसानों की शहादतै को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि इस पार्टी में तानाशाही की बू आती है। हालांकि, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में प्रभावशाली जाट समुदाय के बालियान खाप के चौधरी टिकैत ने कहा कि भाकियू सदस्य आगामी लोकसभा चुनाव में किसी भी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। भाकियू, संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का हिस्सा है। किसान संघों की इस एक छत्र संस्था ने अब निरस्त किए गए कृषि कानूनों को लेकर 2020-21 में केंद्र के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया था।

टिकैत ने कहा कि भारतीय किसान संघ एक बड़ा संगठन है जहां प्रत्एक सदस्य का किसी न किसी पार्टी के साथ कोई न कोई संबंध या जुड़ाव होता है। उन्होंने कहा, कुछ उम्मीदवार के रिश्तेदार हैं, कुछ एक ही समुदाय (उम्मीदवार के रूप में) से हैं या उनके साथ व्यक्तिगत स्तर पर संबंध रखते हैं। इसलिए हम (भाकियू सदस्यों के लिए) ऐसे निर्णय लेने में बहुत सफल नहीं हैं कि किसे समर्थन देना है। उन्होंने कहा, मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि हमने 2014 में खुले तौर पर भाजपा का समर्थन किया था। लेकिन वे हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। टिकैत ने कहा कि उन्होंने राम राज की बात की थी... उन्होंने अपने मानकों के अनुसार अच्छा काम किया होगा, लेकिन बहुत कुछ नजरअंदाज कर दिया गया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के सिसौली गांव में अपने घर पर कहा कि सरकार ने किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया है। टिकैत ने कहा, किसानों का विरोध 13 महीने तक चला और लगभग 750 किसान शहीद हो गए, लेकिन वे (सरकार) इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह एक बड़ा आंदोलन था जिसकी दुनिया भर में चर्चा हुई। उन्होंने कहा,भाजपा से तानाशाही की बू आती है। इस सरकार से तानाशाही की बू आती है।

टिकैत ने कहा, कभी सरकार को झुकना पड़ता है और कभी लोगों को झुकना पड़ता है। लेकिन उनके लिए, सब कुछ उनके द्वारा तय किए गए अनुसार होगा। इस तरह काम नहीं होता है। इससे जनता को नुकसान होता है और सरकार को भी विरोध का सामना करना पड़ता है। इसलिए, सरकार को संतुलन बनाने और एक अच्छा माहौल बनाने की जरूरत है। आगामी चुनाव में भाजपा को समर्थन देने के राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के फैसले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी के नेतृत्व वाली पार्टी के अचानक फैसले ने लोगों को हैरानै कर दिया है और भाकियू को इसके लिए खेद है। उन्होंने कहा, इस संबंध में जिम्मेदार लोगों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया। मुझसे इस बारे में सलाह-मशविरा नहीं किया गया। अगर आप मुझे छोड़ भी दें, तो आसपास और भी बड़े लोग हैं, जिनसे सलाह-मशविरा किया जाना चाहिए था। जब उनसे पूछा गया कि क्या भाकियू चुनाव में रालोद का विरोध करेगा, तो उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। हम उनके खिलाफ कुछ भी क्यों कहेंगे? बात बस इतनी है कि जो हुआ उसका हमें अफसोस है।

आगामी चुनाव के बारे में, टिकैत ने कहा कि कई मुद्दे हैं और भाकियू को बहुत सारे लोगों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन वह अपने सदस्यों को यह नहीं कह रहा है कि उन्हें किसे वोट देना है। हालांकि, उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को सिसौली में एक महापंचायतै होने वाली है, जहां चुनाव के संबंध में सामूहिक निर्णयै लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है, यह चुनाव का समय है जब वे (लोग) हमारी बात कम सुनते हैं। हम उनके लिए निर्णय नहीं ले सकते। उन्हें जहां भी मन हो वोट दें लेकिन किसी भी पार्टी का झंडा नहीं पकड़ना चाहिए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को मतदान होगा। वोटों की गिनती चार जून को होगी।

भाजपा के नेता खुलेआम संविधान बदलने की बातें कर रहे हैं, मोदी उन पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे : लालू

राजद की ओर जारी किया गया बयान

पायनियर समाचार सेवा। पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमों लालू प्रसाद ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेता लोकसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत मिलने पर संविधान को बदलने की बातें खुलेआम कर रहे हैं लेकिन पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसको लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। लालू ने सवाल किया कि आखिर वे अपने दल के ऐसे नेताओं के खिलाफ कार्वाई क्यों नहीं कर रहे हैं।

राजद की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पार्टी सुप्रीमों ने कहा, दरअसल प्रधानमंत्री डरे हुए हैं। देश में सामने रुख उजागर होने के बाद से वह हार को लेकर आशंकित हैं। इस डर को छिपाने के लिए वह भाजपा को 270 से अधिक सीटें मिलने का दावा कर रहे हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा भाजपा के वरिष्ठ नेता लगातार संविधान बदलने की बात कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री और इनके शीर्ष नेता इन पर कुछ कारवाई करने की बजाय, उन्हें ईनाम स्वरूप चुनाव लड़वा रहे है। उन्होंने सवाल किया, ए भाजपा वाले चाहते क्या हैं? इन्हें संविधान, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और गरीबों से समस्या क्या है? राजद सुप्रीमों की यह प्रतिक्रिया अयोध्या के मौजूदा सांसद लल्लू सिंह की एक टिप्पणी की पृष्ठभूमि में आई। सिंह ने बाद में जबान फिसलने का दावा करते हुए अपना बयान वापस ले लिया था। इससे पहले, राजस्थान में भाजपा उम्मीदवार ज्योति मिर्धा और पार्टी के कर्नाटक से सांसद अनंत हेगड़े ने भी इसी तरह की टिप्पणी की थी। प्रसाद ने कहा, संविधान बदल कर ये इस देश से समता, स्वतंत्रता, बंधुता, सामाजिक न्याय और आरक्षण खत्म करना चाहते है। ये लोगों को आरएसएस और पूंजीपतियों का गुलाम बनाना चाहते है। प्रसाद ने कहा, बार-बार संविधान बदलने की बात कर ए क्या साबित करना चाहते हैं। हमारा संविधान बाबा साहब आंबेडकर ने लिखा है....। संविधान बदलने का कोई प्रयास बर्दाश्त नहीं होगा। जो भी संविधान को बदलने का इरादा रखता है, उसकी (जनता द्वारा) आंखें निकाल ली जाएंगी। उन्होंने कहा, देश की जनता माफ नहीं करेगी... ये तानाशाही लाना चाहते हैं, संविधान को बदलने का मतलब है लोकतंत्र को बदलना। अपने प्रतिद्वन्द्वी नीतीश कुमार पर तंज करते हुए राजद प्रमुख ने कहा नवादा जिले में प्रधानमंत्री की एक रैली में नीतीश ने कह दिया कि राजग को 4000 सीटें मिलेंगी। कुछ दिन बाद उन्होंने वही गलती दोहराई और खुद को सही बताने के लिए जबान फिसलने का दावा करते हुए माफी मांग ली।

योगी ने कहा-80 बनेगा आधार, राजग 400 के पार, फिर एक बार मोदी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि देश का गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति ही भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा यह संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है, जिसमें हमने विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की भी उद्घोषणा की है। उन्होंने उप्र में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नया नारा देते हुए कहा, 80 बनेगा आधार, राजग 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार। भाजपा मुख्यालय पर विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित पार्टी के संकल्प पत्र के संबंध में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा, यह संकल्प पत्र एक ब्लू प्रिंट है, नए भारत का और श्रेष्ठ भारत का, आत्मनिर्भर भारत का एवं विकसित भारत का। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संकल्प पत्र को नए भारत का, श्रेष्ठ भारत का, आत्मनिर्भर भारत का और विकसित भारत का ब्लू प्रिंट बताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने को कहा कि यह देश के सभी नागरिकों के लिए मोदी की गारंटी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान शिल्पी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से अपना संकल्प पत्र जारी किया है। इसकी पहली चार प्रतियां देश के चार सामाजिक स्तंभों -गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी - का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के दृष्टिकोंण को मिशन मानकर प्रभावी ढंग से लागू करने के 140 करोड़ जनता की आकांक्षा बन चुकी है। उन्होंने कहा, यह संकल्प पत्र घोषणा करता हैं, भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक युद्ध का। यह पहला आम चुनाव हैं जिसके परिणाम के बारे में एक आश्वस्त का भाव पूरे देश में देखने को मिल रहा हैं, क्योंकि लोगों को मोदी जी की गारंटी पर विश्वास हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के प्रति उनकी जो आकांक्षाएं हैं, उन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम मोदी की गारंटी बनेगा। इस बात को लेकर जो गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही हैं, वह गूंज चुनाव के परिणामों के बारे में पहले से ही आश्वस्त के भाव के रूप में हम सबको देखने को मिल रहा हैं। उन्होंने कहा, मोदी की गारंटी का मतलब बिना भेदभाव के हर तबके के लोगों के लिए, सबका साथ-सबका विकास के भाव के साथ आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा, आजादी के अमृत काल का ये पहला चुनाव है, जिसमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को लेकर चुनाव लड़ा जा रहा है। देश की अस्मिता, सुरक्षा, आस्था और अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी की गारंटी इस संकल्प पत्र का आधार बना है।

अवैध मकानों को तोड़ने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के पोस्ट को लेकर निशाना

पणजी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गोवा में कथित रूप से अवैध तरीके से निर्मित कुछ मकानों को तोड़े जाने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की टिप्पणी को लेकर उनपर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस नेता को पहले अपने राज्य की समस्याओं का समाधान करने के लिए कार्य करने चाहिए। खबरों के अनुसार, गोवा में जिन मकानों को तोड़ा गया है वे कर्नाटक के मूल निवासियों के हैं।

भाजपा की गोवा इकाई के प्रवक्ता गिरिराज पाई वर्नेकर ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि अवैध निर्माण तोड़ने के लिए अभियान उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद चलाया गया। उत्तर गोवा जिले के संगोल्दा गांव में स्थानीय सामुदायिक केंद्र के स्वामित्व वाली जमीन पर कुल 22 मकान अवैध रूप से निर्मित किए गए थे, जिन्हें शुक्रवार और शनिवार को अधिकारियों ने ढहा दिया। सिद्धरमैया ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गोवा के संगोल्दा में कन्नड़ समुदाय के लोगो के मकानों को ढहा दिए जाने से बेहद चिंतित हूं।

उन्होंने कहा कि मैं गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से अपील करता हूं कि जब तक दूसरा विकल्प नहीं मुहैया कराया जाता तब तक कार्वाई रोक दी जाए और सभी विस्थापित लोगों का पर्याप्त पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। सिद्धरमैया ने अपने पोस्ट में खबरों और तोड़फोड़ की तस्वीरों को सांझा किया।

रूपाला के खिलाफ राजपूतों के विरोध के बावजूद भाजपा का गढ़ रहेगी राजकोट लोस सीट : विश्लेषक

पायनियर समाचार सेवा। राजकोट

गुजरात की राजकोट लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी परषोत्तम रूपाला का क्षत्रिय समुदाय द्वारा विरोध किए जाने के बावजूद राजनीतिक विश्लेषकों और मतदाताओं को यकीन है कि केंद्रीय मंत्री चुनाव में विजई होंगे। विश्लेषकों ने जहां दावा किया कि राजकोट भाजपा का अभेद्य किला है वहीं मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की। रूपाला ने हाल में यह दावा करके विवाद पैदा कर दिया था कि तत्कालीन महाराजाओं ने विदेशी शासकों और अंग्रेजों के उत्पीड़न के आगे घुटने टेक दिए थे और यहां तक कि अपनी बेटियों की शादी भी उनसे कर दी थी।

रूपाला के माफी मांगने के बावजूद क्षत्रियों (जिन्हें राजपूत भी कहा जाता है) ने इस टिप्पणी को अपने अपमान के तौर पर देखा और भाजपा से रुपाला की उम्मीदवारी वापस लेने या हार के लिए तैयार रहने को कहा। पाटीदार बहुल यह सीट भाजपा का गढ़ मानी जाती है। गुजरात में सभी 26 लोकसभा सीटों पर चुनाव के लिए सात मई को मतदान होगा। भाजपा ने दो बार के सांसद मोहन कुंदरिया के स्थान पर पाटीदार समुदाय के कडवा उप-वर्ग से आने वाले रूपाला को इस सीट से प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने लेवा पाटीदार समुदाय से आने वाले पूर्व विधायक परेश धनानी को प्रत्याशी बनाया है। रूपाला और धनानी पड़ोसी अमरेली जिले से ताल्लुक रखते हैं। तीन बार के राज्यसभा सदस्य रूपाला पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वह 1991, 1995 और 1998 में अमरेली से विधायक रह चुके हैं। राज्य में 2022 के विधानसभा चुनाव में धनानी ने अमरेली से रूपाला को हराया था। धनानी ने 2012 और 2017 में भी इस विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी लेकिन 2022 में भाजपा के कौशिक वेकारिया से हार गए थे। धनानी ने अमरेली से 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें भाजपा के नारण कछाडिया ने हरा दिया था। राजकोट लोकसभा सीट पर करीब 23 लाख मतदाता हैं। पाटीदार - कडवा और लेवा 5.8 लाख मतदाताओं के साथ निर्णायक स्थिति में हैं। इस सीट पर 3.5 लाख कोली मतदाता, 2.3 लाख मलधारी (दोनों ओबीसी), 1.5 लाख राजपूत, 1.8 लाख दलित, करीब दो लाख अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता और तीन लाख ब्राह्मण तथा लोहाना समुदाय के मतदाता हैं। राजनीतिक विश्लेषक जगदीश आचार्य ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में दावा किया कि राजपूत रूपाला को ज्यादा से ज्यादा यह नुकसान पहुंचा सकते हैं कि उनकी जीत के अंतर में करीब 50,000 मत कम हों। करीब चार लाख लेवा पाटीदार और कुछ हजार भाजपा विरोधी राजपूत मतदाताओं की मदद से धनानी की जीत की संभावना पर आचार्य ने कहा कि संभावना बेहद कम है। उन्होंने कहा कि यहां मतदाताओं के लिए प्रधानमंत्री मोदी का नाम और विकास कार्य ही भाजपा का समर्थन करने के लिए पर्याप्त हैं। राजकोट लोकसभा सीट के तहत सात विधानसभा क्षेत्र आते हैं और सभी में अभी भाजपा के विधायक हैं। भाजपा 1989 से राजकोट लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करती रही है। केवल 2009 में भाजपा की किरन पटेल को कांग्रेस के कुंवरजी बावलिया ने हराया था। एक स्थानीय वरिष्ठ नागरिक प्रग्नेश ठक्कर ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन और राजकोट शहर का विकास अहम मुद्दे हैं जिनके आधार पर उनके जैसे कई लोग भाजपा के लिए वोट करेंगे। स्थानीय निवासी रक्षित पटेल ने भी दावा किया कि मतदाता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी से खुश हैं। राजनीतिक विश्लेषक जगदीश मेहता ने कहा कि राजकोट भाजपा का निंविवाद गढ़ है। उन्होंने दावा किया, राजपूतों के आंदोलन के बावजूद रूपाला को राजकोट से हराना असंभव है। रूपाला के खिलाफ बड़ी संख्या में लोगों का गुस्सा वोटों में तब्दील होना चाहिए, जो संभव नहीं है।

प. बंगाल में युवा शक्ति और अनुभव का मिश्रण है माकपा के लिए जीत का मंत्र

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

कोलकाता में पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीट में से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास एक भी सीट नहीं है और उसे लगता है कि आगामी चुनाव में उसके पास कुछ हासिल करने का एक मौका है। माकपा ने पश्चिम बंगाल में कई युवा और नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है और पार्टी युवाओं एवं अनुभव के मिश्रण से राज्य में अपनी किस्मत फिर से चमकने की उम्मीद कर रही है। माकपा ने अपने छात्र संगठन एसएफआई के तीन नेताओं - यादवपुर से सृजन भट्टाचार्य, डायमंड हार्बर से प्रतिकुर रहमान और श्रीरामपुर लोकसभा सीट से दिप्सिता धर को मैदान में उतारा है।

माकपा के यादवपुर से उम्मीदवार सृजन भट्टाचार्य ने पार्टी के नेताओं की बात दोहराते हुए पीटीआई-भाषा से कहा, यह युवाओं की फुर्ती और वरिष्ठों के अनुभव का एक आदर्श मिश्रण है। उन्होंने दावा किया कि लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। माकपा यह चुनाव वाम मोर्चा के हिस्से के रूप में और कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ रही है। माकपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि तीन पूर्व सांसदों सुजन चक्रवर्ती, मोहम्मद सलीम और अलोकेश दास के अलावा, माकपा ने सभी नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जिनमें से कई युवा हैं। माकपा केंद्रीय समिति सदस्य और दम दम लोकसभा सीट से उम्मीदवार सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि वाम आंदोलन की संस्कृति नए और पुराने के मिश्रण, अनुभव और युवाओं के नएपन को साथ लेकर चलने की है। माकपा को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 2011 की हार के बाद जनता के बीच सक्रिय नहीं रहने और युवाओं को आकर्षित करने में सक्षम नहीं होने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि पार्टी पिछले कुछ समय से नए जोश के साथ पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए नए नेतृत्व का समर्थन कर रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या माकपा राज्य में पार्टी की संभावनाओं को लेकर एक दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है, उन्होंने कहा, दूरदर्शी होना जरूरी है। हालांकि इन चुनावों में पार्टी की उपस्थिति महसूस कराने के लिए कुछ सीट जीतने का तात्कालिक लक्ष्य भी महत्वपूर्ण है। यह मोहम्मद सलीम और सुजन चक्रवर्ती जैसे पुराने नेताओं को मैदान में उतारने से स्पष्ट हो गया है। माकपा के प्रदेश सचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य सलीम मुर्शिदाबाद सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वर्ष 2019 में माकपा का मतप्रतिशत लगभग 6.34 प्रतिशत था, जबकि तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को क्रमश: 43 प्रतिशत और 40 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे। दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में टीएमसी के अभिषेक बनर्जी को टक्कर देने के लिए माकपा द्वारा मैदान में उतारे गए रहमान एसएफआई के अपने साथी सृजन भट्टाचार्य से कम उत्साहित नहीं हैं।

पीलीभीत में मानव-पशु संघर्ष चुनावी मुद्दा, पांच वर्ष में बाघों ने 20 से अधिक ग्रामीणों को मारा

पायनियर समाचार सेवा। पीलीभीत

राजनीतिक नेता चुनावी रैलियों में विकास, आधुनिकीकरण और प्रगति की बात कर रहे हैं लेकिन पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र के लगभग 300 गांवों के लोग अभी भी पशु संघर्ष का सामना कर रहे हैं जिसे मानव जाति के सबसे आदिम संघर्षों में से एक माना जाता है। इन गांवों में लोगों को नियमित रूप से बाघ प्रजाति के जानवरों का सामना करना पड़ता है जो निकटवर्ती पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से उनके खेतों में भटक कर आ जाते हैं। पीटीआर बंगाल टाइगर (पैंथेरा टाइग्रिस) का निवास स्थान है।

कई बार यह मुठभेड़ जानलेवा भी साबित होती है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, नवंबर 2019 से अब तक इन गांवों के 22 से अधिक लोग बाघों के हमलों में जान गंवा चुके हैं। नौ अप्रैल को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद के समर्थन में पूरनपुर क्षेत्र में एक राजनीतिक रैली के आयोजन से कुछ घंटे पहले, 55 वर्षीय किसान भोले राम को एक बाघ ने मार डाला था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में पीलीभीत टाइगर रिजर्व की भव्यता को दुनिया भर में ले जानै की घोषणा की। भोले राम के परिवार के सदस्य और कुछ अन्य ग्रामीण घोषणा से खुश नहीं थे। भोले राम के रिश्तेदार और पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सीमा से लगे जमुनिया गांव के निवासी पारस राय ने कहा, हमारा जीवन भगवान की दया पर निर्भर है। हमें नहीं पता कि कब बाघ आएगा और हमें या हमारे बच्चों को अपना शिकार बना लेगा। पिछले छह महीने में बाघ के हमले से गांव में भोले राम समेत चार लोगों की मौत हो चुकी है। अब पीलीभीत में मानव-पशु संघर्ष एक चुनावी मुद्दा है। बाघों के कारण अस्तित्व पर लगातार मंडरा रहे खतरा से भयभीत ग्रामीण, बाघों को जंगल से बाहर निकलने से रोकने के लिए कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे की गंभीरता का एहसास होने लगा है। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार ने 11 अप्रैल को भोले राम के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें अपने समर्थन का आश्वासन दिया। गंगवार ने 12 अप्रैल को जिले में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की रैली के दौरान यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था, लोग जंगली जानवरों द्वारा मारे जा रहे हैं। सत्ता में आने पर हम समस्या का समाधान करेंगे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने भी इस मुद्दे को उठाया और भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा था, जंगली जानवर लोगों को मार रहे हैं। मैंने दीवार पर बैठे एक बाघ का वीडियो भी देखा, जिसका लोग पीछा कर रहे हैं। इस सरकार ने समस्या के बारे में कुछ नहीं किया है। 2022 में बाघ के हमले में अपने भाई को खोने वाले किसान उमाशंकर पाल ने कहा, हम चाहते हैं कि अधिकारी बाघों को रोकने के लिए जंगल की सीमाओं पर बाड़ लगाएं।

संकल्प पत्र देश के सभी नागरिकों को मोदी की गारंटी है : योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संकल्प पत्र को नए भारत का, श्रेष्ठ भारत का, आत्मनिर्भर भारत का और विकसित भारत का ब्लू प्रिंट बताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि यह देश के सभी नागरिकों को मोदी की गारंटी है। भाजपा मुख्यालय पर विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित भाजपा के संकल्प पत्र के संबंध में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि यह संकल्प पत्र एक ब्लू प्रिंट हैं, नए भारत का और श्रेष्ठ भारत का, आत्मनिर्भर भारत का एवं विकसित भारत का।

उन्होंने कहा, यह संकल्प पत्र घोषणा करता हैं, भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक युद्ध का। यह पहला आम चुनाव हैं जिसके परिणाम के बारे में एक आश्वस्त का भाव पूरे देश में देखने को मिल रहा हैं, क्योंकि लोगों को मोदी जी की गारंटी पर विश्वास हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के प्रति उनकी जो आकांक्षाएं हैं, उन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम मोदी की गारंटी बनेगा। इस बात को लेकर के जो गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही हैं, वह गूंज चुनाव के परिणामों के बारे में पहले से ही आश्वस्त के भाव के रूप में हम सबको देखने को मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब बिना भेदभाव के हर तबके के लोगों के लिए, सबका साथ-सबका विकास के भाव के साथ आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाना है। योगी ने कहा, संविधान दिवस पर भाजपा का संकल्प पत्र जारी हुआ है। भाजपा की प्राथमिकता में युवा, महिला, गरीब और किसान हैं।

देश का एंबिशन ही मोदी जी का मिशन है। मोदी की गारंटी पर इस देश को विश्वास है। मोदी की गारंटी जन विश्वास का प्रतीक है।

अरुणाचल प्रदेश में विकसित बुनियादी ढांचा देश में सबसे बेहतर

तेजपुर, असम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछले 10 साल में किए विकास कार्यों के बल पर अरुणाचल प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी अशोक सिंघल ने साक्षात्कार में दावा किया कि राज्य में विकसित बुनियादी ढांचा देश में किसी भी राज्य से बेहतर है। उन्होंने कहा, अरुणाचल प्रदेश में पिछले 10 वर्ष में विकास कार्य हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्वोत्तर पर जितना ध्यान देते हैं, उससे लोगों को समझ में आ गया है कि यही इकलौती पार्टी है जो उनके हितों पर ध्यान देगी।

उन्होंने कहा, लोगों का भाजपा के अलावा सभी दलों से भरोसा उठ गया है और इसलिए हमने 10 सीटों पर निर्विरोध चुनाव जीता। असम सरकार में मंत्री सिंघल ने कहा कि भाजपा का चुनावों में 90 फीसदी सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य है और उसे 60 विधानसभा सीटों में से 55 सीटें जीतने की उम्मीद है। उन्होंने राज्य में दो लोकसभा सीटों पर भारी मतों के अंतर से चुनाव जीतने का भरोसा भी जताया। अरुणाचल प्रदेश चुनावों के लिए भाजपा का घोषणापत्र तीन अहम मुद्दों पर केंद्रित है। आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना जिसमें पर्यटन की संभावनाएं तलाशना है।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल सरकार को पीड़ित परिवारों को अनुग्रह राशि देने की अनुमति दी : शुभेंदु अधिकारी

शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को दावा किया कि निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार को 31 मार्च को जलपाईगुड़ी जिले में तूफान से प्रभावित हुए परिवारों को अनुग्रह राशि देने की अनुमति दे दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी लोगों से झूठ बोल रहे हैं कि राज्य सरकार आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण तूफान से प्रभावित परिवारों को मुआवजा नहीं दे पा रही है और निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अनुमति नहीं दी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारत निर्वाचन आयोग के नौ अप्रैल के एक पत्र को पोस्ट किया जिसमें तूफान से प्रभावित परिवारों को अनुग्रह राशि देने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। अधिकारी ने पोस्ट में कहा, आप कुछ लोगों को हर समय मूर्ख बना सकते हैं और सभी लोगों को कुछ समय के लिए.. लेकिन आप सभी लोगों को हर समय मूर्ख नहीं बना सकते। पश्चिम बंगाल के जन्मजात झूठ बोलने वालों की मशहूर जोड़ी सोचती है कि वे झूठ बोलते रहेंगे और पश्चिम बंगाल के लोग इसे शाश्वत सत्य के रूप में स्वीकार करेंगे।

खैर, वे झूठी खुशी में जी रहे हैं। गौरतलब है कि 31 मार्च को जलपाईगुड़ी शहर और उसके आसपास के इलाकों में अचानक आए तूफान और भारी बारिश के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग बेघर हो गए थे।

संक्षिप्त समाचार

'180 नॉटआउट' में नजर आएंगे गंभीर, हरभजन और वॉल्श

नई दिल्ली। गौतम गंभीर, हरभजन सिंह, सुरेश रैना और कर्टनी वॉल्श जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कुछ पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हाल में जारी पॉडकास्ट सीरीज 180 नॉटआउट में खेल की चुनौतियों, विवादों और भविष्य की संभावनाओं पर अपना रुख साझा करते नजर आएंगे। पॉडकास्ट में 60 से अधिक पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ शामिल हैं और पिछली दो शताब्दियों में क्रिकेट की यात्रा और विकास पर चर्चा करेंगे। 15 एपिसोड की इस श्रृंखला में दिग्गज क्रिकेटर अंतर्दृष्टि के साथ खिलाड़ियों पर खेल का प्रभाव, लीग, व्यावसाईकरण, कोचिंग, फिटनेस, विभिन्न प्रारूप और रिकॉर्ड सहित विविध विषयों को शामिल किया गया है।

बैंगनी रंग का होगा ओलंपिक का ट्रैक

पेरिस। एथलीट इस साल पेरिस ओलंपिक खेलों में जब नए रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे तो दर्शकों को बैंगनी रंग का एथलेटिक ट्रैक देखने को मिलेगा। पारंपरिक ईंट जैसे लाल रंग से हटकर पहली बार ओलंपिक ट्रैक इस बार बैंगनी रंग का होगा। वल्केनाइज्ड रबर ट्रैक (रासायनिक प्रक्रिया से तैयार होने वाला बेहतर कृत्रिम रबर) के टुकड़ों का उत्पादन उत्तरी इटली की एक फैक्ट्री में किया गया है और कर्मचारी उन्हें ट्रैक स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले राष्ट्रीय स्टेडियम स्टेड डी फ्रांस में बिछा रहे हैं। ट्रैक को कवर करने के लिए वल्केनाइज्ड रबर के 1,000 से अधिक रोल का उपयोग किया जाएगा। इसमें एक महीने का समय लगेगा और कुल मिलाकर गोंद के 2,800 डब्बे लगेंगे।

जेहान ने फार्मूला ई में पहले अंक बनाए

मिसानो (इटली)। भारत के जेहान दारूवाला ने पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक रेसिंग सीरीज फार्मूला ई में अपने पहले सत्र में खराब शुरुआत के बाद पहले अंक जुटाए। फार्मूला टू में चार सत्र बिताने के बाद फार्मूला ई से जुड़ने वाले जेहान ने मासेराती एमएसजी रेसिंग की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हुए रविवार को यहां मिसानो ई-प्री की दूसरी रेस में नौवें स्थान पर रहते हुए दो अंक हासिल किए। फिया विश्व चैंपियनशिप का दर्जा रखने वाली इस सीरीज में इससे पहले जेहान की शुरुआत खराब रही थी। अब तक उन्होंने जिन रेस में हिस्सा लिया उनमें से दो को पूरा नहीं कर पाए जबकि अन्य में 16वें, 20वें, 15वें और 17वें स्थान पर रहे।

नेट पर धोनी के खिलाफ डेथ ओवर गेंदबाजी का करते हैं अभ्यास: सिमंस

भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच सिमंस ने पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान की तारीफ की

धोनी ने मुंबई के विरुद्ध चार गेंद पर जड़े थे 20 रन

एजेंसी। मुंबई

चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने खुलासा किया है कि उनके गेंदबाज महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ डेथ ओवरों की गेंदबाजी करते हैं और ट्रेनिंग सत्र में उनके खिलाफ सफल रहने वाली रणनीतियां मैच के दौरान भी अच्छा काम करती हैं।

धोनी सुपरकिंग्स की पारी की आखिरी चार गेंदों पर बल्लेबाजी के लिए आए और उन्होंने पहली तीन गेंदों पर छक्के लगाकर टीम को रविवार रात मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के आखिरी ओवर में 26 रन जुटाने में मदद की। उनकी चार गेंद में नाबाद 20 रन की पारी अंत में अंतर साबित हुई और मुंबई इंडियन्स को 20 रन से हराकर सुपरकिंग्स की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई।

सिमंस ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, वे हमें 200 रन से कम पर रोकने पर विचार कर रहे थे और फिर वे अचानक इस तरह के एक ओवर के साथ 206 रन का सामना कर रहे थे। वह हर बार हमें आश्चर्यचकित करता रहता है। वहां जाना और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना और फिर उसकी तरह बल्लेबाजी जारी रखना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन वह नेट्स पर शानदार बल्लेबाजी कर रहा है... महेंद्र सिंह धोनी का एक और अविश्वसनीय पल।

भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच सिमंस ने कहा कि एक बल्लेबाज के रूप में धोनी सीएसके के लिए डेथ ओवरों में अपने गेंदबाजी कौशल का परीक्षण करने के लिए आदर्श रहे हैं। सिमंस ने कहा, विकेट पर उनका धैर्य... जब हम डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते हैं तो सत्र पूर्व ट्रेनिंग में उनके खिलाफ अभ्यास करते हैं क्योंकि वह इसमें काफी अच्छे हैं। अगर हम उनके खिलाफ अपनी रणनीतियों का परीक्षण कर सकते हैं तो हम जानते हैं कि हम अच्छा प्रदर्शन करने जा रहे हैं।

सिमंस ने स्वीकार किया कि धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने कोई दर्द नहीं दिखाते हुए बहादुरी से इसका सामना किया है। उन्होंने कहा, हर किसी को उसकी चोटों में उसकी तुलना में अधिक रुचि है। वह उन सबसे कठोर व्यक्तियों में से एक है जिनसे मैं कभी मिला हूं। मुझे नहीं लगता कि हमें यह भी पता है कि उसे किस हद तक दर्द हो सकता है। वह बस आगे बढ़ता रहता है और अपना काम करता है।

'स्पिनरों को दुबे के खिलाफ उतारने से डरती हैं टीमें'

चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने कहा है कि ऑलराउंडर शिवम दुबे में मैचों को नियंत्रित करने की क्षमता है और टीमें उनके खिलाफ स्पिन गेंदबाजों का इस्तेमाल करने से डरती हैं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज दुबे ने रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 38 गेंद में नाबाद 66 रन बनाए और अपनी टीम की 20 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। मुंबई ने सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया लेकिन आठवें ओवर के बाद अपने स्पिनरों को गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। दुबे ने स्पिनर की सिर्फ एक गेंद का सामना किया और वह गेंद श्रेयस गोपाल की थी। सिमंस ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, जब वह (दुबे) आता है तो वे (विरोध टीमें) स्पिनरों को हटा देते हैं (और) वे तेज गेंदबाजों से गेंदबाजी कराते हैं। वह इसमें और अधिक प्रभावी हो गया है। लेकिन उन्होंने बाकी मैच में दोबारा स्पिन गेंदबाजी नहीं की क्योंकि वह विकेट पर था।

उन्होंने कहा, यह इस बारे में है कि आप मैच को कैसे नियंत्रित करते हैं और उसके जैसा कोई व्यक्ति इसे नियंत्रित कर सकता है क्योंकि वे अब स्पिन गेंदबाजी नहीं कर सकते। वे ऐसा नहीं करना चाहते। वे डरे हुए हैं।

रॉयल्स को हरा अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचना चाहेगा केकेआर

नरेन की फिरकी राजस्थान के लिए रहेगी चुनौती

एजेंसी। कोलकाता

राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग में यहां जब दो बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी तो उसके बल्लेबाजों के सामने ईडन गार्डन्स पर सुनील नारायण की गेंदबाजी का जवाब ढूंढने की चुनौती होगी। अगले महीने 36 बरस के होने जा रहे नारायण ने 2012 और 2014 में पूर्व कप्तान गौतम गंभीर के नेतृत्व में केकेआर की दो खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वर्ष 2012 में नाइट राइडर्स का हिस्सा बनने के बाद से नारायण ने ईडन गार्डन्स पर अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है।

मेंटर के रूप में टीम में गंभीर की वापसी के बाद नारायण ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को खिताब के दावेदारों में शामिल कर दिया है। तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 टीम की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। रविवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ केकेआर की आठ विकेट की जीत में फिल सॉल्ट को नाबाद तूफानी अर्धशतक जड़ने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। लेकिन वह नारायण थे जिनकी किफायती गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना सकी। मौजूदा सत्र में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर जैसे बल्लेबाजों को हालांकि नारायण की चुनौती का हल ढूंढना होगा। यह देखना होगा कि जोस बटलर इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। मौजूदा सत्र में नारायण बल्ले से भी काफी अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं।

आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। इस मैच में मुख्य मुकाबला केकेआर की गेंदबाजी और रॉयल्स की बल्लेबाजी के बीच होगा।केकेआर की एकमात्र कमजोर कड़ी उसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जो खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और बड़ी पारियां खेलने में विफल रहे हैं। लखनऊ के खिलाफ 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर 38 गेंद में 38 रन बनाकर नाबाद रहे थे लेकिन उन्हें तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ परेशानी हुई थी।

दोनों टीम के खिलाड़ी

केकेआर: अय्यर (कप्तान), केएस भरत, गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष, रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप, चक्रवर्ती, नारायण, वैभव अरोड़ा, सकारिया, हर्षित, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान।

राजस्थान : संजू (कप्तान), जोस बटलर, हेटमायर, यशस्वी, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, चहल, आवेश खान, रोवमैन, शुभम दुबे, टॉम कैडमोर, मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, कोटियन और केशव।

समय: 7:30 से

अनुभवी सरिता मोर खाली हाथ लौटीं

अंजू और हर्षिता को एशियाई चैंपियनशिप में मिला रजत

एजेंसी। बिश्केक (किर्गिस्तान)

अंजू और हर्षिता को एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक से संतुष्ट होना पड़ा जिससे इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भारतीय पहलवानों से अब तक दूर है। भारतीय टीम को हालांकि 2021 विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता सरिता की हार से बड़ा झटका लगा। हाल ही में राष्ट्रीय चयन ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में विनेश फोगाट को हराकर सुर्खियां बटोरने वाली रेलवे की पहलवान अंजू ने फिलीपींस की आलिया रोज गावलेज और श्रीलंका की नेथमी अहिंसा फर्नांडो के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में उन्हें चीन की चेन लेई से कड़ी टक्कर मिली, लेकिन वह 9-6 से जीत दर्ज करने में सफल रही।

स्वर्ण पदक के लिए अंजू के सामने उत्तर कोरिया की जि हयांग किम की चुनौती थी। इस मुकाबले में अंजू एक भी अंक नहीं जुटा सकी और तकनीकी श्रेष्ठता से हार गई। हर्षिता ने 72 किग्रा के फाइनल तक के सफर में सिर्फ तीन अंक गंवाएं। उन्होंने उज्बेकिस्तान की ओजोदा जरीपबोएवा को तकनीकी श्रेष्ठता (13-3) से हराने के बाद कजाकिस्तान की अनास्तासिया पानासोविच को 5-0 से मात दी। फाइनल में वह चीन की कियान जियांग की चुनौती से पार नहीं पा सकी। चीन की पहलवान ने उन्हें 5-2 से शिकस्त दी। सरिता अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला मंगोलिया की गंदुया एनखबत से 4-8 से हार गईं। 28 साल की यह खिलाड़ी इस श्रेणी में पदक की प्रबल दावेदार थी। मनीषा भानवाला (62 किग्रा) और अंतिम कुंडू (65 किग्रा) ने कांस्य पदक के साथ अपना अभियान खत्म किया। भारतीय महिला पहलवानों ने कुल मिलाकर छह पदक (तीन रजत और तीन कांस्य) जीते। पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती में उदित (57 किग्रा) ने रजत पदक दिलाया।

उबेर कप में सिंधू जैसा प्रदर्शन करना चाहती हैं तन्वी

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को अपनी प्रेरणास्रोत मानने वाली 15 साल की तन्वी शर्मा इस महीने चीन के चेंगडू में होने वाले थॉमस और उबेर कप में उनके जैसा आक्रामक प्रदर्शन करना चाहती हैं। तन्वी थॉमस और उबेर कप के लिए भारतीय महिला टीम की युवा सदस्य हैं। वह बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के दौरान टीम का हिस्सा थीं, लेकिन खेली नहीं थीं। इसमें सिंधू के खेल को देखने के अपने अनुभव को याद करते हुए तन्वी ने कहा, मैं सिंधू दीदी की तरह बनना चाहती हूं, वह मेरी प्रेरणास्रोत हैं। मैं उनके सारे मैच देखती हूं। मलेशिया में उनके साथ होना शानदार था। वह बहुत ही मिलनसार हैं।

हेड ने जड़ा सबसे 'तेज' शतक हैदराबाद का रिकॉर्डतोड़ स्कोर

एक पारी में सबसे अधिक 22 छक्के लगे

एजेंसी। बेंगलुरु

ट्रेविस हेड के शतक समेत अपने बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाए।

हेड ने 41 गेंद में 102 रन बनाए, जबकि हेनरिच क्लासेन ने 31 गेंद में 67 रन बनाए। अंत में युवा बल्लेबाज अब्दुल समद ने 10 गेंद में 37 रन की तूफानी पारी खेली। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन हेड और अभिषेक शर्मा ने पहले ही ओवर से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर डुप्लेसिस का यह फैसला गलत साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। दोनों ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 27 गेंदों पर ही 50 रन पूरे कर दिए। हैदराबाद ने पावरप्ले खत्म होने तक बिना विकेट गंवाए 76 रन बनाए थे जिसमें अकेले ही हेड ने 52 रन का योगदान दिया। हेड ने महज 20 गेंदों पर पचासा पूरा किया और फिर शतक पूरा करने के लिए सिर्फ 19 गेंदें और ली। इस पारी में 22 छक्कों का रिकॉर्ड भी बना।

हेड ने 39 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया जो आईपीएल इतिहास का चौथा सबसे तेज शतक है। हेड की पारी का अंत फर्गूयूसन ने किया। इससे पहले इसी सत्र में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हैदराबाद में तीन विकेट पर 277 रन बनाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

विलारीयाल ने एथलेटिक बिलबाओ को ड्रॉ पर रोका

एजेंसी। मैड्रिड

कोपा डेल रे विजेता एथलेटिक बिलबाओ को स्पेनिश फुटबॉल लीग में विलारीयाल ने 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। पिछले सप्ताहांत एथलेटिक ने मालोर्का को हराकर चार दशक में पहली कोपा डेल रे ट्रॉफी जीती। रविवार को विलारीयाल के खिलाफ मुकाबले के दौरान ट्रॉफी को दर्शकों के लिए सैन मेम्स स्टेडियम में रखा गया था। एथलेटिक को 66वें मिनट में ओइहान सांचे ने बढ़त दिलाई। इससे लगभग 20 मिनट पहले सेंटियागो कोमेसाना को फाउल करने पर दूसरा लाल कार्ड दिखाकर मैच से बाहर कर दिया गया था।

हालांकि जब लग रहा था कि एथलेटिक की टीम मैच जीत लेगी तब दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में डेनी पारेजो ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। इस ड्रॉ से एथलेटिक की चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है। टीम अभी चौथे स्थान पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक पीछे है, जबकि सात मैच बचे हैं। एटलेटिको ने शनिवार को तीसरे स्थान पर चल रहे गिरोना को 3-1 से हराया था। विलारीयाल की टीम नौवें स्थान पर है।

चेन्नई से मिली हार के बाद गावस्कर ने हार्दिक को बनाया निशाना और बोले

बेहद साधारण गेंदबाजी और कप्तानी

एजेंसी। मुंबई

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को मौजूदा आईपीएल में मुंबई इंडियंस की चौथी हार के बाद प्रमुख पूर्व खिलाड़ियों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा और पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अब तक बिल्कुल साधारण गेंदबाजी और कप्तानी के लिए उनकी आलोचना की।

मुंबई की कप्तानी संभालने के बाद से प्रशंसकों की हूटिंग का सामना कर रहे पंड्या को रविवार रात चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ टीम की 20 रन की हार के बाद गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन की आलोचना झेलनी पड़ी। पंड्या ने पारी के अंतिम ओवर में 26 रन लुटाए जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर पारी के ब्रेक के दौरान कहा, ओह, बेहद साधारण गेंदबाजी, साधारण कप्तानी। शिवम दुबे के साथ रुतुराज गायकवाड़ के काफी अच्छी बल्लेबाजी करने के बावजूद उन्हें कम स्कोर पर रोका जाना चाहिए था।

पूर्व कप्तान ने कहा कहा, संभवत: सबसे बदतर गेंदबाजी जो मैंने काफी लंबे समय में देखी है। पंड्या ने तीन ओवर में 43 रन देकर दो विकेट चटकाए और बल्लेबाजी करते हुए भी छह गेंद में सिर्फ दो रन बना पाए।

पीटरसन का मानना है कि इस स्टार ऑलराउंडर पर बाहरी आलोचना का असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में सोचता हूं कि खेल के इतर की चीजें हार्दिक पंड्या पर बहुत प्रभाव डाल रही हैं। जब वह टॉस के लिए जाता है तो वह बहुत मुस्कुराता है। वह ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहा है जैसे वह बहुत खुश है। वह खुश नहीं है। यह मेरे साथ भी हुआ है। मैं इसका सामना कर चुका हूं।

पोलार्ड ने हार के बाद पंड्या का बचाव किया

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड टीम की हार के लिए विशेष व्यक्तियों को दोषी ठहराने वाले लोगों से परेशान हैं और तंग आ चुके हैं और उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 20 रन की हार के बाद प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे संघर्षरत कप्तान हार्दिक पंड्या को निशाना नहीं बनाएं। सुपरकिंग्स के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी ने पंड्या के पारी के अंतिम ओवर में लगातार तीन छक्कों की मदद से 26 रन बनाए। मुंबई के कप्तान को इस ओवर में लाइन और लेंथ को लेकर जूझना पड़ा और उन्होंने महत्वपूर्ण समय पर दो वाइड भी फेंकी। पंड्या मैच के अहम चरण पर छह गेंदों पर केवल दो रन ही बना सके। पोलार्ड ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, आपको इस तरह के दिनों का सामना करना पड़ता है। मैं व्यक्तिगत खिलाड़ियों पर निशाना साधने से तंग आ चुका हूं।

विदित गुजराती ने यूएस के नाकामूरा को फिर दी मात

कैंडिडेट्स शतरंज: गुकेश और प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला रहा ड्रॉ

महिला वर्ग में वैशाली को चीन की टैन ने किया पराजित

एजेंसी। टोरंटो

भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने पिछले मैच में शिकस्त के बाद जोरदार वापसी करते हुए रविवार को यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में अमेरिका के दूसरे वरीय हिकारू नाकामूरा को हरा दिया।

डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि किसी अन्य बाजी का भी नतीजा नहीं निकला। रूस के इयान नेपोमनियाची ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के साथ अंक बांटे, जबकि अजरबेजान के निजात अबासोव ने अमेरिका के फाबियानो करूआना को बराबरी पर रोका।

साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में अब पांच दौर का खेला बाकी है। नेपोमनियाची और गुकेश संभावित नौ में से 5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानानंदा पांच अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामूरा, गुजराती और करूआना 4.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। अलीरेजा 3.5 अंक के साथ 7वें, जबकि अबासोव तीन अंक के साथ 8वें स्थान पर हैं।

पहले हाफ में नाकामूरा को हराने वाले विदित ने दूसरे हाफ में भी अपनी इस सफलता को दोहराया। गुकेश और प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला 41 चाल के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अलीरेजा के खिलाफ नेपोमनियाची मुश्किलों में घिरा होने के बावजूद वापसी करते हुए मुकाबला ड्रॉ कराने में सफल रहे।

अबासोव ने भी सफेद मोहरों से खेलते हुए करूआना को कोई मौका नहीं दिया और अंतत: दोनों खिलाड़ी बाजी ड्रॉ कराने पर सहमत हो गए। महिला वर्ग में आर वैशाली की वापसी की उम्मीदों को झटका लगा, जब उन्हें चीन की झोंगई टैन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। चीन की इस खिलाड़ी ने संभावित नौ में से छह अंक साथ एकल बढ़त बना ली है।

रविवार को टैन और वैशाली की बाजी के अलावा अन्य किसी बाजी का नतीजा नहीं निकला।

भारत की कोनेरू हंपी ने रूस की कैटरीना लेगनो के साथ अंक बांटे जबकि कल तक शीर्ष पर चल रहीं टिंगजी लेइ और बुल्गारिया की नुर्गयुल सेलिमोवा की बाजी भी ड्रॉ रही। यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने रूस की एलेक्सांद्रा के साथ ड्रॉ खेला। टिंगजी और गोरयाचकिना 5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि लेगनो उनसे आधा अंक पीछे पांच अंक के साथ चौथे पायदान पर है। सेलिमोवा और हंपी चार अंक के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थार पर हैं जबकि मुजिचिक 3.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। वैशाली सिर्फ 2.5 अंक के साथ आठवें और अंतिम स्थान पर चल रही हैं।

'मुंबई को गेंदबाजी में करना होगा सुधार'

ब्रायन लारा ने कहा बुमराह के अलावा किसी में खास दम नहीं

एजेंसी। मुंबई

वेस्टइंडीज के पूर्व महान खिलाड़ी ब्रायन लारा ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस की 20 रन की हार के बाद कहा कि मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह के अलावा अधिक दम नहीं है और उन्हें खेल के इस विभाग में सुधार करने की जरूरत है। बुमराह (चार ओवर में 27 रन देकर कोई विकेट नहीं) को सुपरकिंग्स के खिलाफ कोई सफलता नहीं मिली जो उनके द्वारा स्थापित शीर्ष मानकों को देखते हुए बेहद सामान्य प्रदर्शन है।

लारा ने क्रिकेट लाइव शो पर कहा, मुझे लगता है कि जब हम मुंबई इंडियंस को देखते हैं तो बहुत से लोग उन्हें प्रबल दावेदार के रूप में देखते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने 230 रन बनाए, उन्होंने 196 रन का लक्ष्य हासिल किया, सिर्फ 15 ओवर में, इसलिए इस तथ्य के कारण मुझे लगता है कि हम उन्हें प्रबल दावेदार के रूप में चुनते हैं। लेकिन उनकी गेंदबाजी खराब है। जसप्रीत बुमराह के अलावा, उस गेंदबाजी आक्रमण में उनका समर्थन करने वाला कोई नहीं है और सुपरकिंग्स के बल्लेबाजों ने उन्हें ध्वस्त कर दिया। आठवें ओवर के बाद मुंबई इंडियन्स ने अपने स्पिनरों का उपयोग नहीं किया क्योंकि धीमे गेंदबाजों के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे क्रीज पर थे। लारा ने कहा, स्पिनरों ने लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन देने के बाद केवल चार ओवर फेंके क्योंकि शिवम दुबे की मौजूदगी में उन्हें उन पर भरोसा नहीं था। इसलिए मुंबई को कुछ मैच जिताने वाले गेंदबाज चाहिए।